हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, बुधवार, 3 सितंबर 2025

Triveni® ALMIRAH

लाडली बिटिया की गृहस्थी में निपटाऊ नहीं टिकाऊ

Best Industry Award
by U.P. Government (2008)

Best Contribution in Industry Award
by Govt. of India (2014)

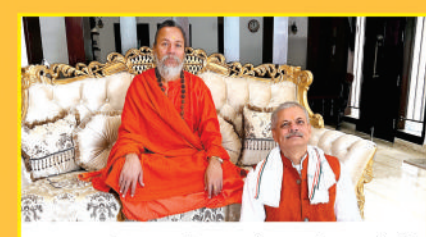

पूज्य गुरू जी महामण्डलेश्वर स्वामी अभयानंद सरस्वती जी से आशीर्वाद प्राप्त करते हुये

Business Excellence Award
Organized by Amar Ujala (2017)

Udyog Samman Award
by Shri Nitin Gadkari (2023)

त्रिवेणी अलमीरा

Largest Manufacturer of Domestic Steel Almirah

फ्री डिलीवरी

10 वर्षों की गारंटी तालों पर

10 वर्षों की गारंटी पेन्ट पर

स्वाती–2
(2010x915x530)mm
₹12,800/-

ग्लॉस–21
(2010x915x530)mm
₹16,300/-

तिजोरी–21
(2010x915x530)mm
₹15,800/-

उर्वशी
(2010x915x590)mm
₹21,900/-

मोहिनी–3
(2200x1066x590)mm
₹28,900/-

सजनी
(2010x1230x590)mm
₹31,900/-

गोमती–2
(2010x915x530)mm
₹13,400/-

गोमती–4
(2010x915x530)mm
₹19,000/-

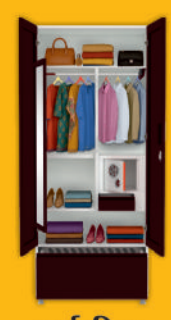

उर्वशी–3
(2200x915x590)mm
₹24,900/-

₹25,900/-

मोहिनी
(2010x1066x590)mm

रानी दर्पण
(2010x915x530)mm
₹19,200/-

महारानी दर्पण
(2010x915x530)mm
₹20,200/-

गौरी–2
(2010x1066x530)mm
₹19,400/-

गौरी–3
(2010x1066x530)mm
₹20,400/-

गृह लक्ष्मी–2
(2010x1066x530)mm
₹20,100/-

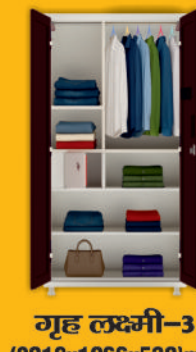

गृह लक्ष्मी–3
(2010x1066x530)mm
₹21,100/-

गृह लक्ष्मी–4
(2010x1066x530)mm
₹22,100/-

कादम्बरी
(2010x1066x530)mm
₹26,800/-

बहूरानी
(2010x1066x530)mm
₹27,800/-

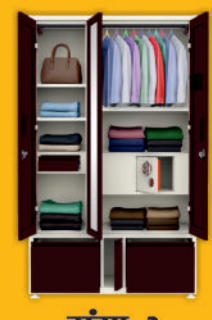

गंगा–3
(2010x1230x530)mm
₹32,100/-

गंगा–4
(2010x1230x530)mm
₹30,100/-

दुल्हा दुल्हन
(2010x1372x530)mm
₹36,100/-

भाग्यलक्ष्मी
(2200x1230x610)mm
₹48,000/-

भाग्यश्री–4
(2010x1676x610)mm
₹80,100/-

Email : info@trivenialmirah.com I Website : www.trivenialmirah.com I Contact us: +91 8874208130, 9335134678

हमर-प्रदेश

बिलासपुर, बुधवार 3 सितंबर 2025 haribhoomi.com

हरिभूमि

भाजयुमो अध्यक्ष पर परिवार तोड़ने का आरोप मेरे खिलाफ राजनीतिक साजिश : राहुल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

■ पत्र वायरल करने वालों के खिलाफ जाएंगे न्यायालय

ग्राम सिलघट निवासी रविकांत टिकरिहा ने भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकारिहा पर पत्नी से संबंध होने और परिवार तोड़ने का आरोप लगाया है। जवाब में वायरल हुए पत्र को लेकर भाजयुमो अध्यक्ष ने मंगलवार को सफाई देते हुए कहा, यह सब कांग्रेस की साजिश है। कांग्रेस मेरा चरित्र हनन करने का प्रयास कर रही है। पुराने पत्र को वायरल करने वालों के खिलाफ वे न्यायालय जाएंगे।

श्री टिकरिहा ने एकात्म परिसर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा, उन्हें जिस तरह बदनाम किया गया, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। पहले भी यह विषय आ चुका है और बाइट देखकर या वीडियो बनाकर वह इसका खंडन कर लेते थे, लेकिन अब भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व मिलने के बाद भाजपा नेतृत्व का मार्गदर्शन पाकर वह स्पष्ट कर रहे हैं कि यह मामला अप्रैल, 2022 का है। बेरला थाना चौकी में इस मामले में एफआईआर हुई है। उस क्षेत्र में विपक्ष में रहकर कांग्रेस की सरकार और तत्कालीन विधायक कांग्रेस विधायक के विरुद्ध मजबूती से काम करने के कारण उन चार सालों में कांग्रेस के तत्कालीन विधायक के इशारे पर उनके विरुद्ध 14 एफआईआर कराई गई और उन्हें पांच बार जेल भेजा गया। उसी दौरान यह विषय सामने आया।

जिसे चाचा बताया जा रहा, उससे रिश्ता नहीं

श्री टिकरिहा ने कहा, गांव के ही जिस व्यक्ति को उनका चाचा बताया गया है, वे केवल मेरे परिचित हैं कोई रिश्तेदार नहीं है। जिस प्रकार से उनको मेरा चाचा बताकर जो भी सर्कुलेट किया जा रहा है, वह सब गलत है। कोर्ट ने भी इन सारी बातों को निराधार बताया है तो इन बेबुनियाद बातों को कांग्रेस कैसे प्रमाणित कर रही है। श्री टिकरिहा ने कहा, कोर्ट के फैसले के बाद जब यह मामला वर्षों पूर्व खत्म हो चुका है, उसके बाद भी इसे हथियार बनाकर एक लेटर बना दिया गया जिसमें उन्हें समाज से निलंबित बता दिया गया, जबकि समाज के मुखिया उनके पदभार ग्रहण कार्यक्रम में उपस्थित थे।

आरोप लगाने वाले को बनाया जा रहा मोहरा

इस प्रकार का यह दुष्प्रचार राजनीतिक षड्यंत्र है। जिस व्यक्ति को मोहरा बनाकर यह षड्यंत्र रचा जा रहा है, उनकी पत्नी स्वयं एक शिक्षिका हैं और अपने पति से प्रताड़ित की गई हैं। आज भी उनके नाम का दुरुपयोग कर उनको बदनाम किया जा रहा है। उक्त शिक्षिका ने ही एफआईआर कापी में सारा विषय स्पष्ट रूप से लिखा है कि मेरे पारिवारिक मामले का जबरदस्ती बदनाम करने की मंशा से राजनीतिकरण किया गया है। मेरे पति का मित्र कांग्रेस से संबंधित है। मेरे पति का लगातार विधायक निवास बेमेतरा में आना-जाना रहता है। श्री टिकरिहा ने कहा, इस मामले में कहीं पर भी उनका नाम एफआईआर में नहीं है, यहां तक कि कोर्ट ने उन्हें क्लीन चिट दी है।

रविकांत के पत्र में क्या है

बेमेतरा जिले के ग्राम सिलघट निवासी रविकांत टिकरिहा ने आरोप लगाया कि राहुल के कारण उनका परिवार टूट गया। रविकांत ने पत्र में लिखा कि उनकी शादी 2015 में हुई थी और उनके घर एक बेटी का जन्म हुआ, जो अब करीब 9 साल की है। उन्होंने दावा किया कि पारिवारिक जीवन सामान्य था, लेकिन समय के साथ मतभेद बढ़े और 20 दिसंबर 2024 को परिवार न्यायालय ने संबंध विच्छेद का आदेश दे दिया। रविकांत ने आरोप लगाया कि इस पूरे प्रकरण के पीछे राहुल टिकरिहा का हाथ है, जिसके कारण उनका घर-परिवार बर्बाद हो गया और बेटी मां से वंचित हो गई। उन्होंने मांग की कि भाजपा को ऐसे व्यक्ति के खिलाफ सामाजिक और राजनीतिक कार्रवाई करनी चाहिए।

कांग्रेस ने कहा, आरोप हमने नहीं लगाया

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि राहुल टिकरिया ने अपने ऊपर लगाए आरोपों के लिये कांग्रेस को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। वे झूठ बोल रहे है। राहुल टिकरिया के ऊपर आरोप कांग्रेस पार्टी के द्वारा नहीं लगाया गया। उनके रिश्तेदार (चाचा) ने आरोप लगाया है। उनके रिश्ते के चाचा का ऑडियो वायरल है, पत्र वायरल है, यह उनके अपने कर्म है। कांग्रेस ने कभी भी कोई टिप्पणी नहीं किया, न ही उनके चाचा के पत्र फोटो आदि को कांग्रेस ने वायरल किया।

दो दिन से वन विभाग की टीम कर रही रेस्क्यू सुबह मुर्गा खाकर तालाब में घुस गया मगरमच्छ

- फारेस्ट के बस्तर व दंतेवाड़ा की टीम 12 कर्मी 200 मीटर पिंजड़ा व बोट से साथ जुटी
- तीन दिन से तोकापाल बाजारपारा के तालाब में तैर रहा मगरमच्छ

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

हरिभूमि फॉलोअप

बस्तर जिले के तोकापाल बाजारपारा स्थित 30 एकड़ के तालाब में पांच दिन पूर्व निकट ही स्थित कोयर नाला में बाढ़ होने से मगरमच्छ पहुंचा, जो 5 दिनों से उसी तालाब में रह रहा है, हालांकि इससे कोई जनहानि नहीं हुई। फिर भी सीसीएफ आरसी दुग्गा, वन मंडलाधिकारी उत्तम कुमार गुप्ता के निर्देश पर चित्रकोट के उप वन मंडलाधिकारी योगेश कुमार रात्रे के नेतृत्व में डिप्टी रेंजर आरके मिश्रा के साथ बस्तर एवं दंतेवाड़ा जिले की 12 अधिकारी-कर्मचारी सोमवार की दोपहर से तालाब में रेस्क्यू कर रहे हैं। इसमें वन विभाग ने तालाब में 200 मीटर पिंजड़ा एवं वोट लेकर तैनात हैं, टीम ने सोमवार को तालाब किनारे मगरमच्छ को चारा देने के लिए मुर्गा काटकर रखा गया था। मगरमच्छ ने मंगलवार की सुबह लगभग 4 बजे तालाब से निकलकर बाहर निकला और मुर्गा खाकर वापस तालाब में घुस गया। टीम ने तालाब का वीडियो बनाया, जिसमें स्पष्ट दिख रहा कि मगरमच्छ तैर रहा है। मंगलवार की शाम तक मगरमच्छ तालाब से नहीं निकला। हालांकि वन विभाग ने शुक्रवार से आसपास मुनादी किया है कि लोग तालाब के पास नहीं पहुंचे। तालाब में नहाने की मनाही है।

मछली बीज का हो रहा नुकसान

बताया जा रहा है कि तोकापाल निवासी सुमीत तिवारी ने इस तालाब में मछली पालन के लिए मछली बीज डाला है। जिसमें मछली के बीज को मगरमच्छ के खा दिए जाने से सुमीत को आर्थिक नुकसान होने की संभावना है।

तालाब में तैनात वन कर्मी

चित्रकोट उप वन मंडलाधिकारी योगेश कुमार रात्रे ने बताया कि तालाब में वन कर्मियों को तैनात किया गया। साथ ही मगरमच्छ को पकड़ने के लिए तालाब में दो दिन रेस्क्यू किया गया है, शीघ्र ही मगरमच्छ मिलेगा।

एग्रीस्टेक पोर्टल में तकनीकी दिक्कत, 30 प्रतिशत किसानों का पंजीयन नहीं

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

जिला कांग्रेस ग्रामीण के अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने कहा, भाजपा की केंद्र एवं राज्य सरकार के तुगलकी फरमान से किसानों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। किसानों को धान बेचने, फसल बीमा एवं पीएम किसान सम्मान निधि सभी के लिए एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन अनिवार्य कर दिया गया है। उन्होंने कहा, पंजीयन के लिए 30 अगस्त की तिथि तय की गई थी। तकनीकी दिक्कतों के कारण प्रदेश के 30 प्रतिशत किसानों का पंजीयन नहीं हो पाया।

उन्होंने बताया कि किसान पंजीयन तो कराना तो चाहते हैं, लेकिन विभिन्न तकनीकी दिक्कत के कारण पोर्टल में पंजीयन नहीं हो पा रहे हैं। पोर्टल में 2023 के जमीन का रिकॉर्ड है, इसलिए भी 2 साल के जितने भी खरीदी जमीन एवं बटवारा, नामांतरण हुआ है, किसी का पंजीयन नहीं हो रहा है। पटवारी, तहसीलदार एवं अन्य कर्मचारी हड़ताल पर थे, जिससे दुरुस्त नहीं हो पाया है। किसान लगातार चॉइस सेंटर का चक्कर लगा रहे हैं। पटवारी, तहसीलदार के पास जाकर सुधार करवा रहे हैं, लेकिन पोर्टल में 2023 का डाटा होने की वजह से पंजीयन नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा, भाजपा सरकार की मंशा कुल मिलाकर धान उत्पादक किसानों को परेशान करके धान खरीदने से बचने का रास्ता निकाल रही है। सरकार बीमा की भी राशि नहीं देना चाहती। प्रीमियम सभी किसानों से ली है, लेकिन फसल खराब होने की स्थिति में पोर्टल में पंजीयन नहीं कराने की स्थिति में बीमा के लाभ से वंचित होना पड़ेगा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने मांग की है कि 2023 का रिकॉर्ड पोर्टल से हटा कर 2025 का डाटा डाले, एग्रीस्टेट पोर्टल 30 अगस्त के बाद बंद हो गया है उसे चालू करे। साथ ही जब तक शत प्रतिशत किसानों का पंजीयन एग्रीस्टेट पोर्टल में न हो तब तक धान खरीदी, बीमा एवं किसान सम्मान निधि को जारी रखे, ताकि किसानों को योजनाओं का लाभ मिल सके साथ ही सेवा सहकारी समिति के माध्यम से कैंप लगाकर पंजीयन करवाने मदद करे।

रायपुर एयरपोर्ट विस्तार मामले में 13 साल बाद मुआवजा बढ़ाने हाईकोर्ट ने दिया आदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

हाईकोर्ट ने 13 साल बाद नया रायपुर एयरपोर्ट विस्तार के लिए ली गई जमीन का मुआवजा बढ़ाने का आदेश दिया है। जस्टिस रजनी दुबे और जस्टिस एके प्रसाद की डिवीजन बेंच ने किसानों के पक्ष में यह फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि किसानों को 17 लाख रुपए प्रति हेक्टेयर की बजाय 25 लाख रुपए प्रति हेक्टेयर की दर से मुआवजा दिया जाए। अतिरिक्त 12 प्रतिशत वार्षिक राशि, 30 प्रतिशत क्षतिपूर्ति और कब्जा लेने की तारीख से ब्याज भी देने के आदेश दिए गए हैं। ज्ञात हो कि राज्य सरकार ने वर्ष 2011 में नया रायपुर में एयरपोर्ट विस्तार के लिए बरौद और आसपास के गांवों की करीब 95 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया था। अधिसूचना अगस्त 2011 में जारी हुई और जून 2012 को किसानों को 17 लाख/हेक्टेयर (असिंचित भूमि) और 18.25 लाख/हेक्टेयर (सिंचित भूमि) के हिसाब से मुआवजा तय किया गया। किसानों ने मुआवजे को कम बताते हुए संबंधित विभाग में आवेदन दिया, लेकिन 2019 में उनकी मांग खारिज कर दी। इसके बाद प्रकाश चंद्र शर्मा, मोहन, रामेश्वर समेत अन्य किसानों ने वर्ष 2020 में हाई कोर्ट में अपील की। मामले में सरकार और एनआरडीए की तरफ से कहा गया कि अधिग्रहण उस समय की गाइडलाइन के तहत तय दरों पर हुआ था। बिक्री पर प्रतिबंध के चलते तीन साल का औसत बाजार मूल्य उपलब्ध नहीं था, इसलिए उप पंजीयक की गाइडलाइन दर के आधार पर ही मुआवजा तय किया गया।

एनआरडीए ने ही 35 लाख हेक्टेयर में खरीदी है जमीनें

याचिका में इसमें कहा गया कि अधिग्रहण से पहले यानी वर्ष 2010 में एनआरडीए ने ही उसी गांव की जमीनें 35 लाख रुपए प्रति हेक्टेयर की दर पर खरीदी थीं। इसके बावजूद उन्हें 17 लाख का मुआवजा दिया जा रहा है। किसानों ने यह भी कहा कि उनकी जमीन सिंचित है और हाईवे से सटी हुई है, इसलिए इसकी अधिक कीमत तय की जानी चाहिए। हाई कोर्ट ने किसानों की दलीलों को मानते हुए कहा कि एनआरडीए खुद उसी क्षेत्र की जमीन ऊंची दर पर खरीद चुका है, ऐसे में किसानों को कम दर पर मुआवजा देना न्यायसंगत नहीं है। हाईकोर्ट ने सभी अपीलें स्वीकार करते हुए भूमि का मूल्य 25 लाख रुपए प्रति हेक्टेयर तय करते हुए किसानों को छह माह के भीतर मुआवजा राशि, ब्याज और अन्य वैधानिक लाभ देने के आदेश दिए हैं।

64 शिक्षकों को मिलेगा इस वर्ष राज्यपाल सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शिक्षक दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट शैक्षणिक कार्य एवं सेवाओं के लिए राज्यपाल शिक्षक सम्मान पुरस्कार वर्ष 2024-25 के लिए प्रदेशभर के कुल 64 शिक्षकों का चयन किया गया है। चयनित शिक्षकों को 5 सितंबर शिक्षक दिवस पर राज्यपाल सम्मानित करेंगे।

स्कूल शिक्षा विभाग के अनुसार सम्मान समारोह राजभवन में सुबह 11 बजे से प्रारंभ होगा। राज्यपाल रमेन डेका यह पुरस्कार प्रदान करेंगे, जबकि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय समारोह की अध्यक्षता करेंगे। पूर्वाभ्यास एक दिन पूर्व 4 सितंबर को होगा।

राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए दो चयनित

वहीं शिक्षक दिवस के मौके पर दिए जाने वाले राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए प्रदेश से दो शिक्षकों का चयन हुआ है। इसमें दुर्ग जिले के हनोदा स्थित सरकारी मिडिल स्कूल की शिक्षिका डॉ. प्रज्ञा सिंह और कोरबा जिले के नवोदय विद्यालय में कार्यरत संतोष चौरसिया का नाम शामिल है। 5 सितंबर शिक्षक दिवस पर नई दिल्ली में आयोजित समारोह में प्रदान किया जाएगा।

इनका होगा सम्मान

रायपुर जिले से प्रधान पाठक गोपाल राम यादव एवं सहायक शिक्षक कामिनी साहू, धमतरी से प्रधान पाठक किरण साहू एवं सहायक शिक्षक प्रीति शांडिल्य का नाम शामिल है। इसी प्रकार सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला से प्रधान पाठक से प्रियंका गोस्वामी एवं व्याख्याता समयलाल काठे, राजनांदगांव से प्राचार्य डॉ. शोभा श्रीवास्तव एवं प्रधान पाठक मुन्हेलाल लिल्हारे, दंतेवाड़ा से प्रधान अध्यापक सुमन जॉर्ज एवं सहायक शिक्षक सुनीता अजीत, कबीरधाम से व्याख्याता रमेश चंद्रवंशी एवं व्याख्याताकामिनी जोशी, सरगुजा से शिक्षकबंदना महथा एवं व्याख्याता अनिता मंदिलवार का नाम शामिल है। नारायणपुर जिला से शिक्षक उमेश सलाम एवं प्रधान अध्यापक सविता यादव, जशपुर से प्रधान पाठक सरिता नायक एवं प्रधान पाठक प्रवीण पाठक, कोरिया से व्याख्याता अमित लाल गुप्ता एवं जेल शिक्षक विवेक सिद्धकी का नाम शिक्षक सम्मान पुरस्कार के लिए चयन किया गया है। इसी प्रकार मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला से व्याख्याता राजेश द्विवेदी एवं प्रधान पाठक मीना जायसवाल, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई से प्रधान अध्यापक किशोर शर्मा एवं सहायक शिक्षक राजेश प्रजापति, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी से प्रधान पाठक संध्या साहू एवं व्याख्याता संजय देवांगन का नाम शामिल है। बलरामपुर-रामानुजगंज जिला से शिक्षक चन्द्रमुखी मेहता, दुर्ग से शिक्षक नरोत्तम कुमार साहू एवं खेमलता गोस्वामी, कोरबा से शिक्षक मधुलिका एवं प्रधान पाठक प्रिया दुबे, सूरजपुर से प्रधान पाठक रंजय कुमार सिंह एवं व्याख्याता प्रदीप जायसवाल, बलौदाबाजार-भाटापारा से शिक्षक मोहनलाल वर्मा एवं व्याख्याता जगदीश साहू, मुंगेली से व्याख्याता दुर्गा तिवारी एवं सहायक शिक्षक सुधारानी शर्मा, कोण्डागांव से प्रभारी प्राचार्य मनोज डड़सेना एवं शिक्षक शिवचरण साहू, रायगढ़ से सहायक शिक्षक टिकेश्वर प्रसाद पटेल एवं प्रधान पाठक नंद किशोर सतपथी का नाम शामिल है। सुकमा जिला से सहायक शिक्षक अंजु बारसे एवं गंगाधर राना, गरियाबंद से सहायक शिक्षक खोमन लाल सिन्हा एवं दिप्ती मिश्रा, सक्ती से शिक्षक संजीव चंद्रवंशी एवं सहायक शिक्ष नीरा साहू, बालोद से व्याख्याता नरोत्तम यदु एवं सहायक शिक्षक एनुका सार्वा का नाम शामिल है। जांजगीर-चांपा जिला से व्याख्याता अमृतलाल साहू एवं प्रतीक्षा सिंह, बेमेतरा से शिक्षक सुनीता राजपूत एवं केवरा सेन, महासमुंद से व्याख्याता जगदीश सिन्हा एवं ज्योति किरण चंद्राकर, बिलासपुर से व्याख्याता शांति सोनी एवं प्रधान पाठक शिव छत्रवाणी का नाम शामिल है। बस्तर से व्याख्याता सईदा खान एवं प्रधान अध्यापक देवश्री गोयल, कांकेर से कुसुम जैन, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही से प्राचार्य आरती तिवारी एवं प्रधान पाठक साबरा निशा, बीजापुर से प्रधान पाठक जगदीश तोरेम एवं व्याख्याता अरूण सिंह का चयन किया गया है।

राजधानी में दिनदहाड़े कट्टा दिखाकर लूट, स्कूटी सवार का पीछा कर लूटा

दो नकाबपोश बदमाशों में से एक गिरफ्तार, दूसरे की तलाश

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

राजधानी रायपुर में अपराध लगातार बढ़ते जा रहे हैं। हत्या, लूट, चोरी जैसी वारदातें आम हो गई हैं। शहर में जिस तेजी से अपराध बढ़े हैं, उसे देखकर यह कहना भी गलत नहीं होगा कि अपराधियों में पुलिस का खौफ अब नहीं है, क्योंकि शहर में अब दिनदहाड़े लूट की घटना भी होने लगी है। ऐसी ही एक घटना सोमवार शाम करीब 7 बजे कुकुरबेड़ा डुमरतालाब विप्र कालेज के पास घटी, जहां दोपहिया वाहन सवार दो नकाबपोशों ने कट्टा की नोक पर स्कूटी सवार युवक से रुपए लूट लिए और फरार हो गए। हालांकि इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, वहीं दूसरे की तलाश में जुटी हुई है।

सरस्वतीनगर थाना प्रभारी ने बताया कि प्रार्थी उज्ज्वल निषाद निवासी सरोना 1 सितंबर को देर शाम

करीब 7 बजे अपने दोस्त के साथ स्कूटी से एनआईटी के पास एटीएम में 4500 रुपए जमा करने गया था, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण वह पैसा जमा नहीं कर पाया। इसके बाद दोनों घर लौट रहे थे। जैसे ही वे कुकुरबेड़ा डुमरतालाब विप्र कालेज के पास पहुंचे, तभी पीछे से दोपहिया वाहन में सवार दो लोग जो अपने चेहरे को कपड़ा से ढके हुए थे, उनके पास आए और उनकी गाड़ी रोक दी। इसके बाद उनमें से एक व्यक्ति ने उज्ज्वल को देशी कट्टा दिखाते हुए उसके जेब में जितने पैसे है निकालकर देने के लिए कहा। जान के भय से उसने 45 सौ रुपए निकालकर दे दिए। रुपए लेने के बाद दोनों आरोपी वाहन में बैठकर भागने लगे। इस बीच उज्ज्वल और उसके साथी ने आरोपियों को पकड़ने का भी प्रयास किया, लेकिन दोनों फरार हो गए।

इस घटना में पुलिस ने 24 घंटे के भीतर इस लूट में शामिल आरोपी हरमीत सिंह 28 वर्ष निवासी ज्ञान भारती स्कूल के पास हीरापुर थाना कबीर नगर को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से लूट की रकम 3700 रुपए तथा घटना में प्रयुक्त दोपहिया वाहन के साथ एक देशी कट्टा एवं दो जिंदा कारतूस जब्त किया है। पूछताछ में हरमीत ने पुलिस को बताया कि इस घटना को उसने अपने साथी दीपक तिवारी के साथ मिलकर अंजाम दिया है। फिलहाल दीपक अभी फरार है, जिसे पुलिस तलाश कर रही है।

इस घटना से पुलिस की पेट्रोलिंग पर भी सवाल उठने लगा है। पुलिस हमेशा दावा करती है कि पेट्रोलिंग पार्टी नियमित रूप से थाना क्षेत्र के सभी इलाकों में पेट्रोलिंग पर निकलती है, लेकिन शाम करीब 7 बजे हुई लूट की घटना से पुलिस के दावों की पोल भी खुल गई है।

जल्द आएगी नई धान उपार्जन नीति, कैबिनेट की मंजूरी के बाद होगी लागू, सेंट्रल पूल में जाएगा 73 लाख टन चावल

इस बार भी 1 नवंबर से धान खरीदी, 31 जनवरी 2026 तक चलेगी

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ में खरीफ सीजन 2025-26 की नई धान उपार्जन नीति बनकर तैयार है। उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार नीति को जल्द होने वाली राज्य मंत्रिपरिषद (कैबिनेट) की बैठक में रखा जाएगा। वहां से मंजूरी के बाद नीति लागू हो जाएगी। खास बात ये है कि इस नीति में केंद्र सरकार के दिशा निर्देश भी शामिल किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ से इस सीजन में 73 लाख मीट्रिक टन चावल लेने की स्वीकृति दे दी है। इस साल भी 1 नवंबर से धान खरीदी शुरू होगी जो 31 जनवरी 2026 तक जारी रहेगी।

छत्तीसगढ़ में खरीफ वर्ष 2025-26 के लिए नई धान उपार्जन नीति बनकर तैयार है। खास बात ये है कि इस बार यह नीति केंद्र सरकार के दिशा निर्देश के आधार पर बनाई जा रही है। यही नहीं राज्य में इस साल से नए धान उपार्जन केंद्र खोलने की तैयारी है, इसके साथ ही उपार्जन केंद्रों को फाइव स्टार रेटिंग भी दी जाएगी। राज्य की नई धान उपार्जन नीति बनाने के सिलसिले में पिछले दिनों भारत सरकार के खाद्य विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में नई नीति संबंधी दिशा निर्देशों के मद्देनजर एक कार्यशाला भी रखी गई थी। लिहाजा अब बनाई जा रही नीति नई तकनीक व्यवस्था पर आधारित होगी। छत्तीसगढ़ में इस समय धान उपार्जन केंद्रों की संख्या 2739 है। लेकिन सरकार का इरादा उपार्जन केंद्रों की संख्या बढ़ाने का है। माना जा रहा है कि दूर दराज के इलाके जहां से किसानों को अपना धान बेचने के अधिक दूरी तय करनी पड़ती है, उन इलाकों को चिन्हांकित कर नए उपार्जन केंद्र बनाए जाएंगे। इससे किसानों को धान बेचने में सुविधा होगी। इसके साथ ही खरीदे गए धान को राइस मिलर, मार्कफेड के संग्रहण केंद्रों तक पहुँचाने में आसानी होगी। इसके साथ ही धान का निराकरण समय पर हो सकेगा।

राज्य में यह पहला अवसर होगा जब धान उपार्जन केंद्रों को फाइव स्टार रेटिंग दी जाएगी। राज्य में मौजूदा 2739 उपार्जन केंद्रों में से 1600 एंट्री लेवल के हैं। इनका उन्नयन किया जाएगा। इसके साथ ही भारत सरकार के निर्देश हैं कि उपार्जन केंद्रों में बिजली, पानी, पंहुच मार्ग सड़क, सीमेंटीकृत चबूतरा, ड्रैनेज सिस्टम, इंटरनेट की व्यवस्था, किसानों के रुकने की व्यवस्था, सहित आवश्यक 17 प्रकार की व्यवस्था करने कहा गया है। इसके साथ ही उपार्जन केंद्रों की ग्रेडिंग करने के लिए कहा गया है। इसी आधार पर उपार्जन केंद्रों की ग्रेडिंग की जाएगी। कुल मिलाकर धान उपार्जन की नई नीति तैयार होने के बाद इसे शासन की मंजूरी के बाद लागू किया जाएगा।

केंद्र के निर्देश भी होंगे लागू

खास बात ये है कि इस सीजन की धान उपार्जन नीति में केंद्र सरकार के दिशा निर्देश शामिल किए जाएंगे। इस संबंध में 1 सितंबर को भारत सरकार के खाद्य विभाग द्वारा आयोजित बैठक में निर्देश दिए गए हैं। इसमें सबसे अहम बात ये है कि केंद्र सरकार सेंट्रल पूल के लिए इस बार छत्तीसगढ़ से 73 लाख मीट्रक टन चावल खरीदने की मंजूरी दे चुका है। धान खरीदी 1 नवंबर से शुरु होकर 31 जनवरी 2026 तक चलने की संभावना है। खरीदी के लिए राज्य को 3.12 लाख गठान बारदाना मिलेगा।

चना खरीदी के लिए टेंडर जारी बड़े व्यापारियों का बना सिंडीकेट

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

आदिवासी जिलों में चना का वितरण करने के लिए राज्य सरकार ने कैबिनेट में निर्णय लिया था, जिसके तहत नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए चना क्रय के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। राजधानी के चना आपूर्तिकर्ताओं ने टेंडर लेने के लिए अपना सिंडीकेट बना लिया है। इसके तहत टेंडर लेने सत्तारूढ़ दल और अन्य माध्यमों से बोली लगाने वालों का सिंडीकेट बन गया है। जशपुर और सरगुजा क्षेत्र के व्यापारी ठेका लेने सक्रिय हो गए हैं। नागरिक आपूर्ति निगम के प्रबंध संचालक अटल नगर नवा रायपुर द्वारा जारी सूचना के अनुसार छत्तीसगढ़ में 50 करोड़ से अधिक की चना खरीदी की जाएगी। नान द्वारा इसके लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। जारी सूचना के अनुसार 1 सितंबर से निविदा फार्म मिलना शुरू हो गया है। निविदा भरने की अंतिम तिथि 12 सितंबर रखी गई है। निविदाकार इसमें निर्धारित शर्तों के साथ आवेदन दे सकते हैं। निविदा 29 सितंबर को खोली जाएगी। प्रबंध संचालक के अनुसार इसके लिए निगम की वेबसाइट पर आवश्यक शर्तों का पालन किया जा सकता है।

12 से अधिक जिलों में होगा वितरण

बताया गया है कि आदिवासी बच्चों को पौष्टिक आहार देने के लिए इसका वितरण किया जाता है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन दुकानों से इसका वितरणा किया जाएगा। छग में आदिवासी बच्चों को चना दिया जाएगा। प्रदेश में कुल 12 से अधिक अधिसूचित जिले हैं, जिसमें आदिवासी रहते हैं।

वितरण को लेकर आदिवासी मंत्रियों का दबाव

कैबिनेट में चना वितरण को लेकर आदिवासी मंत्रियों में काफी विवाद हुआ था। आदिवासी मंत्रियों ने कुपोषण रोकने चना वितरण को आवश्यक बताते हुए इसे जारी रखने का तर्क दिया। बताया जाता है कि चने की सप्लाई और रेट को लेकर आ रही दिक्कतों के कारण राज्य शासन ने इसे रोकने का प्रस्ताव दिया था।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | बिलासपुर, बुधवार 3 सितंबर 2025

आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹77235/-

22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹94330/-

24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹102970/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

*Conditions apply

ANAND Jewels, Pandri, Raipur

अभद्र टिप्पणी को लेकर प्रधानमंत्री ने राजद-कांग्रेस पर साधा निशाना

छलका मोदी का दर्द, कहा- मेरी मां ही नहीं, कांग्रेस ने किया हर मां का अपमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि बिहार में कांग्रेस की हाल में संपन्न हुई 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान उनकी मां को अपशब्द कहे जाने से उन्हें गहरा दुख हुआ है। मोदी ने कहा कि इसके लिए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस को वह भले ही माफ कर दें लेकिन बिहार के लोग उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे। मोदी ने दरभंगा में हाल में 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान उनकी दिवंगत मां को अपशब्द कहे जाने से पैदा हुए विवाद पर पहली बार प्रतिक्रिया देते हुए विपक्षी दलों पर निशाना साधा और कहा कि उनकी मां को अपशब्द कहना उन लोगों के लिए बड़ी बात नहीं है जो 'भारत माता' का अपमान करते हैं और उन्हें दंडित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, मेरी मां का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं था तो उनका क्या दोष था। उनके लिए अपशब्द क्यों कहे गए? प्रधानमंत्री ने बिहार में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं के लिए एक नयी सहकारी पहल का डिजिटल तरीके से उद्घाटन करने के मौके पर ▶▶|शेष पेज 6 पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के यशोभूमि में सेमीकॉन इंडिया 2025 का उद्घाटन किया। इसी बीच, बिहार में वोटर अधिकार रैली में अपनी मां के अपमान को लेकर व्यथित पीएम मोदी ने आज दिल का दर्द बयां किया। पीएम मोदी ने कहा कि हिंदुस्तान के किसी व्यक्ति ने ऐसी कल्पना नहीं की थी। बिहार में राजद-कांग्रेस के मंच से मेरी मां को अपशब्द कहे गए। ये अपशब्द सिर्फ मेरी मां का अपमान नहीं, यह देश की मां, बहन, बेटी का अपमान है।

यशोभूमि में सेमीकॉन इंडिया 2025 का किया उद्घाटन

बिहार की महिला स्वसहायता समूहों को दी सौगात

मुझे मां भारती की सेवा करनी थी इसलिए...

पीएम मोदी ने कहा कि मुझे पता है कि आप सबको भी ये देखकर और सुनकर कितना बुरा लगा है। जितनी पीड़ा मेरे दिल में है, उतनी ही तकलीफ मेरे बिहार के लोगों को भी है। इसलिए, आज जब बिहार की लाखों माताओं-बहनों के दर्शन मैं कर रहा हूं, तो आज मेरा मन और मैं अपना दुख आपसे साझा कर रहा हूं।

गरीब मां का संघर्ष युवराज नहीं समझ सकते

पीएम मोदी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद के विधायक तेजस्वी यादव पर निशाना भी साधा। दोनों का बिना नाम लिए पीएम मोदी ने कहा कि एक गरीब मां की तपस्या, उसके बेटे की पीड़ा ये शाही खानदानों में पैदा हुए युवराज नहीं समझ सकते। ये नामदार लोग तो सोने-चांदी का चम्मच लेकर पैदा हुए हैं।

सस्ती ब्याज पर धन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को सस्ती ब्याज दरों पर धन उपलब्ध कराने के लिए 'बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ लिमिटेड' का मंगलवार को डिजिटल माध्यम से उद्घाटन किया। मोदी ने दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम के दौरान संस्था के बैंक खाते में 105 करोड़ रुपये भी हस्तांतरित किए।

आक्रोशित एनडीए का बिहार बंद कल

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन एनडीए ने गुरुवार 4 सितंबर को बिहार बंद का आह्वान किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां के खिलाफ अपशब्दों के मामले को लेकर आक्रोशित एनडीए का बिहार बंद सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक रहेगा ताकि आम लोगों को ज्यादा परेशानी ना हो। बिहार में इस साल चुनाव हैं और एनडीए और इंडिया गठबंधन एक दूसरे को पटकनी देने की जुगत में है।

इधर, सेमीकंडक्टर चिप की सौगात

भारत की सबसे छोटी चिप दुनिया में लाएगी बड़ा बदलाव सेमीकॉन इंडिया 2025 के उद्घाटन और पीएम नरेंद्र मोदी के इस इवेंट में शिरकत करने के बाद सेमीकंडक्टर चिप को लेकर हलचल तेज हो गई है। सेमीकॉन इंडिया 2025 के उद्घाटन के मौके पर पीएम मोदी ने कहा, हम भारत सेमीकंडक्टर मिशन के अगले चरण पर काम कर रहे हैं। वह दिन दूर नहीं जब भारत में बनी सबसे छोटी चिप दुनिया में सबसे बड़ा बदलाव लाएगी। सरकार नई डीएलआई (डिजाइन-लिंक्ड इंसेंटिव) योजना को आकार देने जा रही है, लेकिन बहुत सारे लोगों के मन में यह सवाल है कि सेमीकंडक्टर चिप क्या होती है? दुनिया में क्यों सेमीकंडक्टर चिप को लेकर लड़ाई छिड़ी है और भारत अब इस रेस में शामिल होने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा है।

खबर संक्षेप

दीपक यूएई में भारत के अगले राजदूत नियुक्त

नई दिल्ली। अनुभवी राजनयिक दीपक मित्तल को मंगलवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया। भारतीय विदेश सेवा के 1998 बैच के अधिकारी मित्तल वर्तमान में प्रधानमंत्री कार्यालय में अतिरिक्त सचिव के पद पर कार्यरत हैं। विदेश मंत्रालय ने एक संक्षिप्त नोट में कहा, उम्मीद है कि वह शीघ्र ही कार्यभार संभाल लेंगे।

कार की चपेट में आने से तीन युवकों की मौत

हापुड़। हापुड़ जिले के पिलखुवा क्षेत्र में एक कार की चपेट में आने से तीन युवकों की मौत हो गई। पिलखुवा क्षेत्र के सरस्वती मेडिकल कॉलेज के पास एक तेज रफ्तार कार ने सोमवार देर शाम एक स्कूटी और मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। इस घटना में स्कूटी सवार आलिम और मोटरसाइकिल सवार सचिन तथा उमेश नामक युवकों की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंच शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

रंगदारी मांगने के आरोप में यूट्यूबर पर मुकदमा दर्ज

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में एक यूट्यूबर पत्रकार पर एक व्यवसायी से कथित तौर पर हर महीने 30,000 रुपए की रंगदारी मांगने और धनराशि न देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देने का मामला दर्ज किया गया है। व्यापारी दिलीप कुमार गुप्ता की तहरीर पर संजीव कुमार गुप्ता नामक यूट्यूबर के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है।

अफसर को रिश्वत की पेशकश, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने कर चोरी की जांच से बचने के लिए जीएसटी आसूचना विभाग के एक अधीक्षक को 22 लाख रुपए की रिश्वत की कथित तौर पर पेशकश करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। कोलकाता में जीएसटी आसूचना में तैनात अधीक्षक की शिकायत पर शुरू किये गए अभियान के तहत राम सेवक सिंह और सचिन कुमार गुप्ता को यहां पकड़ा गया। कई ऑनलाइन कंपनियों द्वारा कथित कर चोरी की जांच कर रहे अधिकारी से रिश्वत के बदले में कंपनियों को लाभ पहुंचाने के लिए संपर्क किया गया था।

आरोपियों की तलाश जारी

घर में घुसे नकाबपोश वृद्ध की हत्या कर ले गए जेवर-नकदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धमतरी

आधी रात को लूट की नीयत से घर में घुसे तीन नकाबपोश बदमाशों ने दंपति को बंधक बनाकर वृद्ध की धारदार हथियार से हत्या कर दी। इसके बाद घर से सोने के जेवर व नकदी लेकर फरार हो गए।

अर्जुनी थाना क्षेत्र के ग्राम किरीतराम किरण साहू पिता बिशालराम (65) अपनी पत्नी रश्मि किरण के साथ दो मंजिला भवन में रहता था। उसकी ▶▶|शेष पेज 6 पर

लूट या डकैती?

भानपुरी हत्याकांड को लेकर कई बातें सामने आ रही है। एकतरफ पुलिस इसे लूट की घटना बताते हुए नकाबपोश के शामिल होने की बात कह रही है। वहीं, मृतक के परिजन व ग्रामीण घटना में पांच नकाबपोश के शामिल होने की बात कह रहे हैं। घटना में कितने आरोपी शामिल थे, यह अभी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हो पाया है।

युवक ने नानी को मार डाला मां को भी किया घायल

धमतरी। सिटी कोतवाली क्षेत्र के बठेनापारा निवासी लोमन ध्रुव पिता दयाराम (21) ने सोमवार की रात्रि अपनी नानी लखंतीन बाई ध्रुव (56) व मां पूर्णिमा ध्रुव (45) से खर्च के लिए पैसे की मांग की। नानी व मां ने पैसे देने से मना कर दिया। आक्रोशित लोमन ने लकड़ी के बत्ते से नानी लखंतीन पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। बचाव कर रही अपनी मां पूर्णिमा की भी युवक ने बत्ते से बेदम पिटाई कर दी। घायल मां-बेटी को मोहल्लेवासी उपचार के लिए जिला अस्पताल ले गए। ▶▶|शेष पेज 6 पर

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

तबाही की रिपोर्ट, पांच की मौत, 2196 बेघर, 2000 से ज्यादा मकान ध्वस्त

भारी बारिश व बाढ़ से 76 सड़क, 5 पुल-पुलिया क्षतिग्रस्त, एक पुल बहा, 26 करोड़ का नुकसान

4 जिलों में मार्ग, पुल-पुलिया पर बारिश ने बरसाया कहर

साइरा जाने 20 किलोमीटर पैदल जाना पड़ रहा

सड़कों की तत्काल करें मरम्मत

हरिभूमि न्यूज | रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

छत्तीसगढ़ के बस्तर में अगस्त के अंतिम सप्ताह में हुई बेतहाशा बारिश, बाढ़ से जान-माल का नुकसान हुआ है। जानकारों की मानें तो हाल के दशकों में संभवतः पहली बार इस कदर तबाही का आलम देखने को मिला है। राज्य सरकार की बाढ़ आपदा रिपोर्ट के मुताबिक पांच लोगों की जानें गई, 2196 लोग बेघर हो गए और 2 हजार से अधिक मकान ध्वस्त हो गए हैं। राज्य सरकार ने प्रभावितों की मदद के लिए ताकत झोंकी है। खुद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक दिन पहले ही वहां जाकर हालात ▶▶|शेष पेज 6 पर

43 राहत शिविर बनाए गए

बस्तर संभाग की इस बाढ़ की भयानकता का अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि 2 हजार 20 मकान ध्वस्त हो गए हैं। इनमें से 645 तो पूरी तरह बरबाद हो गए है। 1375 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। मकानों के ध्वस्त हो जाने से 2196 लोग बेघर हुए। इन लोगों की मदद के लिए सरकार ने 43 राहत शिविर बनाए थे। जहां इन लोगों को रखा गया है। अभी भी वहां सभी जिलों में नगर सेना एवं एसडीआरएफ द्वारा राहत एवं बचाव कार्य किया जा रहा है। राहत शिविरों में ▶▶|शेष पेज 6 पर

साय ने दिखाई संवेदनशीलता

खास बात ये है कि जब बस्तर बाढ़ की आपदा से जूझ रहा था, उस दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जापान कोरिया के प्रवास पर थे, जानकारी मिलने पर वहां से उन्होंने फोन पर अधिकारियों से बातचीत की और प्रभावितों की हरसंभव मदद के निर्देश दिए। विदेश यात्रा से आने के बाद सबसे पहले मुख्यमंत्री बस्तर के दौरे पर गए, वहां हालात का जायजा लिया और प्रभावित लोगों को भरोसा दिलाया कि संकट के समय में सरकार पूरी तरह उनके साथ है।

पारधी गैंग ने रायपुर के कॉन्स्टेबल को सोना खरीदने बुलाया और लूटा

आरोपियों ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, एटीएम कार्ड छीना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खंडवा

हरदा जिले की सीमा से सटे हरसूद क्षेत्र में पारदी गैंग ने रायपुर के एक कॉन्स्टेबल और उसके भाई समेत एक अन्य को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा और साढ़े 17 लाख रुपए से भरा बैग अपने कब्जे में ले लिया। बैग में नकद रुपए, एटीएम कार्ड और अन्य सामान था। लूट के पीछे की कहानी सोना खरीदी से जुड़ी है। रविवार सुबह हुई इस घटना के दो दिन बाद मंगलवार अलसुबह पुलिस ने दो लुटेरों को हिरासत में लेकर लूटा गया पैसा और ▶▶|शेष पेज 6 पर

सीसीटीवी कैमरे से आरोपियों की पहचान

पुलिस ने वहां लगे सीसीटीवी कैमरे और कॉल डिटेल्स की मदद से बदमाशों की पहचान की। मंगलवार अलसुबह तक पारदी गैंग के चारों सदस्यों को हिरासत में लिया गया। उनके कब्जे से 17 लाख रुपए नकद, मोबाइल और एटीएम कार्ड बरामद किए गए।

मुखबिरी के आरोप में वारदात

नक्सलियों ने की दो ग्रामीणों की हत्या, दो को पिटाई के बाद छोड़ा

हत्या से इलाके में दहशत, मौके पर पहुंची पुलिस कर रही मामले की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

सुकमा जिले के केरलापाल थाना क्षेत्र में नक्सलियों ने दो ग्रामीणों की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी है। नक्सलियों ने मौके पर पर्चा फेंककर दोनों ग्रामीणों को पुलिस का मुखबिर बताया है। वहीं दो अन्य ग्रामीणों को पिटाई कर जाने दिया गया।

जानकारी के मुताबिक केरलापाल थाना क्षेत्र के ग्राम सिरसेटी नंदापारा में नक्सलियों ने दो ग्रामीणों की बेरहमी से हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि मंगलवार देर रात नक्सलियों ने सिरसेटी ग्राम में पहुंचकर ग्रामीणों को निशाना बनाया। घटना की पुष्टि होते ही थाना केरलापाल ▶▶|शेष पेज 6पर

केरलापाल एरिया कमेटी ने ली हत्या की जिम्मेदारी

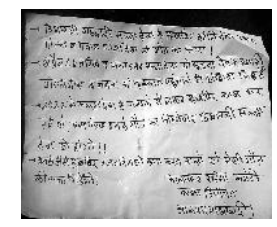

सिरसेटी में जिस जगह ग्रामीणों की हत्या की गई, वहां पुलिस को दरभा डिविजन के केरलापाल एरिया कमेटी का पर्चा भी मिला है। दोनों के हत्या की जिम्मेदारी लेते हुए केरलापाल एरिया कमेटी ने मिले पर्चे में डीआरजी के मल्ला देवा को मौत का ▶▶|शेष पेज 6 पर

दुनिया के सबसे ताकतवर पासपोर्ट की लिस्ट जारी

पासपोर्ट में भारत ने लगाई छलांग, अमेरिका धड़ाम!

एजेंसी ▶▶| वॉशिंगटन

खास खबर

दुनियाभर के देशों के पासपोर्ट की स्थिति बताने वाले हेन्ले ने अपनी नई रैंकिंग जारी की है। भारत ने हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2025 में उल्लेखनीय उछाल दर्ज किया है। भारत 58 गंतव्यों तक वीजा फ्री पहुंच के साथ 76वें स्थान पर पहुंच गया है। भारत के पासपोर्ट को इससे पहले इस लिस्ट में 80वां स्थान मिला था। ऐसे में भारत ने चार स्थान की छलांग लगाई है। 58 देशों में भारतीय पासपोर्ट पर बिना वीजा के एंट्री मिल रही है। भारत के पासपोर्ट ने छलांग लगाई है, वहीं अमेरिका के पासपोर्ट की स्थिति में गिरावट आई है। अमेरिका का पासोपर्ट आइसलैंड और लिथुआनिया के साथ संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर आ गया है। यह दो दशकों में अमेरिका की सबसे निचली रैंकिंग है। अमेरिकी नागरिकों की वीजा फ्री मॉबिलीटी में कमी देखी गई है।

टॉप पर सिंगापुर

दुनिया में सबसे ताकतवर पासपोर्ट सिंगापुर का है। वैश्विक स्तर पर सिंगापुर 193 गंतव्यों तक वीजा फ्री मुक्त पहुंच प्रदान करते हुए रैंकिंग में शीर्ष पर है। इसके बाद जापान और दक्षिण कोरिया 190 गंतव्यों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, आयरलैंड, इटली और स्पेन 189 गंतव्यों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। स्वीडन, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, नॉर्वे, लक्जमबर्ग, नीदरलैंड और पुर्तगाल 188 गंतव्यों के साथ इस लिस्ट में चौथे स्थान पर हैं।

भारतीय पासपोर्ट कैसे सुधरा

विशेषज्ञों का कहना है कि भारत के पासपोर्ट के बेहतर होने का श्रेय अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियों के विस्तार, पारस्परिक वीजासमझौतों और जी20, ब्रिक्स, आसियान जैसे मंचों में सक्रिय भागीदारी को जाता है। यह भारत के मजबूत द्विपक्षीय संबंधों, अर्थव्यवस्था और रक्षा सहयोग पर देश के रणनीतिक महत्व को दर्शाता है। एक्सपर्ट का मानना है कि भारत के पासपोर्ट की बढ़ी हुई ताकत इस बात का संकेत है कि देश को अंतर्राष्ट्रीय मामलों में एक जिम्मेदार और प्रभावशाली खिलाड़ी के रूप में देखा जा रहा है। इससे उसके नागरिकों और विश्व में उसकी स्थिति, दोनों को लाभ हो रहा है।

सोना तस्करी का मामला

अभिनेत्री रान्या पर 102 करोड़ रुपए का जुर्माना

बेंगलुरु। डीआरआई ने सोने की तस्करी के एक मामले में कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव पर 102 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। रान्या राव के साथ ही डीआरआई ने होटल व्यवसायी तरुण कोंडाराजू पर 63 करोड़ रुपये और आभूषण कारोबारियों साहिल सकारिया जैन और भरत कुमार जैन पर 56-56 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। मंगलवार को डीआरआई अधिकारी बेंगलुरु सेंट्रल जेल पहुंचे और उनमें से प्रत्येक को 250-पृष्ठ का नोटिस और 2,500-पृष्ठ का अनुलग्नक सौंपा। डीआरआई के एक सूत्र ने बताया, सहायक दस्तावेजों के साथ विस्तृत नोटिस तैयार करना एक कठिन काम था।

चिंतन

खुद अपने पैरों पर क्यों कुल्हाड़ी मार रहा विपक्ष

बीते एक दशक से जो हर चुनाव के दौरान होता है, ठीक वैसे ही हुआ। विपक्ष ने बैठे बिठाए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां के प्रति अपशब्द कहकर अपने पैर पर खुद कुल्हाड़ी मार ली। वोटर अधिकार यात्रा के दौरन बिहार के दरभंगा में पीएम मोदी को एक शख्स ने मां की गाली दे दी थी। हालांकि, उस समय मंच पर न राहुल गांधी थे और न ही तेजस्वी यादव, लेकिन मंच सजा था राहुल और तेजस्वी की वोटर अधिकार यात्रा के लिए। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने 16 दिनों तक बिहार के कोने-कोने में रैलियां की। उनकी रणनीति जातिगत समीकरणों को साधना, युवाओं को रोजगार का सपना दिखाना और केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाना था। दोनों बिहार के मतदाता सूची से 65 लाख वोटरों के नाम कटने का मुद्दा जोर-शोर से उठा रहे थे, लेकिन पीएम मोदी ने मंगलवार को गाली को बिहार ही नहीं देश की सभी मां और बहनों के साथ जोड़कर पूरा नैरेटिव चेंज कर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि मेरी मां का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं था तो उनका क्या दोष था। उनके लिए अपशब्द क्यों कहे गए। हालांकि यह पहली बार यह नहीं है जब प्रधानमंत्री के लिए अपशब्द कहे गए। नरेंद्र मोदी ने जिस तरीके से आज भावुक अंदाज में बिहार की महिलाओं के सामने यह बात कही, उससे एक बात साफ है कि जल्द होने वाले बिहार चुनाव में यह मुद्दा बनेगा। जब-जब विपक्ष ने पीएम मोदी के लिए अपशब्द कहे, यह विपक्ष पर ही भारी पड़ गया। इससे पहले भी मौत का सौदागर, चौकीदार चोर है, चायवाला जैसे अनेक उदाहरण हैं। गुजरात में साल 2002 के दंगों के लिए तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 2007 में गुजरात के तत्कालीन सीएम नरेंद्र मोदी के ऊपर टिप्पणी करते हुए कहा था कि गुजरात की सरकार चलाने वाले झूठे, बेईमान और मौत के सौदागर हैं। मोदी ने इस बयान को कांग्रेस के खिलाफ हथियार में बदल दिया। यह बयान आज भी कांग्रेस के लिए नासूर के समान है। नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री बन गए, लेकिन कांग्रेस का इस बयान से पीछा नहीं छूटा। 2014 के लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी बीजेपी की ओर से प्रधानमंत्री पद के दावेदार थे। वह गुजरात से दिल्ली आ चुके थे। इस चुनाव के दौरान ही कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने नरेंद्र मोदी को चायवाला कहा। नरेंद्र मोदी ने इस बयान को हाथों हाथ लिया और हर चुनावी मंच से अपने आप को चायवाला कहकर संबोधित किया। जनता पर इसका सीधा असर भी हुआ। कांग्रेस की करारी हार हुई। हालांकि आखिरी बार ऐसा नहीं था। मणिशंकर के ऐसे बयान बाद में भी सामने आते रहे, वो एक बार पीएम मोदी को नीच भी कह चुके हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में, जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चौकीदार चोर है का नारा दिया। पीएम मोदी ने इस नारे का भी इस्तेमाल अपने पक्ष में किया। उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल का नाम बदलकर चौकीदार नरेंद्र मोदी कर दिया। कुछ ही समय में उस वक्त मैं भी चौकीदार ट्रेंड करने लगा। चुनाव के नतीजे जब सामने आए तो सबको चौंका दिया। चुनाव परिणाम ने बता दिया कि जनता इस नारे से बहुत नाराज हुई। अब बिहार विस चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपशब्द कहकर राजग को मुद्दा थमा दिया है। जल्द ही बिहार चुनाव की तारीखों का ऐलान होने वाला है। विपक्ष को यह मुद्दा कितना भारी पड़ता है, इसका असली पता चुनाव नतीजों के बाद ही चलेगा। हालांकि एक बात तो तय हो गई है कि चुनाव में यह मुद्दा जरूर बनने वाला है। भाजपा इसे भुनाने में कोई कसर नहीं छोड़ने वाली।

मुद्दा
अली खान

तंबाकू सेवन की व्यापकता को रोकने की चुनौती

हाल ही में राष्ट्रीय कैंसर रोधक एवं अनुसंधान संस्थान द्वारा किए गए एक अध्ययन ने देश में तंबाकू सेवन की भयावह स्थिति को उजागर कर दिया है। अध्ययन में यह सामने आया है कि देशभर के 100 जिलों में तंबाकू का अत्यधिक सेवन हो रहा है, जिनमें से अधिकतर जिले मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार और ओडिशा जैसे राज्यों से हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि इनमें से 68 जिलों में धुआं रहित तंबाकू का सेवन व्यापक रूप से प्रचलित है। धुआं रहित तंबाकू से तात्पर्य ऐसे उत्पादों से है जिन्हें जलाकर धुआं नहीं पैदा किया जाता, बल्कि उन्हें सीधे चबाया, चूसा या मुंह में रखा जाता है। इसमें खैनी, गुटखा, पान मसाला, तंबाकू मिश्रित सुपारी जैसे उत्पाद प्रमुख हैं। ये उत्पाद जितने सुलभ और सस्ते हैं, उतने ही खतरनाक भी हैं। अध्ययन के मुताबिक, 15 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लगभग 21.4 प्रतिशत लोग धुआं रहित तंबाकू का सेवन करते हैं, जिनमें पुरुषों की संख्या महिलाओं की तुलना में काफी ज्यादा है। पुरुषों में यह प्रतिशत लगभग 29.6 और महिलाओं में 12.8 है। यह आंकड़ा इस तथ्य को स्पष्ट करता है कि तंबाकू की लत समाज में कितनी गहराई तक पैठ बना चुकी है। खासतौर पर गरीब और अशिक्षित वर्ग, ग्रामीण क्षेत्रों और श्रमिक तबके में इसकी खपत अत्यधिक है। यह वर्ग न केवल स्वास्थ्य की दृष्टि से कमजोर होता है, बल्कि उन्हें तंबाकू सेवन से जुड़ी बीमारियों का इलाज कराने में भी अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसमें मध्य प्रदेश के 15 जिले, उत्तर प्रदेश और बिहार के 11-11 जिले तथा ओडिशा के भी कई जिले इस सूची में शामिल हैं। इन जिलों का चयन यह दर्शाता है कि तंबाकू सेवन केवल किसी एक विशेष क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समस्या व्यापक रूप से फैली हुई है। हालांकि, यह बात भी सामने आती है कि जिन जिलों में गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी और सामाजिक पिछड़ापन ज्यादा है, वहां तंबाकू का सेवन अधिक होता है। लोग तंबाकू को सस्ता और आसानी से उपलब्ध नशा मानते हैं, जिससे वे अस्थायी रूप से तनाव और थकान से मुक्ति पाने की कोशिश करते हैं। परंतु यह राहत बहुत ही क्षणिक होती है और इसके दीर्घकालिक परिणाम बेहद घातक साबित होते हैं। यद्यपि पुरुष उपभोक्ताओं की संख्या महिलाओं से दोगुनी से भी अधिक है, लेकिन महिलाओं में भी यह आदत चिंताजनक स्तर तक पहुंच चुकी है। ग्रामीण समाज में विशेषकर महिलाएं घरेलू काम के दौरान खैनी या सुपारी के साथ तंबाकू का इस्तेमाल करती हैं। कुछ जगहों पर इसे परंपरा या आदत के रूप में भी देखा जाता है। तम्बाकू सेवन की बढ़ती प्रवृत्ति केवल स्वास्थ्य को प्रभावित नहीं करती बल्कि सामाजिक और आर्थिक बोझ भी बढ़ाती है। तंबाकू के कारण उत्पन्न बीमारियों के इलाज पर सरकार और आम जनता दोनों को भारी खर्च उठाना पड़ता है। गरीब तबके को इलाज के लिए आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है। यही कारण है कि कई बार इलाज के अभाव में लोग असमय ही मौत के मुंह में चले जाते हैं। यूएन स्वास्थ्य एजेंसी का भी मानना है कि तंबाकू महामारी दुनिया के सामने आने वाले सबसे बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरों में से एक है। इससे हर साल 80 लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती हैं। इनमें से 70 लाख से अधिक लोगों की मौतें सीधे तंबाकू के उपयोग का नतीजा हैं, लेकिन लगभग 13 लाख लोगों की मौत सीधे तौर पर धूम्रपान करने के बजाय अन्य लोगों द्वारा धूम्रपान करने से निकलने वाले धुएं के संपर्क में आने से होती है। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल के मुताबिक, धूम्रपान अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के अलावा कैंसर, हृदय रोग, स्ट्रोक, फेफड़ों की बीमारी, मधुमेह और पुरानी सांस की बीमारियों का कारण बनता है। ऐसे में तंबाकू का इस्तेमाल स्वास्थ्य संकट को बढ़ा रहा है। हालांकि सरकार ने तंबाकू के सेवन को हतोत्साहित करने के लिए सख्त कानून बनाए हैं। फिर भी इसका प्रचलन थमने का नाम नहीं ले रहा है। लिहाजा, तंबाकू के सेवन को कम करने के लिए बहुआयामी रणनीति अपनाई जाए। सबसे पहले शिक्षा और जागरुकता पर जोर देना होगा। दरअसल, तंबाकू से होने वाला नुकसान इतना व्यापक है कि इसे केवल व्यक्तिगत आदत कहकर टाला नहीं जा सकता। यह समस्या सामाजिक स्वास्थ्य, आर्थिक विकास और मानवीय संवेदनाओं से जुड़ी हुई है। अगर हम आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य देना चाहते हैं तो तंबाकू के खिलाफ निर्णायक कदम उठाना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। तंबाकू सेवन पर अंकुश लगाना केवल स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं बल्कि यह राष्ट्र निर्माण की एक अनिवार्य शर्त है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं शिक्षक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

स्वदेशी के साथ आगे बढ़े भारत

आत्मनिर्भरता
डॉ. अश्विनी महाजन

यह सही है कि भारत चीन की उपेक्षा नहीं कर सकता, लेकिन उस पर भरोसा भी नहीं कर सकता। बीजिंग के साथ हमारा व्यापार घाटा हर साल 100 अरब डॉलर को पार कर जाता है। चीनी बंदरगाहों से आने वाला हर कंटेनर जहाज चीन पर हमारी निर्भरता की याद दिलाता है। इसी संदर्भ में, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री मोदी की आगामी चीन यात्रा को देखा जाना चाहिए। वे भारत का संदेश लेकर गए, हमारा स्वदेशी सीमित नहीं है, यह व्यापक है। यह हमारी अर्थव्यवस्था को मज़बूत करता है, हमारे लोगों को सशक्त बनाता है और एक अधिक न्यायसंगत विश्व व्यवस्था में योगदान देता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से स्पष्ट शब्दों में कहा कि स्वदेशी को अपनाने का समय आ गया है। जो 'मेक इन इंडिया' से शुरू हुआ, आत्मनिर्भर भारत के आह्वान में विकसित हुआ, अब स्वदेशी के गहन और समग्र विचार की ओर बढ़ रहा है। यह केवल एक नारा नहीं है। यह एक सभ्यतागत अनिवार्यता है। यह सही है कि भारत चीन की उपेक्षा नहीं कर सकता, लेकिन उस पर भरोसा भी नहीं कर सकता। बीजिंग के साथ हमारा व्यापार घाटा हर साल 100 अरब डॉलर को पार कर जाता है।

वर्तमान में, हमारे दो-तिहाई से ज़्यादा सौर मॉड्यूल, हमारी 70 प्रतिशत से ज़्यादा दवा सामग्री और अरबों डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक्स सीमा पार से आते हैं। ये सिर्फ़ संख्याएं नहीं हैं, ये कमज़ोरियां हैं। चीनी बंदरगाहों से आने वाला हर कंटेनर जहाज चीन पर हमारी निर्भरता की याद दिलाता है। इसी संदर्भ में, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री मोदी की आगामी चीन यात्रा को देखा जाना चाहिए। उनकी वहां उपस्थिति कोई रियायत नहीं; एक बयान है। भारत बातचीत करेगा, लेकिन स्पष्टता और विश्वास की स्थिति से। बातचीत का मतलब निर्भरता नहीं है। बातचीत का मतलब राष्ट्रीय हितों को कमज़ोर करना नहीं है। संदेश सीधा है: भारत जहां तक संभव हो, सहयोग चाहता है, लेकिन अपनी आर्थिक संप्रभुता से कभी समझौता नहीं करेगा। हाल के अध्ययन, जिनमें अंतरराष्ट्रीय आर्थिक समझ परिषद (सीआइयू) द्वारा तैयार भारत के भू-आर्थिक ढांचे में चीन अध्ययन के लिए रणनीतिक अनिवार्यता भी शामिल है, इस खतरे को रेखांकित करते हैं। ये अध्ययन इस बात पर प्रकाश डालते हैं कि कैसे चीन का राज्य-प्रधान मॉडल- औद्योगिक अति-क्षमता, डंपिंग, सब्सिडी और वित्तीय इंजीनियरिंग-बाजारों को विकृत करता है और भारत के विनिर्माण आधार के लिए खतरा पैदा करता है। ये अध्ययन फार्मास्यूटिकल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वच्छ ऊर्जा में चीनी इनपुट पर हमारी खतरनाक निर्भरता की ओर भी इशारा करते हैं, और चेतावनी देते हैं कि संकट के समय ऐसी महत्वपूर्ण वस्तुओं तक पहुंच को आसानी से हथियार बनाया जा सकता है। देश की करीब 50 स्वदेशी कंपनियां आज भारत के रक्षा निर्माण क्षेत्र में क्रांतिकारी काम कर रही हैं। ऑपरेशन सिंदूर में ही भारत ने दुनिया को दिखा दिया कि कैसे भारत की मिसाइल प्रणाली ने चीन की वायु-रक्षा प्रणाली को परास्त कर डाला था। ये जानकारियां एक बात बिल्कुल स्पष्ट करती हैं कि भारत प्रतिक्रियात्मक रुख नहीं अपना सकता, उसे स्वदेशी पर आधारित एक सक्रिय सिद्धांत अपनाना होगा। चीन के दृष्टिकोण के विपरीत, स्वदेशी साम्राज्यवादी नहीं है। यह ऋण या जबरदस्ती के माध्यम से दूसरों पर हावी होने की कोशिश नहीं करता। हमारा स्वदेशी वसुधैव कुटुम्बकम-दुनिया एक परिवार है-के सिद्धांत पर आधारित है। हमारा दृष्टिकोण देश में आत्मनिर्भरता और विदेश में निष्पक्ष, सहयोगात्मक साझेदारी का है। यह भारत में न केवल अपने लिए बल्कि विश्व के लिए भी उत्पादन करने के बारे में है, जो लचीलेपन और सम्मान को मजबूत करता है। वैश्विक स्तर पर, स्थिति बदल रही है। टैरिफ का हथियारीकरण-जो ट्रम्प की पहली पारी में स्पष्ट हुआ और अब वैश्विक व्यापार का एक अभिन्न अंग बन गया है- ने

सरकारों और व्यवसायों को अपनी आपूर्ति शृंखलाओं पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर दिया है। विभिन्न क्षेत्रों में, कंपनियां चीन के विकल्प तलाश रही हैं। जहां कई लोग इसे 'चीन+1' कहते हैं, वहीं भारत को एक बड़े विचार को आगे बढ़ाना होगा : भारत+अनेक। भारत के पास विनिर्माण, प्रौद्योगिकी और सेवाओं का एक विश्वसनीय केंद्र बनने के लिए पर्याप्त पैमाना, प्रतिभा और सभ्यतागत लोकाचार है। हमें घरेलू क्षमताओं को और मजबूत करना होगा। सरकार ने पहले ही महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, हाल ही में शुरू किया गया राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन, और व्यापार धोखाधड़ी को रोकने के लिए नियमों में संशोधन। ये उपाय, आसियान मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के भीतर भारत की पुनर्वार्ता और यूरोपीय संघ के साथ नए जुड़ाव के साथ, व्यापार नीति को राष्ट्रीय हित के अनुरूप बनाने की इच्छा को दर्शाते हैं। लेकिन अभी और भी बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। सीआईईयू अध्ययन सही ही सिफ़ारिश करता है कि भारत को अनुसंधान और विकास में सार्वजनिक निवेश को दोगुना करके सकल घरेलू उत्पाद का 2 प्रतिशत करना चाहिए, यह एक आवश्यक कदम है। यदि हमें सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा और अगली पीढ़ी की तकनीकों में नवाचार की खाई को पाटना है। यह सरकार के भीतर एक समर्पित चीन आर्थिक जोखिम निगरानी इकाई- जो जोखिमों का पूर्वानुमान लगाने, चीनी प्रथाओं पर नज़र रखने और सक्रिय नीति निर्धारण को सूचित करने के लिए एक संस्थागत तंत्र- की भी मांग करता है। दोनों ही ज़रूरी और आवश्यक हैं। साथ ही, स्वदेशी सिद्धांत-आधारित साझेदारी का आह्वान करता है। चाहे क्वाड, आसियान, अफ्रीका या लैटिन अमेरिका के माध्यम से, भारत को एक वास्तविक बहुध्रुवीय आर्थिक व्यवस्था बनाने के लिए समान विचारधारा वाले देशों के साथ काम करना चाहिए। इसी तरह भारत '+1' की परिधि से 'अनेक' के केंद्र की ओर बढ़ सकता है।

जब प्रधानमंत्री मोदी एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए चीन की यात्रा कर रहे थे, तो वे भारत के वार्ता संबंधी दायित्व से कहीं अधिक लेकर गए। वे भारत का संदेश लेकर गए कि हमारा स्वदेशी सीमित नहीं है, यह व्यापक है। यह हमारी अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है, हमारे लोगों को सशक्त बनाता है और एक अधिक न्यायसंगत विश्व व्यवस्था में योगदान देता है। ऐसे दौर में जब व्यापार हथियार बन गया है और आपूर्ति शृंखलाएं युद्धक्षेत्र बन गई हैं, भारत का रुख़ दृढ़ होना चाहिए। हम बातचीत करेंगे, लेकिन हमेशा अपनी शर्तों पर। दुनिया को दूसरे चीन की ज़रूरत नहीं है। दुनिया को भारत की ज़रूरत है, एक ऐसे भारत की जो स्वदेशी में निहित हो और 'वसुधैव कुटुम्बकम' के मार्ग पर चलता हो।

(लेखक पूर्व प्रोफेसर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

जब मन हो अशांत, करें अपने इष्टदेव का ध्यान

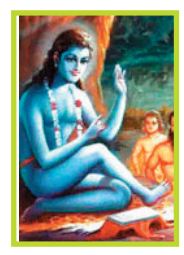

संकलित
दर्शन

शुकदेव राजा परीक्षित को कथा सुना रहे थे, उस समय राजा ने पूछा कि आजकल लोग इतने बेचैन क्यों हैं? लोगों का मन अशांत क्यों है? शुकदेव ने राजा को एक कथा सुनाई कि एक दिन पृथ्वी ने भी भगवान से यही बात पूछी थी। पृथ्वी ने भगवान से कहा था कि ये लोग जो खुद मौत के खिलौने हैं। ये सभी मुझे यानी धरती, राज्य जीतना चाहते हैं। अभी तक मुझे यानी धरती को कोई भी मृत्यु के बाद अपने साथ ऊपर नहीं ले जा सका है। लोग ये बात क्यों नहीं समझते हैं? शुकदेव ने राजा से कहा कि पृथ्वी ने ये सभी बातें भगवान से इसलिए कहीं थीं, कि धरती पर जो धन-संपत्ति है, वही सारे झगड़ों की जड़ है। सभी चाहते हैं कि मेरे पास दूसरों से ज्यादा वैभव हो, सभी इसी में लगे हुए हैं। जिस दिन इस दुनिया से जाएंगे, सब कुछ यहीं रह जाएगा। परीक्षित ने शुकदेव की बातें ध्यान से सुनीं और कहा कि आजकल इतनी अशांति है तो शांति पाने के लिए हमें क्या करना चाहिए? शुकदेव ने कहा कि जब भी हमारा मन अशांत हो, हमें भगवान के नामों का जप करना चाहिए, ध्यान, पूजा-पाठ करना चाहिए। अपने इष्टदेव के नामों का जप करने से नकारात्मकता दूर होती है, मन शांत होता है। मंत्र जप से शरीर में जो परिवर्तन होते हैं, उनसे मन शांत होता है।

लक्ष्मी जी कहां निवास करतीं हैं

संकलित
प्रेरणा

एक बार की बात है, राजा बलि समय बिताने के लिए एकान्त स्थान पर गधे के रूप में छिपे हुए थे। देवराज इन्द्र उनसे मिलने के लिए उन्हें ढूँढ रहे थे। एक दिन इन्द्र ने उन्हें खोज निकाला और उनके छिपने का कारण जानकर उन्हें काल का महत्व बताया। साथ ही उन्हें तत्वज्ञान का बोध कराया। तभी राजा बलि के शरीर से एक दिव्य रूपात्मा स्त्री निकली। उसे देखकर इन्द्र ने पूछा- दैत्यराज! यह स्त्री कौन है? देवी, मानुषी अथवा आसुरी शक्ति में से कौन-सी शक्ति है? राजा बलि बोले- देवराज! ये देवी तीनों शक्तियों में से कोई नहीं हैं। आप स्वयं पूछ लें। इन्द्र के पूछने पर वे शक्ति बोलीं-देवेन्द्र! मुझे न तो दैत्यराज बलि जानते हैं और न ही तुम या कोई अन्य देवगण। पृथ्वी लोक पर लोग मुझे अनेक नामों से पुकारते हैं। जैसे- श्री, लक्ष्मी आदि। इन्द्र बोले- देवी! आप इतने समय से राजा बलि के पास हैं लेकिन ऐसा क्या कारण है कि आप इन्हें छोड़कर मेरी ओर आ रही हैं? लक्ष्मी जी बोलीं- देवेन्द्र! मुझे मेरे स्थान से कोई भी हटा या डिगा नहीं सकता है। मैं सभी के पास काल के अनुसार आती-जाती रहती हूं। जैसा काल का प्रभाव होता है मैं उतने ही समय तक उसके पास रहती हूँ। अर्थात मैं समयानुसार एक को छोड़कर दूसरे के पास निवास करती हूं। इन्द्र बोले- देवी! आप असुरों के यहां निवास क्यों नहीं करतीं? लक्ष्मी जी बोलीं- देवेन्द्र! मेरा निवास वहीं होता है जहां सत्य हो, धर्म के अनुसार कार्य होते हों, व्रत और दान देने के कार्य होते हों। लेकिन असुर भ्रष्ट हो रहे हैं। ये पहले इन्द्रियों को वश में कर सकते थे, सत्यवादी थे।

अंतर्मन

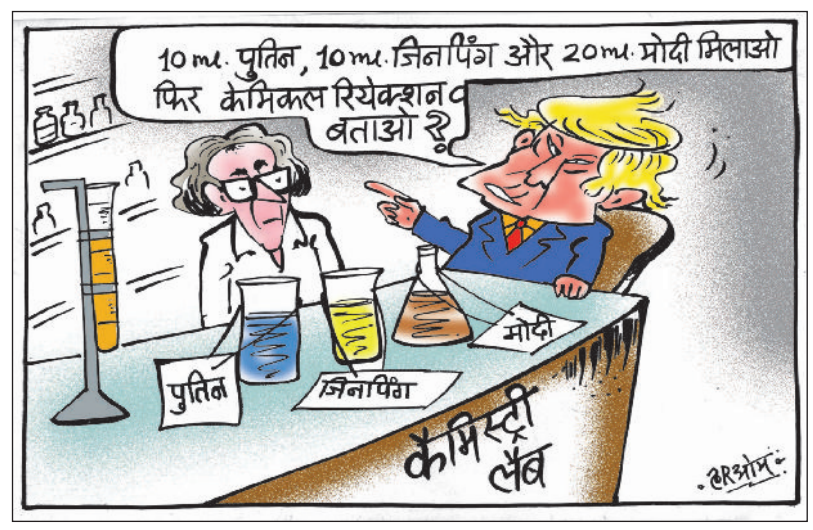

आज की पाती

देवस्थलों को पर्यटन के रूप में विकसित न करें

सरकार हमारे देवस्थलों को पर्यटन के नाम पर विकसित करने के बजाय, केवल पर्यटन स्थलों को इस तर्ज पर विकसित करे। देवस्थलों व लोगों की आस्था से जुड़ी इन जगहों से छेड़छाड़ नहीं की जाए। ये स्थान लोगों की आस्था के प्रतीक हैं, जो लाखों सालों से हम सबकी रक्षा करते आए हैं। हमारे देवस्थान कोई पर्यटक स्थल नहीं हैं, बल्कि लोग यहां अपने व अपने स्वजनों की कुशलता के लिए और अपनी मनोकामनाएं पूरी करने के लिए प्रार्थना करने के लिए आते हैं। यहां पहुंचने के लिए हमें सड़के नहीं चाहिए, होमस्टे नहीं चाहिए, होटल नहीं चाहिए, रोपवे नहीं चाहिए, पर्यटक नहीं चाहिए, बल्कि शांति चाहिए, श्रद्धालु चाहिए, आस्था चाहिए और देवी-देवताओं की कृपा चाहिए। *– मिलिंद जोशी, दुर्ग*

ट्रेंड

मां का दुख-दर्द

मेरी मां अब सशरीर इस दुनिया में नहीं है, उसका राजनीति से भी कोई लेना-देना नहीं था। फिर भी जिस प्रकार उसे भद्दी गालियां देकर अपमानित किया गया, उसका दुख-दर्द मुझे बिहार की माताओं-बहनों और बेटियों के आंसुओं में साफ नजर आया।
- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

पौधरोपण का संकल्प

प्रतिदिन पौधरोपण का संकल्प माँ समान प्रकृति की सेवा का अभियान है। आज भोपाल स्थित स्मार्ट सिटी पार्क में पौधरोपण कर प्रकृति सेवा के अभियान को आगे बढ़ाया। आप भी पौधरोपण अवश्य करें।
-शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री

सहायता राशि भेजी

पंजाब और जम्मू-कश्मीर में आई भीषण बारिश व बाढ़ से उत्पन्न हालात बेहद दुखद है। इस संकट की घड़ी में हरियाणा सरकार और प्रदेश की जनता प्रभावित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है। मुख्यमंत्री राहत कोष से पंजाब और जम्मू-कश्मीर के लिए 5-5 करोड़ की सहायता राशि भेजी गई है।
-नायब सिंह सैनी, सीएम, हरियाणा

पंजाब की मदद करें

पंजाब हमेशा देश के सामने आए किसी भी संकट का डटकर सामना करता रहा है लेकिन आज राज्य खुद संकट में है। मैं सभी देशवासियों से अपील करता हूं कि इस कठिन समय में पंजाब के लोगों की हर संभव मदद करें।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, दिल्ली

करंट अफेयर

अमेरिका में श्रमिक दिवस पर ट्रंप के खिलाफ प्रदर्शन

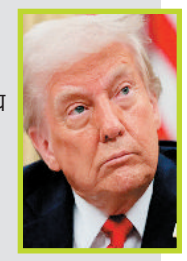

अमेरिका के कई शहरों में श्रमिक दिवस पर लोगों ने देश के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों का सड़कों पर उतरकर विरोध किया और श्रमिकों को उचित वेतन दिए जाने की मांग की। शिकागो और न्यूयॉर्क में हुए प्रदर्शनों का आयोजन 'वन फेयर वेज' नामक संगठन ने किया। इन प्रदर्शनों का उद्देश्य अमेरिका में श्रमिकों की परेशानियों की ओर ध्यान खींचना था, जहां न्यूनतम संघीय मेहनताना 7.25 डॉलर प्रति घंटा है। राष्ट्रपति ट्रंप के न्यूयॉर्क स्थित पूर्व आवास के बाहर ''ट्रंप को अब जाना चाहिए' के नारे गूंजे। वहीं, शिकागो में एक अन्य 'ट्रंप टॉवर' के बाहर प्रदर्शनकारियों ने 'नेशनल गार्ड नहीं चाहिए' और 'उसे जेल में डालो' के नारे लगाए। वॉशिंगटन डी सी और सैन फ्रांसिस्को में भी बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे। न्यूयॉर्क में लोग 'ट्रंप टॉवर' के बाहर एकत्रित हुए जो वर्षों से राष्ट्रपति का निवास नहीं होने के बावजूद उनके धन-वैभव का प्रतीक और प्रदर्शनों का केंद्र बना हुआ है। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां और बैनर लहराए जिन पर कथित 'फासीवादी शासन' को खत्म करने की मांग लिखी थी। वॉशिंगटन में भी बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए।

ऑफ बीट

सूर्य हमारे अस्तित्व के लिए क्यों आवश्यक है

आज इस बात के बहुत ज्यादा सबूत नहीं हैं कि प्राचीन लोग मानते थे कि सूरज की रोशनी ही बीमारी को ठीक कर सकती है। इसके बजाय, इस बात के ज्यादा सबूत हैं कि वे ठीक होने के लिए सूरज की गर्मी का इस्तेमाल करते थे। एबर्स पेपीरस ईसा पूर्व 1500 साल के आसपास का प्राचीन मिस्र का चिकित्सा 'स्क्रॉल' है। इसमें ''नसों को लचीला बनाने'' के लिए मरहम बनाने की विधि दी गई है। यह मरहम शराब, प्याज, कालिख, फल और पेड़ के अर्क लोबान और लोहबान से बनाया गया था। इसे लगाने के बाद, व्यक्ति को ''सूर्य के प्रकाश में रखा जाता था।'' उदाहरण के लिए, खांसी के इलाज के लिए अन्य नुस्खों में विभिन्न सामग्री को एक बर्तन में डालकर धूप में रखना शामिल था। यही तकनीक चिकित्सा लेखन में भी है जिसका श्रेय यूनानी चिकित्सक हिप्पोक्रेट्स को दिया जाता है जिनका काल लगभग 450-380 ईसा पूर्व माना जाता है। लगभग 150 ई. में आधुनिक तुर्की में सक्रिय रहे चिकित्सक एरेटियस ने लिखा था कि सूर्य का प्रकाश सुस्ती सहित कई बीमारियों को ठीक कर सकता था। इसमें वह बीमारी भी है जिसे हम आज अवसाद के रूप में पहचानते हैं। सुस्ती मिटाने का अर्थ है प्रकाश में लेटना, सूर्य की किरणों के संपर्क में आना; तथा अपेक्षाकृत गर्म स्थान में रहना।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

बिलासपुर

बुधवार, 3 सितंबर 2025

भाद्रपद शुक्ल पक्ष एकादशी

वर्ष : 25, अंक : 161

पृष्ठ : 12+6 = 18 मूल्य : 4.00***

मौसम

अधि. 32.4

न्यून. 26.1

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बोगर के भगवान गणेश 67, तो संबलपुर के विघ्नहर्ता 60 एकड़ खेत के मालिक

अभिषेक पांडेय ⏭ भानुप्रतापपुर

तहसील भानुप्रतापपुर अंतर्गत बोगर और संबलपुर में स्थित गणेश मंदिर अति प्राचीन है और मंदिर में स्थापित भगवान गणेश मंदिरों के नाम भी किसान के रूप में दस्तावेज में दर्ज है। बोगर के भगवान गणेश के नाम 67 एकड़ जमीन के मालिक हैं, वहीं संबलपुर के सिद्ध स्वामी गणेश 60 एकड़ जमीन के मालिक हैं। भगवान गणेश की खेती के माध्यम से गांव के लोगों को रोजगार भी मिल रहा है।

गणेशोत्सव

तहसील भानुप्रतापपुर से लगभग 10 किमी. की दूरी पर ग्राम बोगर में 85 साल पुराना भगवान गणेश मंदिर है। भगवान गणेश के नाम से क्षेत्र में 67 एकड़ जमीन है। मंदिर का संचालन खेत से होने वाली आय से होता है। बोगर के ग्रामीणों के ⏭शेष पेज 6 पर

- भगवान गणेश मंदिरों के नाम भी किसान के रूप में दस्तावेज में दर्ज
- भगवान गणेश की जमीन पर खेती से लोगों को रोजगार भी मिल रहा

संबलपुर

पुतरवाही में 30, कराठी में 29 और संबलपुर में 1 एकड़ जमीन

तहसील भानुप्रतापपुर से लगभग 07 किलोमीटर की दूरी पर ग्राम संबलपुर में सिद्ध स्वामी गणेश भगवान का मंदिर है। संबलपुर में सिद्ध स्वामी गणेश भगवान भी किसान हैं और 60 एकड़ जमीन के मालिक हैं। पुतरवाही में 30, कराठी 29 और संबलपुर में 01 एकड़ जमीन है। क्षेत्र के जानकारों के अनुसार संबलपुर में स्थापित सिद्ध स्वामी गणेश भगवान की प्रतिमा को 7 किमी दूर ग्राम बांसला से संबलपुर लाया गया था। इस दौरान बैल गाड़ियों का उपयोग किया गया था और ⏭शेष पेज 6 पर

पत्थर लाने टूटी थीं छह बैल गाड़ियां

इस प्रकार बोगर में 37 एकड़ और विनायकपुर में 30 एकड़ जमीन भगवान गणेश के पास है। कुछ में धान उगाया जाता है, तो कुछ टिकरा किस्म की जमीन है। खेतों को गांव के किसानों को किराए पर दिया जाता है। जिससे होने वाली आय से मंदिर का संचालन होता है। बोगर में चबूतरा में स्थापित गणेश जी की प्रतिमा के ऊपर मंदिर बनाने प्रक्रिया चल रही थी। इस दौरान प्रतिमा के ऊपर एक ही पत्थर को तराश कर लगाने पहाड़ी से पत्थर लाया गया। पत्थर को लाने के लिए छह बैल गाड़ियां टूटी थीं। ग्रामीणों एवं ⏭शेष पेज 6 पर

बोगर

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

आंगनवाड़ी और प्राइमरी स्कूल एक ही परिसर में

नई दिल्ली। सरकार एकीकृत मॉडल के माध्यम से प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) की भूमिका को उजागर करने के लिए दिशानिर्देश जारी करेगी। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। विज्ञप्ति के मुताबिक इसमें खासतौर पर आंगनवाड़ी और विद्यालय को एक छत के नीचे लाने को लेकर दिशानिर्देश होंगे।

एक करोड़ की नशीली गोलियां जब्त, दो गिरफ्तार

इंफाल। सुरक्षा बलों ने मणिपुर के थौबल जिले से एक करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की 'मेथामफेटामीन' की गोलियां जब्त कीं। इस संबंध में दो लोगों को गिरफ्तार किया। विशेष सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए सीमा सुरक्षा बल और थौबल जिला पुलिस की एक संयुक्त टीम ने सोमवार को जिले के थौबल हंगमथाबी इलाके में एक व्यक्ति के घर पर छापा मारा। यहां से 2.356 किलोग्राम 'मेथामफेटामीन' की गोलियां (नशे की गोलियां), 2.04 लाख रुपये नकद, वॉकी-टॉकी सेट और सोने के आभूषण जब्त किए।

चार राज्यों में सैलाब ने मचाया हाहाकार, रायपुर-सरगुजा संभाग में भारी बारिश का अनुमान

हिमाचल-पंजाब में कहर, सड़कें बंद, ट्रेनें रद्द, छत्तीसगढ़ में तीन दिनों का अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली/रायपुर

हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश और भूस्खलन ने तबाही मचाई है। हिमाचल में 20 जून से 30 अगस्त तक 91 फ्लैश फ्लड, 45 क्लाउडबर्स्ट और 95 बड़े भूस्खलन हुए हैं। हिमाचल प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में मंगलवार को भी भारी बारिश जारी रही। सूबे में भारी बारिश से हालात बेहद खराब हो गए हैं। भारी बारिश के कारण रेल सेवा स्थगित कर दी गई है। 5 राष्ट्रीय राजमार्गों समेत 1,311 सड़कें बंद हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कुल्लू और मंडी में लगभग 2 हजार वाहन जहां तहां फंस गए हैं। स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है।

मौसम विभाग ने राज्य के कुछ इलाकों में भारी से ज्यादा भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इस बीच मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश के चंबा, कांगड़ा और कुल्लू जिलों के अलग-अलग हिस्सों में गरज चमक और वज्रपात के साथ भारी से ज्यादा भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं मंडी, शिमला, सोलन, सिरमौर, किन्नौर और लाहौल-स्पीति जिलों के कुछ हिस्सों में भारी से ज्यादा भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। उना, बिलासपुर और हमीरपुर में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। बताया जाता है कि शिमला-कालका राष्ट्रीय राजमार्ग-5 सोलन जिले के सनवारा में भूस्खलन के कारण बंद है। इससे दोनों ओर बड़ी संख्या में वाहन ⏭शेष पेज 6 पर

रायपुर और बिलासपुर में झमाझम बारिश

भारी बारिश ने पूरे देश को हिला दिया है। हिमालयी क्षेत्रों से लेकर मैदानी इलाकों तक जलप्रलय जैसी स्थिति पैदा हो गई है। जम्मू-कश्मीर के वैष्णो देवी में लैंडस्लाइड से 33 लोगों की मौत जबकि उत्तराखंड में 100 से अधिक लापता हैं। हिमाचल प्रदेश, पंजाब, गुजरात, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में बाढ़ ने सैकड़ों घरों को बहा दिया। कई सड़कें बंद हैं, ट्रेनें रुकीं हुईं हैं। दिल्ली में यमुना खतरे के स्तर से ऊपर, प्रयागराज में गंगा उफान पर। इस बीच, आईएमडी ने छत्तीसगढ़ में अगले तीन दिनों तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

- लुधियाना में 2752% तो कुल्लू में 1218 फीसदी बारिश

पंजाब में बाढ़ की चपेट में 12 जिले

पंजाब में मूसलाधार बारिश और बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। राज्य के 23 में से 12 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। पंजाब में सतलुज, ब्यास और रावी नदियों के उफान पर होने से गुरदासपुर, अमृतसर, फिरोजपुर, कपूरथला, होशियारपुर समेत 12 जिलों में बाढ़ आई है।

रायपुर और दुर्ग संभाग में हो सकती है भारी बारिश

एक निम्न दाब का क्षेत्र उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना हुआ है, यह 24 घंटे में और अधिक प्रबल होने की संभावना है। इसके पश्चिम उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए ओडिशा की तरफ जाने की संभावना है। भारी वर्षा का क्षेत्र मुख्यतः रायपुर और दुर्ग संभाग की जिले संभावित है। मानसून द्रोणिका माध्य समुद्र तल पर बीकानेर, जयपुर, दतिया, सीधी, झारसुगुड़ा, पुरी तक स्थित है।

ट्रेन सेवाएं सस्पेंड

हिमाचल प्रदेश में सोमवार को शिमला-कालका रेलमार्ग पर भूस्खलन के बाद ट्रेनें रद्द कर दी गईं। ये ट्रेन सेवाएं 5 सितंबर तक स्थगित रहेंगी। बीते 24 घंटे में बिलासपुर जिले के नैना देवी में सर्वाधिक 200 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

वैष्णो देवी यात्रा आठवें दिन भी स्थगित

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित श्री माता वैष्णो देवी मंदिर की यात्रा मंगलवार को लगातार आठवें दिन भी स्थगित रही, जिससे कटरा आधार शिविर और गुफा मंदिर तक का मार्ग पूरी तरह सूना दिखाई दिया। त्रिकुटा पहाड़ियों और कटरा में मंगलवार को फिर से बारिश हुई। उनके अनुसार, खराब मौसम को देखते हुए एहतियातन यात्रा को स्थगित रखा गया है, और सभी मार्गों को आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया है। यात्रा को फिर से शुरू करने का निर्णय तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर लिया जाएगा।

चारधाम यात्रा स्थगित नदियां उफान पर

उत्तराखंड में मूसलाधार बारिश का सिलसिला जारी रहा, जिससे राज्य के विभिन्न हिस्सों में जनजीवन प्रभावित हुआ। चारधाम यात्रा को भी पांच सितंबर तक स्थगित कर दिया गया है, क्योंकि आगामी दिनों में भी इसी तरह का मौसम रहने का पूर्वानुमान जताया गया है। मौसम विभाग ने देहरादून, चंपावत, नैनीताल और ऊधम सिंह नगर जिलों में तीव्रत से अति तीव्र स्तर की वर्षा होने की चेतावनी जारी की है। इन जिलों में पिछले कई दिनों से लगातार बारिश हो रही है।

14 मंत्रियों पर हाईकोर्ट ने कहा-

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का करना होगा इंतजार

- याचिकाकर्ता को दो सप्ताह का समय दिया गया, अनुच्छेद 164(1) का उल्लंघन
- 90 विधानसभा सीटों की तुलना में 14 मंत्री बनने पर 15 प्रतिशत की सीमा क्रॉस

छग सरकार में 14 मंत्री के खिलाफ जनहित याचिका

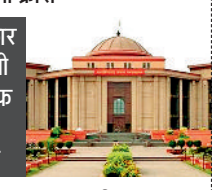

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ सरकार में 14 मंत्री बनाए जाने को लेकर लगी जनहित याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद कहा कि चूंकि मामला अपेक्स कोर्ट (सुप्रीम कोर्ट) में लगा है इसलिए वहां से फैसला आना उचित होगा। इससे फिर कोई विवाद ही नहीं रहेगा। याचिकाकर्ता ने इस पर अदालत से दो हफ्ते का टाइम मांगते हुए कहा कि दो हफ्ते में हम सुप्रीम कोर्ट से उस मामले में डिसीजन या कोई दिशा निर्देश ⏭शेष पेज 6 पर

याचिकाकर्ता ने पेश किया शपथ पत्र

पिछले सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के सामाजिक क्षेत्र में किए गए कार्यों का शपथ पत्र मांगा गया था। सुनवाई की शुरुआत में चीफ जस्टिस ने याचिकाकर्ता के अधिवक्ता से पूछा कि हमने आपसे एफिडेविट मांगा था वह कहां है। इस पर एफिडेविट पेश करते हुए अधिवक्ता ने बताया कि हम लोगों ने कोविड में सेवा का काम किया है, जिसका अखबार में ⏭शेष पेज 6 पर

सुप्रीम कोर्ट से होनी है 164 (1 ए) की व्याख्या

मामले में राज्य शासन को भी नोटिस जारी किया गया था। मंगलवार को सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से पक्ष रखा गया। शासन की ओर से खड़े अधिवक्ताओं ने बताया कि मंत्रिमंडल की सीमा तय करने से जुड़ा मामला सुप्रीम कोर्ट में पेंडिंग है जिसमें 164 (1 ए) की व्याख्या होनी है। यह मामला मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह कैबिनेट का था जिसमें मंत्रिमंडल की न्यूनतम और अधिकतम सीमा के लिए भी याचिका लगी हुई है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट में लगे केस की कॉपी भी छत्तीसगढ़ सरकार के अधिवक्ताओं ने अदालत के समक्ष जमा की। जिस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि जब उच्चतम न्यायालय में मामला लंबित है तो वहीं से डिसाइड करवाइए।

चिल्फीघाटी में 20 किमी लंबा जाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ कवर्धा

जिले के चिल्फी थाना क्षेत्र से होकर गुजरने वाले नेशनल हाईवे 30 रायपुर-जबलपुर मार्ग में सोमवार को एक बार फिर लम्बे जाम की स्थिति निर्मित हो गई। बताया जाता है कि यहां घाटी स्थित नागमोरी में एक ट्रैलर वाहन के अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी नाली में घुस जाने के कारण मार्ग अवरूद्ध हो गया और देखते ही देखते मार्ग में आवागमन थम गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार की सुबह चिल्फी थाना क्षेत्र से होकर गुजरने वाली नेशनल हाईवे से होकर गुजर रहा एक लोहे से लदा ट्रैलर वाहन नागमोरी में अनियंत्रित होकर नाली में जा घुसा जिससे चौबिसों घंटे ⏭शेष पेज 6 पर

- यात्रियों के साथ मरीजों को भुगतनी पड़ी परेशानी

लोहे से लदा ट्रैलर वाहन नाली में फंसा

मार्ग खुलवाने का किया जा रहा प्रयास

चिल्फीघाटी के नागमोरी में सोमवार की सुबह लगे जाम की सूचना मिलने के बाद चिल्फी पुलिस बीते करीब 12 घंटों से जाम को खुलवाने मसक्त कर रही है लेकिन बताया जाता है कि उसे इस कार्य में अभी तक सफलता नहीं मिला पाई है। मार्ग के दोनों और करीब 10-10 किलोमीटर का जाम और उस पर बीच मार्ग में नाली में फंसा लोहे से लदा और नाली में फंसा ट्रैलर वाहन समस्या को गंभीर बनाए हुए हैं। नाली में फंसे ट्रैलर वाहन को निकालने के लिए न तो मौके पर क्रेन पहुंच पा रही है और नहीं कोई दूसरा रास्ता मिल पा रहा है। कुल मिलाकर यह जाम कब खुलेगा फिलहाल कह पाना मुश्किल दिखाई दे रहा है।

12 घंटे से जंगल में फंसे यात्री

फंसे लोगों ने बताया कि जाम सोमवार की सुबह से लगा हुआ है, जो देररात तक नहीं खुल पाया है। करीब 12 घंटे से बीच जंगल में फंसे इन यात्रियों को उमस भरी गर्मी में भोजन पानी के अलावा कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

शाह से मिले सीएम साय और गृहमंत्री माओवादियों का दिया हिसाब-किताब

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ में चल रहे माओवादी विरोधी अभियानों, उनकी उपलब्धियों एवं भविष्य की कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री ने करेंगुट्टा पहाड़ी पर नक्सल ऑपरेशन में शामिल जवानों से भी मिले एवं उनके साहस और पराक्रम की सराहना करते हुए उन्हें विशेष सम्मान प्रदान किया। बैठक में उनके साथ छत्तीसगढ़ ⏭शेष पेज 6 पर

- केंद्रीय गृह मंत्री ने करेंगुट्टा ऑपहाड़ी पर नक्सल ऑपरेशन में शामिल जवानों को विशेष सम्मान किया प्रदान

शाह ने जवानों को दी बधाई

गृहमंत्री शाह ने जवानों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता न केवल सुरक्षा के मोर्चे पर बल्कि विकास और शांति की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। मुख्यमंत्री ने गृह मंत्री को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार माओवादियों के सम्पूर्ण उन्मूलन तक आक्रामक अभियान जारी रखेगी और साथ ही विकास को तेजी से आगे बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाओं को तेजी से पहुँचाकर स्थायी शांति की नींव रखी जाएगी।

दो कर्मचारी सस्पेंड, 4 अफसरों को नोटिस

चूहे के कुतरने से नवजात की मौत, दूसरे की हालत गंभीर

एजेंसी ⏭ इंदौर

महाराजा यशवंतराव अस्पताल में सोमवार को बड़ी लापरवाही सामने आई थी। जहां आदमखोर चूहे ने दो नवजात बच्चों के हाथ कुतर दिए थे। घटना में एक नवजात की मौत हो गई है। जबकि दूसरे की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस मामले में अस्पताल प्रबंधन ने एक्शन लेते हुए नर्सिंग स्टाफ के दो कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया है, जबकि 4 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

इन पर कार्रवाई

मेडिकल कॉलेज के डीन अरविंद ने नर्सिंग ऑफिसर आकांक्षा बेन्जामिन, श्वेता चौहान को सस्पेंड कर दिया है। जबकि सहायक प्रभारी नर्सिंग ऑफिसर कलावती बलावी को शोकॉज नोटिस दिया गया है। इसके साथ ही प्रवीणा सिंह, प्रभारी नर्सिंग ऑफिसर पीआईसीयू व डॉक्टर मनोज जोशी, प्रभारी व प्राध्यापक पीडियाट्रिक्स सर्जरी विभाग को भी शोकॉज नोटिस दिया है।

ट्रंप के सलाहकार नवारो ने फिर कसा भारत पर तंज

मोदी, पुतिन और शी के घनिष्ठ होते संबंध चिंताजनक!

एजेंसी ⏭ न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शीर्ष व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच घनिष्ठता को 'चिंताजनक' बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को रूस के बजाय अमेरिका, यूरोप और यूक्रेन के साथ खड़ा होना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी सोमवार को तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन से इतर तीनों नेताओं द्वारा घनिष्ठता प्रदर्शित किए जाने के बाद आई है। मोदी, शी और पुतिन के बीच 'एकजुटता के ⏭शेष पेज 6 पर

भारत पर 50 फीसदी टैरिफ

ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क और रूसी तेल की खरीद के लिए अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लगाया है। इससे भारत पर कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया है, जो दुनिया में सबसे अधिक है। भारत ने इन शुल्कों को अनुचित और विवेकहीन बताया है। रूसी कच्चे तेल की अपनी खरीद का बचाव करते हुए भारत का कहना है कि उसकी ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हित और बाजार की परिस्थितियों से प्रेरित है। यूक्रेन पर हमले के बाद, जब से पश्चिमी देशों ने रूसी कच्चे तेल पर प्रतिबंध लगाए हैं, तब से रूस भारत का शीर्ष ऊर्जा आपूर्तिकर्ता बन गया है।

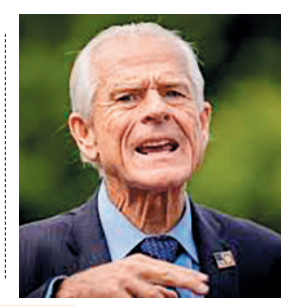

यूक्रेन में शांति लाएं मोदी

नवारो ने कहा, यूक्रेन में शांति लाने में कहीं न कहीं नयी दिल्ली की भूमिका अहम है। और अब वक्त है कि मोदी (प्रधानमंत्री) आगे आकर अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा, मैं मोदी का बेहद सम्मान करता हूं और भारतीय लोगों से बेहद लगाव रखता हूं। यूक्रेन संघर्ष को 'मोदी वॉर' कहने वाले नवारो ने कहा कि भारत दुनिया के बड़े देशों पर सबसे ज्यादा शुल्क लगाता है और इस सच्चाई को मानने से इंकार कर रहा है।

भारत-चीन की गिनाई दुश्मनी

नवारो ने कहा, भारत जनसंख्या के लिहाज से दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। इतिहास पर नजर डालें तो दशकों से भारत और चीन के बीच शीत युद्ध जारी रहा है। उन्होंने कहा कि चीन ने पाक की सेना को धन मुहैया कराया उसे परमाणु हथियार विकसित करने में मदद की है। नवारो ने कहा, चीन ने बार-बार भारत पर खासकर अक्साई चिन में हमला किया है। चीन ने वास्तव में भारत की जमीन पर कब्जा किया और अब भी उस पर कब्जा जमाए हुए है। अब चीनी नौसेना हिंद महासागर के अंदर तक गश्त कर रही है और वहां भारतीय संप्रभुता को चुनौती दे रही है। उन्होंने कहा, 'लेकिन साथ ही हम देख रहे हैं कि चीन के कारोबारी और तेल कंपनियां भारतीय व्यापारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

चांपा जमींदारी में गणेशोत्सव का सफर

परम्परा
प्रो. अश्विनी केशरवानी

चांपा जमींदारी का अपना एक उज्जवल इतिहास है। यहां के जमींदार शांतिप्रिय, प्रज्वत्सल और संगीतानुरागी थे। धार्मिक और उत्सवप्रिय तो थे ही, कदाचित यही कारण है कि चांपा में सभी धार्मिक उत्सवों में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के साथ ही रासलीला और गणेश चतुर्थी में उत्सव आज भी धूमधाम से मनाया जाता है। चांपा में गणेशोत्सव की शुरुआत जमींदार नारायण सिंह के कार्यकाल में शुरू हुआ। नारायण सिंह के बाद प्रायः सभी जमींदारों ने इस उत्सव को जारी रखा। इनके शासन काल में ही रायगढ़ के गणेशोत्सव के बाद यह दूसरा बड़ा उत्सव देखने को मिलता है। यहां का रहस बेड़ा उस काल का साक्षी है। पहले गणेशोत्सव रहस

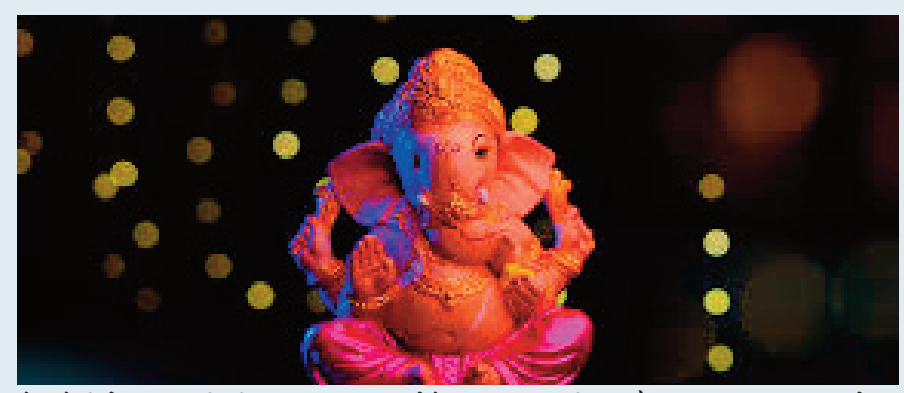

बेड़ा में ही होता था। जमींदारी का सदर मुख्यालय होने के कारण यहां का रहस बेड़ा कलाकारों को मंच प्रदान करता था, जहां कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन कर पुरस्कृत होता था। पहले लगभग 15 दिन तक उत्सव का माहौल होता था। उस समय यहां दुर्ग, राजनांदगांव, रायपुर, कमरीद, बलौदा, अकलतरा, नरियरा, कोसा, कराईनारा, रायखेड़ा, पिसौद और शिवरीनारायण आदि अनेक स्थानों से यहां सांस्कृतिक मंडलियां आती थीं। दादू सिंह का रासलीला और गम्मत यहां खूब सराहे जाते थे। नरियरा के ठाकुर विश्वेश्वर सिंह, रायगढ़ के भीखमसिंह, पंडित कार्तिक राम और बर्मन लाल जैसे चोटी के कलाकार कत्थक नृत्य, तबला वादक और संगीतकार यहां शिरकत करने आते थे। इस आयोजन का पूरा खर्च जमींदार अपने खजाने से स्वयं वहन करते थे। चांपा के जमींदार राम शरण सिंह के कार्यकाल में यहां का गणेश उत्सव चरम सीमा पर था। इस आयोजन में इतना खर्च हुआ कि सन 1926 में चांपा जमींदारी को ' कोर्ट ऑफ वॉर्ड्स ' घोषित कर दिया। अनंत चतुर्दशी को विसर्जन पूजा के बाद नगर की सभी गणेश प्रतिमाएं महल से लाई जाती थी और एक साथ बाजे गाजे और करमा नृत्य मंडली के साथ पूरे नगर का भ्रमण करती हुई डोंगाघाट पहुंच कर हसदो नदी में विसर्जित कर दी जाती थी। आज भी आसपास के गांवों से हजारों लोग इसे देखने आते हैं। भीड़ इतनी अधिक होती है कि पैदल चलना दूभर हो जाता है। खासकर अनंत चौदस को तो रात भर कार्यक्रम होते हैं।

लोक साहित्य
उर्मिला शुक्ल

आंचलिक प्रेम की झलक छत्तीसगढ़ी काव्य में

छत्तीसगढ़ी में लोक परम्परा पर आधारित काव्य की मात्रा प्रचुर है। इसमें छत्तीसगढ़ का किसान है, धान के खेत हैं, बरखा है, अकाल है और छत्तीसगढ़ की प्रिय बासी है। राजनीति के फलक पर छत्तीसगढ़ का अपना अलग अस्तित्व है। यह अलग राज्य के रूप में पहचाना जाए, इसकी चाहत बहुत पहले से थी। समय समय पर छत्तीसगढ़ी काव्य में यह पीड़ा बनकर उभरी, तो कभी विशेषता बन कर। छत्तीसगढ़ राज्य अलग बनने पर अंचल में भाषा एवं संस्कृति की प्रेम की बारिश सी होने लगी। यही कारण है कि विगत वर्षों में छत्तीसगढ़ी को लेकर जितनी कविताएं लिखी गई, उतनी शायद ही कभी लिखी गई होंगी। विद्याभूषण मिश्र के गीत ' चिरैया बोले रे ' में छत्तीसगढ़ राज्य के आने से सारे दुख दूर होने की आशा झलकती है -

तन डारी ले मन के चिरैया बोले रे
नवा राज के नवा अंजोरी घूंघट खोल रे
बांट बांट के अंधियारी ल पीए के दिन आगे
हर परवा छानी ऊपर दया मया लहरागे

इसी क्रम में प्रकाश कश्यप की छत्तीसगढ़ वंदना दानेश्वर शर्मा की छत्तीसगढ़ महतारी वन्दना में अंचल की महिमा का विस्तृत वर्णन है। प्रभंजन शास्त्री का कवि मन छत्तीसगढ़ बनने से विभोर है। इसी क्रम में चेतन आर्य, बिट्टुल राम, बरसाइत राम महंत, रविशंकर शुक्ल, सनत तिवारी, डॉ संतराम, राजेन्द्र तिवारी, लखनलाल गुप्त जैसे और भी अनेक कवि और लेखक अपनी काव्य रचनाओं के माध्यम से छत्तीसगढ़ महतारी का गुणगान कर रहे हैं।

सुरता
विजय शर्मा

समाजसेवी के रूप में जाने गए ठाकुर नरेंद्र प्रताप सिंह

छत्तीसगढ़ के कोमाखान में 19 मार्च 1938 को ठाकुर नरेंद्र प्रताप सिंह का जन्म हुआ। जन्म से ही सादगी पूर्ण जीवन शैली में ही आपने अपना जीवन व्यतीत किया। आपका विवाह 1958 में सारंगढ़ राजा नरेश की नातिन एवं पंडरिया जमींदार गौतम सिंह अनरेरी मजिस्ट्रेट बिलासपुर के पुत्री बाल कुमारी देवी के साथ हुई। आपकी प्रारंभिक शिक्षा कोमाखान इंटरमीडिएट आई एस सी राजकुमार कालेज रायपुर तथा कृषि महाविद्यालय नागपुर में बी एस सी किए। आप 1964 में आई इंटरनेशनल फॉर्म यूथ एक्सचेंज के तहत कृषि प्रशिक्षण के लिए अमेरिका गए। वहां से आप कृषि वैज्ञानिक होकर लौटे। आपने शासन के कई महत्वपूर्ण पद पर अपनी सेवाएं दी।

इसके साथ ही बालीवाल, फुटबाल, घुड़सवारी, शतरंज के साथ हॉकी के खिलाड़ी थे। रामायण भजन, साहित्य विज्ञान, हस्त रेखा और अंक ज्योतिष में आपकी विशेष रुचि रही। संगीत में रुचि होने के कारण हारमोनियम, तबला, बांसुरी और पियानो बजाने में माहिर थे। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के भोपाल में तीन वर्ष तक निदेशक रहे। 1969 में अविभाजित म प्र के आदिम जाति कल्याण मंत्री हुए। आप अपनी मातृभाषा लारिया में ही बातचीत करते थे। राजकुमार जी सादगी जीवन जीते कोमाखान से करीहीडीह विद्या मंदिर साइकिल से आते जाते थे। 26 जनवरी 1998 को आपकी हृदयाघात से मृत्यु हो गई।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- **Choupalharibhoomi@gmail.com**

पुरातात्विक
घनश्याम सिंह नाग

बड़े डोंगर में नल और नाग युगीन गणेशजी की प्रतिमाएं

बस्तर की प्राचीन राजधानी बड़े डोंगर में गणेशजी की प्रस्तर प्रतिमाएं यत्र तत्र बिखरी पड़ी हैं। इनमें से कई प्रतिमाओं को तराश कर सुघड़ बनाया गया है जो नल और नाग युगीन हो सकते हैं। इन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान तक स्थानांतरण किया जा सकता है। इस क्षेत्र के गौरी बेड़ा घने जंगल के अंदर विशाल पत्थर पर गणेशजी की अनगढ़ प्रतिमा उकेरी गई हैं। इस क्षेत्र के ताल गुंडरा के पत्थरों के बीच एक बड़े पत्थर पर गणेशजी की प्रतिमा उकेरी गई हैं। इसी क्षेत्र के बेल भाटा पर एक बड़े पत्थर पर गणेशजी की प्रतिमा उकेरी गई हैं। बूढ़ा सागर से सिंचाई विभाग द्वारा एक नहर नाली बनाई गई है। इस नाली के समीप गणेश जी की प्राचीन प्रस्तर प्रतिमा रखी हुई हैं। नाली निर्माण के दौरान खुदाई में कई प्रस्तर प्रतिमाएं मिली हैं। पातर पारा में भंगाराम माई मंदिर से कुछ दूरी पर एक आकर्षक गणेश प्रतिमा है। बड़े डोंगर के मुख्य दंतेश्वरी मंदिर में प्रवेश करते ही प्रथम कक्ष में पहले गणेशजी के ही दर्शन होते हैं। यहां पुरातात्विक महत्व की तीन प्रतिमाएं द्वार के दोनों ओर दीवार के आले पर रखी हुई हैं। इस मंदिर में प्रतिदिन पूजा होती है। बालाजी मंदिर

के बाहर भी गणेश जी की अनेक प्रतिमाएं रखी हुई हैं। नवरात्रि के अवसर पर ही यहां गणेश जी पूजे जाते हैं। बड़े डोंगर में दर्जन भर से अधिक गणेश प्रतिमाएं यत्र तत्र बिखरी पड़ी हैं। इनमें से कुछ ही प्रतिमाओं की पूछ परख होती है, वह भी संयोगवश। अधिकांश गणेश प्रतिमाएं लगभग उपेक्षित हैं। इसी तरह महादेव डोंगरी, भैंसादोद डोंगरी, महिषाद्वंद्व पहाड़ी पर कई खंडित मूर्तियां बिखरी पड़ी हुई हैं।

धरोहर: कमलेश यादव

धार्मिक महत्व के स्थलों में तुरतुरिया धाम

भगवान राम से संबंधित अनेक धार्मिक महत्व के स्थल भाटापारा बलौदा बाजार जिले में दिखाई देते हैं। रामरमिहा समाज के लोग भी बहुत अधिक संख्या में इस स्थल पर निवास करते हैं। इसी जिले में तुरतुरिया ग्राम के वाल्मीकि आश्रम में लव और कुश की कथा से हम सभी परिचित हैं। राम वन गमन पथ में भी तुरतुरिया को महत्वपूर्ण माना गया है। बार नवापारा अभ्यारण्य से लगा तुरतुरिया गांव बालमदेई नदी के तट पर पहाड़ की ऊंचाई में सघन वनों से घिरा प्राकृतिक सौंदर्य के महत्वपूर्ण स्थलों में है। इस धार्मिक स्थल को तुरतुरिया धाम के नाम से भी जाना जाता है। माना जाता है कि भगवान राम यहां महर्षि बाल्मिकी से मिलने आए थे। तुरतुरिया से 12 कि मी दूर ठाकुरदिया गांव के पास बालमदेई और महानदी का संगम स्थल है। यही से होकर भगवान राम सिरपुर पहुंचे थे। बाल्मिकी आश्रम चट्टानों से बनी एक प्राकृतिक स्थल है। भगवान राम ने जब माता सीता का त्याग किया तब वे इस वाल्मीकि आश्रम में ठहरी थी। इसी

आश्रम में लव और कुश ने जन्म लिया था। यहां चट्टानों से जल की धारा प्रवाहित होती है जिनसे तूर तूर की ध्वनियां निकलती हैं इस कारण इस स्थल को तुरतुरिया नाम दिया गया। इस गिरती जलधारा के निकट शैव, वैष्णव और बौद्ध धर्म के अनेक प्राचीन मूर्तियां आज भी विद्यमान है। बरसात के दिनों में प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर इस स्थल पर दूर दूर से पर्यटक पहुंच कर अलौकिक शांति का अनुभव करते हैं।

ऐतिहासिक
ललित शर्मा

अनेक महत्व का स्थल करबा करबिन टीला

सिरपुर से लगभग 5-6 किलोमीटर दक्षिण में मुख्य मार्ग से लगभग आधे किलोमीटर पर करबीन तालाब है। छत्तीसगढ़ी में थर्ड जेंडर को कहा जाता है। अनुमान है सिरपुर राजधानी में इनके निवास की व्यवस्था आम रिहायशी इलाकों से अलग रही होगी। या इनके निवास स्थान पर तालाब का निर्माण दैनिक क्रियाकलापों हेतु कराया गया होगा जिसके कारण तालाब का नाम करबिन तालाब रखा गया होगा। यहां यह भी अनुमान लगाया जाता है कि यह स्थान सिरपुर राजधानी के मुख्य प्रवेश द्वार सेनकपाट के समीप है तथा इन लोगों को राज्यातिथियों के स्वागत की दृष्टि से बसाया गया होगा। मुख्य मार्ग से इस स्थान तक जाने के लिए मार्ग नहीं है। यहां तक पैदल ही जाना होता है। पूरा इलाका घने जंगलों से युक्त है। इस तालाब

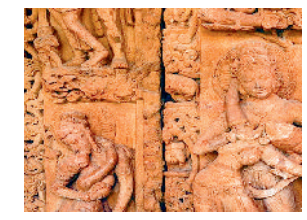

में कमल और कुमुदनी के खिले फूल दिखने में आकर्षक लगते हैं। घने जंगलों का स्थान होने के कारण दूर तक देखना कठिन होता है। अधिकतर पर्यटक कठिन स्थान होने के बावजूद भी प्रकृति के इस दृश्य को देखने जोखिम उठाकर पहुंचते रहते हैं।

लोक नाट्य: डा. उग्रसेन कन्नौजे

अंचल में रहस का स्वरूप

छत्तीसगढ़ अंचल में दो प्रकार का स्वर्ण और सतनामी रहस प्रचलन में है। दोनों रहस में मूर्तियों का उपयोग होता है। दोनों रहस में नारी पात्र का अभिनय पुरुष पात्र ही करते हैं। रहस लोकगीत और लोकनृत्य प्रधान लोकनाट्य है। इसमें लोक भजनों को ही महत्व दिया जाता है। दोनों वर्गो के रासधारी जिन लोक भजनों का प्रयोग करते हैं उनमें ब्रह्मानंद के भजन, कबीर दास के भजन और सूरदास के भजन प्रमुख हैं। वर्तमान में नए भजनों को भी शामिल कर लिया जाता है। सवर्ण व सतनामी रहस में कृष्ण लीला का आख्यान प्रमुख है किन्तु अनुष्ठान के तौर तरीके में भेद है। स्वर्ण रहस में कदंब वृक्ष की छांव में गणेशजी की मूर्ति स्थापित नहीं की जाती। केवल राधा कृष्ण की मूर्ति स्थापित की जाती है। जबकि सतनामी रहस में गणेश, रिद्धि सिद्धि, राधा कृष्ण की मूर्ति स्थापित की जाती है। स्वर्ण रहस नौ दिनों का होता है। सतनामी रहस दस दिन का होता है। दसवें दिन गणेश मूर्ति के विसर्जन के पश्चात रहस की समाप्ति होती है। स्वर्ण रहसमें ब्राह्मण को और सतनामी रहस में जाति के

किसी पढ़े लिखे व्यक्ति को व्यास बनाया जाता है। स्वर्ण रहस में भक्ति की प्रधानता होती है तो सतनामी में भक्ति के साथ लोक रंजन के पक्ष को भी महत्वपूर्ण स्थान मिलता है। इस तरह सदियों पहले छत्तीसगढ़ के अन्य वर्णों को पूजा अर्चना का अधिकार रहस के माध्यम से देकर वर्ण भेद की निरर्थकता का उदघोष कर भरत मुनि के पंचम वेद को लोक कल्याणकारी सिद्ध किया था। रहस छत्तीसगढ़ अंचल में बिलासपुर, रतनपुर, मुंगेली, जांजगीर, भाटापारा और बिल्हा क्षेत्र में प्रचलित है। आजकल लोक नाट्य रहस की प्रस्तुति का बनाए रखना बड़ी चुनौती है। कलाकार और दर्शक दोनों के बीच से रहस विलुप्त होने के कगार पर हैं।

पाकिस्तानी एयरबेस के पास हिन्दुस्तान ने दिखाई ताकत

नई दिल्ली। *भारतीय वायुसेना ने पाक को नोटाम जारी कर पाकिस्तानी एयरबेस के पास अरब सागर में एक बड़ा सैन्य अभ्यास शुरू कर दिया है। इंडियन एयरफोर्स ये अभ्यास गुजरात और राजस्थान के पास अरब सागर में 2 सितंबर 2025 को सुबह 11 बजे से शुरू कर दिया। दो दिवसीय ये अभ्यास 3 सितंबर को दोपहर 2 बजे तक चलेगा। आईएएफ का ये रूटीन अभ्यास है, लेकिन जगह संवेदनशील है क्योंकि यह पाकिस्तान के एयरस्पेस के बिल्कुल सामने है। पहले से अंतरराष्ट्रीय सिविल एविएशन कन्वेंशन (सीआईसीए) के तहत पाकिस्तान को नोटाम जारी कर दिया है। आईएएफ ने अभ्यास से पहले नोटिस टू एयरमेन (नोटाम) जारी किया है, नोटाम जारी होने से सिविलियन एयरक्राफ्ट को रीरूट करना पड़ेगा, जो हाई-इंटेंसिटी एरियल एक्टिविटी का संकेत है। यह अभ्यास वायुसेना का लाइव वेपन फायरिंग, मिसाइल ट्रायल या बड़े पैमाने पर एयर मैन्यूवर्स हो सकता है।*

पाकिस्तान एयरस्पेस के पास क्यों?

अरब सागर का यह कॉरिडोर संवेदनशील है क्योंकि यहां से पाकिस्तान के एयर रूट्स गुजरते हैं। यह अभ्यास भारत की स्ट्रैटेजिक रेडीनेस दिखाता है, खासकर पाकिस्तान के पास. हाल के तनावों के बीच, जैसे पहलगाम टेरर अटैक (अप्रैल 2025 में 26 मौतें), यह डिटरेंस सिग्नल है। ऐसे अभ्यास अक्सर कंफ्लिक्ट से पहले होते हैं, जैसे ऑपरेशन सिंदूर के समय. पाकिस्तान ने भी पहले नोटाम जारी किए हैं, जैसे अगस्त 2025 में मिसाइल टेस्ट के लिए। यह आईएएफ की कम्बैट प्रिपेयर्डनेस, वेपन टेस्टिंग और मल्टी-डोमेन चैलेंजेस पर फोकस करता है।

नोटाम क्या है?

सरल शब्दों में, यह एयरमेन को चेतावनी है कि किसी खास इलाके में असामान्य गतिविधियां होंगी, जैसे हथियार परीक्षण या ड्रिल। यह अंतरराष्ट्रीय सिविल एविएशन कन्वेंशन (सीआईसीए) के तहत जारी होता है। अभ्यास स्थल पाकिस्तान के कराची एयरस्पेस से महज 200 नॉटिकल मील (370 किमी) दूर है। इससे खतरे का जोन यानी पाकिस्तान का नियंत्रित एयरस्पेस से 70 नॉटिकल मील (129 किमी) की दूरी पर फैला है, जो रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है।

अनशन कर रहे नेता जरांगे ने खत्म किया आश्वासन, बोले- हम जीत गए

'झुकी फडनवीस सरकार, मराठवाड़ा के मराठाओं को दिया जाएगा कुनबी का दर्जा'

एजेंसी ▶▶ मुंबई

मुंबई के आजाद मैदान में आरक्षण को लेकर अनशन कर रहे मराठा नेता मनोज जरांगे सरकार के आश्वासन के बाद अपना अनशन खत्म कर दिया। उन्होंने आजाद मैदान में महाराष्ट्र सरकार के मंत्रियों के प्रतिनिधिमंडल द्वारा दी गई ड्राफ्ट प्रस्तावना (ड्राफ्ट रिजॉल्यूशन) को स्वीकार कर लिया। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री समूह ने जरांगे को आश्वासन दिया कि हैदराबाद गजट लागू करने के लिए एक सरकारी आदेश (जीआर) जारी किया जाएगा, जिसके बाद मराठवाड़ा के मराठाओं को कुनबी का दर्जा मिल सकता है।

सरकार ने कहा है कि यह आदेश जरांगे द्वारा प्रस्ताव स्वीकार करने के एक घंटे के भीतर जारी कर दिया जाएगा, जबकि बाकी तीन गजट लागू करने में कम से कम एक महीने का समय लगेगा। जरांगे पाटिल की कुल आठ मांगों में से छह को सरकार ने मान लिया है। महाराष्ट्र सरकार के मंत्रियों के आश्वासन के बाद मनोज जरांगे ने अपने समर्थकों से कहा, 'हम जीत गए हैं।' जरांगे ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने अगर मराठा आरक्षण की मांग को लेकर सरकारी आदेश जारी कर दिया तो मुंबई से रवाना हो जाऊंगा। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार को मराठा समुदाय को कुनबी का एक हिस्सा बताने वाला सरकारी आदेश जारी करने के लिए दो महीने का 'अल्टीमेटम' दिया।

पाटिल की कुल आठ मांगों में से छह को मान लिया है सरकार ने

तुरंत लागू हो हैदराबाद गजट

अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए पाटिल ने कहा कि मराठा समाज की मांगें पहले ही सरकार को लिखित रूप में दी जा चुकी हैं। उन्होंने कहा, 'पहली मांग हैदराबाद गजट को तुरंत लागू करने की थी। इस पर अब सरकार ने फैसला लिया है। मंत्री राधाकृष्ण विके पाटिल ने भरोसा दिया है कि अगर आंदोलनकारी इस प्रस्ताव को मान लेते हैं तो सरकार इस पर जीआर जारी करेगी।' पाटिल ने आगे बताया, 'सब-कमेटी ने हैदराबाद गजट लागू करने की मांग को मंजूरी देने का निर्णय लिया है। इस सरकारी फैसले के अनुसार एक कार्ययोजना बनाई गई है, जिसके तहत मराठा समाज के उन लोगों को कुनबी जाति प्रमाणपत्र दिया जाएगा, जिनके रिश्तेदार, गोत्र के लोग या उसी गांव के लोग पहले से ऐसे प्रमाणपत्र पा चुके हैं।'

क्या है हैदराबाद गजट?

महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण की मांग के संदर्भ में हैदराबाद गजट अहम भूमिका निभाता है। साल 1918 में निजाम शासन के दौरान जारी इस गजट में मराठवाड़ा क्षेत्र (जो तब हैदराबाद राज्य का हिस्सा था) की कई जातियों को दर्ज किया गया था। इसमें मराठा समुदाय को भी कुनबी के रूप में दर्ज किया गया था। कुनबी जाति को महाराष्ट्र में ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) का दर्जा प्राप्त है। निजाम के समय में मराठा समुदाय की प्रशासन और नौकरियों में मौजूदगी को देखते हुए सरकार ने उन्हें आधिकारिक तौर पर कुनबी वर्ग में रखा और शिक्षा व रोजगार में आरक्षण का लाभ दिया। इस आदेश को हैदराबाद राज्य की सरकारी गजट अधिसूचना में प्रकाशित किया गया, इसलिए इसे 'हैदराबाद गजट' कहा जाता है।

हैदराबाद गजट क्यों है अहम?

हैदराबाद गजट आज भी वैध माना जाता है और कई कानूनी मामलों में सबूत के तौर पर प्रस्तुत किया जाता है। मराठा आरक्षण की पिछली मांगों में भी इसका हवाला दिया गया था। गजट में दर्ज है कि मराठा समुदाय सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ा रहा है। इसी आधार पर मराठा आंदोलन के नेता मनोज जरांगे पाटिल न सिर्फ हैदराबाद गजट लागू करने की मांग करते रहे हैं, बल्कि सतारा और बॉम्बे गजट के पुराने रिकार्ड्स को भी शामिल करने पर जोर दे रहे हैं।

सूडान में भूस्खलन से तबाही

पूरा गांव मलबे में दबा 1000 से ज्यादा मौतें

खार्तूम। सूडान के दारफुर इलाके में 31 अगस्त 2025 को आए भयानक भूस्खलन ने एक पूरा गांव तबाह कर दिया। तारसीन गांव को मिट्टी का ढेर बना दिया, जिसमें 1000 से ज्यादा लोग मारे गए। सिर्फ एक ही व्यक्ति बचा. यह आपदा जेबेल मर्रा पहाड़ी क्षेत्र में हुई, जहां पहले से ही गृहयुद्ध के कारण लाखों लोग शरणार्थी बने हुए हैं। यह भूस्खलन 31 अगस्त 2025 की शाम को आया। दारफुर क्षेत्र के जेबेल मर्रा पहाड़ों में एक हफ्ते से लगातार भारी बारिश हो रही थी, जिससे मिट्टी ढीली हो गई। तारसीन गांव, जो नींबू-नारंगी उत्पादन के लिए मशहूर था, पूरी तरह धराशायी हो गया। सूडान लिबरेशन मूवमेंट/आर्मी (एसएलएम/ए) ने बयान जारी कर कहा कि पूरे गांव के निवासी मारे गए, करीब 1000 से ज्यादा लोग. सिर्फ एक व्यक्ति बचा है।

पेड़ काटते समय टांगी लगने से कट गई थी नस

बच्चे की मौत के मामले में हॉस्टल अधीक्षक और भृत्य गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर/बलरामपुर

छात्रावास में लकड़ी काटने के दौरान टांगी से घायल होकर छात्र की मौत के मामले में पुलिस ने कड़ी कार्रवाई की है। इस मामले में पुलिस ने छात्रावास के अधीक्षक और भृत्य दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही इस मामले की जांच चल रही है।

खास बात
- अधिक खून बहने से मौत

बता दें कि ग्राम बसकेपी निवासी 10 वर्षीय अभय कच्छप आ. साहेबा कच्छप कक्षा 4थी का छात्र था और जरहाडीह बालक आश्रम में रहकर पढ़ाई करता था। 31 अगस्त को छात्रावास में भृत्य करमसाय पंडो पेड़ की कटाई कर रह था और इसी पेड़ कटाई के दौरान खेलते हुए अभय कच्छप वहां पहुंच गया। लापरवाही पूर्वक की जा रही पेड़ कटाई के दौरान बालक के पैर पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया जिससे बालक के घुटने के पीछे की नस कट गई थी। इस घटना में गंभीर रूप से घायल बच्चे को अंबिकापुर अस्पताल लाते समय रास्ते में अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उसकी मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर घटना की जांच की जा रही थी। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ ही गवाहों के बयान लिए जिसमें यह बात सामने आई कि छात्रावास में पदस्थ भृत्य 40 वर्षीय करमसाय पंडो आ. बिरझू पंडो व छात्रावास अधीक्षक महाराजगंज निवासी दिनेश कुमार आ. अहिबरन द्वारा छात्रावास में बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में ना रखते हुए लापरवाही पूर्वक पेड़ कटाई कराई जा रही थी। भृत्य करमसाय गोंड ने लापरवाहीपूर्वक पेड़ काटते समय छात्र अभय कच्छप के बाए पैर के घुटना के पास मारा जिससे छात्र की मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने भृत्य और छात्रावास अधीक्षक को बीएनएस की धारा 105, 3(5) के तहत गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया है।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

अधीक्षक की लापरवाही भी उजागर

इस मामले में यह बात भी सामने आई है कि छात्रावास में हुई घटना के बाद अधीक्षक दिनेश कुमार ने भी बड़ी लापरवाही की। दिन के समय हुई घटना के बाद छात्रावास अधीक्षक खुद ही छात्र को लेकर अपनी कार में घूमता रहा और उच्च अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं दी। बच्चे की हालत गंभीर होने के बाद भी उसने अधिकारियों को अवगत नहीं कराया। अस्पताल में बच्चे को जब रिफर करने की बात आई तो जिला अस्पताल में एंबुलेंस नहीं था। ऐसे में वह खुद ही निजी वाहन से बच्चे को लेकर अंबिकापुर जा रहा था। यदि अधिकारियों को घटना की जानकारी होती तो एंबुलेंस की व्यवस्था कराई जा सकती थी और बच्चे को समय पर बेहतर उपचार मिलने से शायद उसकी जान बच जाती। अधीक्षक ने बच्चे की मौत के बाद घटना की जानकारी अधिकारियों को दी।

चल रही है जांच

बच्चे के मौत की जानकारी मिलने के बाद गंभीरता से जांच के निर्देश दिए थे। भृत्य ने लापरवाही की इसके साथ ही अधीक्षक ने भी उच्च अधिकारियों को समय रहते जानकारी नहीं दी। सुरक्षा में लापरवाही के कारण घटना हुई। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और जांच चल रही है।

बेबीलॉन टॉवर में लगी भीषण आग, 40 से ज्यादा लोग दो घंटे तक फंसे रहे

मौके पर पहुंचे जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी, सभी को रेस्क्यू कर सुरक्षित निकाला गया

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

राजधानी रायपुर में मंगलवार को तेलीबांधा क्षेत्र में संचालित बेबीलॉन टॉवर बिल्डिंग में भीषण आग लग गई। 8 फ्लोर की इस बिल्डिंग में आग लगने से सातवें एवं आठवें फ्लोर पर लगभग 40 लोग दो घंटे तक फंसे रहे। आग इतनी तेजी से फैली कि लोग दफ्तर से निकलकर बिल्डिंग की छत पर चले गए। इतनी बड़ी संख्या में लोगों के फंसे रहने की खबर मिलते ही कलेक्टर, एसएसपी सहित जिला एवं पुलिस प्रशासन के अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और दमकल विभाग के साथ संयुक्त रेक्स्यू अभियान चलाकर यहां फंसे सभी लोगों को कड़ी मशक्कत कर सुरक्षित बिल्डिंग से नीचे उतारा। सभी लोगों के बिल्डिंग से नीचे उतारे जाने के बाद प्रशासनिक अधिकारियों ने भी राहत की सांस ली। करीब तीन घंटे तक चले रेस्क्यू अभियान के दौरान आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया, लेकिन सुलग रही आग के कारण धुंआ कमरों में भरा हुआ है। कमरों की खिड़कियों में लगे कांच तोड़कर धुंआ बाहर निकाला जा रहा है।

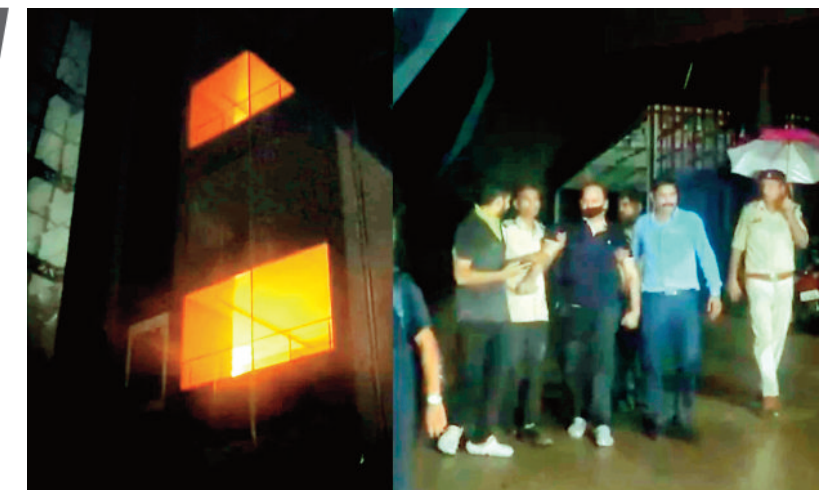

आग इतनी तेजी से फैली कि सातवें एवं आठवें फ्लोर पर मौजूद एक बुजुर्ग दिव्यांग सहित दर्जनभर लोगों ने बिल्डिंग की छत पर चढ़कर अपनी जान बचाई। इनमें से बुजुर्ग दिव्यांग को सबसे आखिरी में बिल्डिंग से नीचे उतारा गया। दिव्यांग को नीचे उतारते ही एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया, जहां उनका चेकअप कराया गया। उनकी हालत अब ठीक बताई जा रही है। हालांकि इस आगजनी से एक व्यक्ति की धुंए के कारण हालत बिगड़ने लगी, जिसे तत्काल एंबुलेंस की मदद से अस्पताल भेजा गया, जहां उसका ईलाज जारी है।

जनहानि नहीं

आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग के साथ जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। इस दौरान रेस्क्यू अभियान चलाकर बिल्डिंग में फंसे सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। आग पर काबू पा लिया है। आग कैसे लगी, इसकी जांच की जाएगी।

– लाल उमेद सिंह, एसएसपी रायपुर

लिफ्ट की वॉयर में हुए शॉर्ट सर्किट से लगी आग

बिल्डिंग में लगी आग का कारण लिफ्ट में लगी मोटी वायर में हुए शॉर्ट सर्किट को बताया जा रहा है। तेलीबांधा थाना प्रभारी ने बताया कि बिल्डिंग की लिफ्ट में लगी मोटी वायर में शॉर्ट सर्किट हुआ था। इस लिफ्ट के ऊपरी फ्लोर में जाते समय शॉर्ट सर्किट की आवाज आई थी, जिसके बाद मोटी वायर फ्लोर में लगी कई चीजों से टकराते समय उसमें से चिंगारी निकल रही थी। जैसे ही लिफ्ट सातवें फ्लोर पर पहुंची, वहां जोरदार आवाज आई और तेज चिंगारी निकलने के साथ इस फ्लोर में आग लग गई। इसके बाद आठवें फ्लोर में आग लग गई। इस तरह आग बिल्डिंग के सिर्फ इन दोनों फ्लोर में लगी। इससे पहले आग और फ्लोर पर फैलती, इस पर काबू पा लिया गया।

कोल लेवी घोटाला मामले में ईडी ने की नीरज पहलाजानी से कई घंटे पूछताछ

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

बहुचर्चित 570 करोड़ रुपए के कोयला लेवी घोटाले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने और तेज कर दी है। इस जांच में अब एक नया मोड़ आया है, जिसमें ईडी रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय ने गायनेकोलाजिस्ट डॉ. नीरज पहलाजानी से भी कई घंटे पूछताछ की है। डा. पहलाजानी अनुपम नगर स्थित माता लक्ष्मी नर्सिंग होम के संचालक हैं। इस मामले में डा. पहलाजानी पर सूर्यकांत तिवारी से एक करोड़ रुपए लेने का आरोप भी है।

सूत्र के अनुसार सोमवार सुबह 11 बजे ईडी की टीम अनुपम नगर स्थित डा. पहलाजानी के अस्पताल सह निवास पहुचे थे। यहां सुबह से लेकर शाम तक डा. नीरज से अधिकारियों ने पूछताछ की। सूत्र के अनुसार इस पूछताछ में ईडी के हाथ कुछ अहम तथ्य मिले है, जिसका खुलासा ईडी जल्द ही कर सकती है। यह भी बताया जा रहा है कि ईडी की पूछताछ के दौरान डा. पहलाजानी ने अपने चार्टर्ड अकाउंटेंट और कर सलाहकारों से परामर्श के लिए दो दिन का समय मांगा, साथ ही जांच के दायरे में आने वाले लेन-देन से जुड़े कई बैंक खातों का हवाला दिया। ईडी की इस पूछताछ से यह तय हो गया है कि कोयला लेवी घोटाला में कहीं न कहीं डा. पहलाजानी की भी भूमिका संदिग्ध रही है। हालांकि इसका खुलासा ईडी की जांच में ही होगा। ईडी की अब तक की जांच में इसका खुलासा हो चुका है कि कोयला लेवी घोटाले की मनी लॉन्ड्रिंग में कई प्रोफेशनल्स की भूमिका रही है। ऐसे लोगों की भूमिका को देखते हुए ईडी को संदेह है कि प्रोफेशनल चैनल में ऐसे कई चेहरे हो सकते हैं, जिनके बीच मनी लॉन्ड्रिंग हुई है। यह पहली बार है जब ईडी इस मामले की जांच करते हुए किसी बड़े निजी अस्पताल तक जा पहुंची है।

ओडिशा से रायपुर होते हुए बिहार ले जा रहे थे 28 किलो गांजा, आरपीएफ ने दो तस्करों को पकड़ा

रायपुर। गांजा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मंगलवार को आरपीएफ को बड़ी सफलता मिली है। रेलवे स्टेशन रायपुर के सेलून साइडिंग क्षेत्र के पास दो संदिग्ध व्यक्तियों को एक ट्रॉली बैग और एक पिट्ठू बैग के साथ पकड़ा गया।

स्नातक स्तर पर 12 हजार की छात्रवृत्ति देगा बोर्ड

रायपुर। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा उन विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप दी जा रही है, जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और कॉलेज या यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहे हैं। सीबीएसई ने 2025-26 एकेडमिक ईयर के लिए सेंट्रल सेक्टर स्कॉलरशिप स्कीम के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सीबीएसई सेंट्रल सेक्टर स्कॉलरशिप के लिए वो ही छात्र अप्लाई कर सकता है, जो किसी मान्यता प्राप्त कॉलेज या यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहा हो। इसके साथ ही छात्र के परिवार की सालाना आय 4.5 लाख रुपए से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। नोटिफिकेशन के अनुसार, ग्रेज्यूएशन करने वाले छात्रों को पहले तीन साल तक हर साल 12,000 रुपए मिलेंगे, वहीं पोस्ट-ग्रेज्यूएशन करने वाले छात्रों को 20,000 रुपए प्रतिवर्ष की आर्थिक मदद दी जाएगी। सीबीएससई की ओर से ऑनलाइन सीएसएसएस रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। एकेडमिक ईयर 2025-26 की स्कॉलरशिप के रिन्यूअल और नई स्कॉलरशिप के लिए आवेदन करने की आखिरी तारीख 31 अक्टूबर है। स्कॉलरशिप रजिस्ट्रेशन के लिए इच्छुक छात्र नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। बोर्ड के अनुसार, पैसों की दिक्कत के कारण ऐसे कई होनहार छात्र हैं जो आगे की पढ़ाई नहीं कर पाते हैं। ऐसे में पैसों को लेकर मेधावी युवाओं की पढ़ाई में कोई रुकावट नहीं आए इसलिए यह स्कॉलरशिप प्रोग्राम चलाया जा रहा है।

कार्यालय कलेक्टर (आबकारी) जिला-मुंगेली (छ.ग.)

क्रमांक/आब./ठेका/2025/2623 मुंगेली, दिनांक :- 02.09.2025

निविदा सूचना

जिला मुंगेली अंतर्गत सी.एस.एम.सी.एल. द्वारा संचालित देशी/विदेशी/कम्पोजिट मदिरा दुकानों के स्थल परिवर्तन हेतु भवन परिसर को किराये पर लेने बाबत कानूनी मालिकों से मुहर बंद निविदाएं (तकनीकी शर्तों से संबंधित दस्तावेज एवं रेट ऑफर पृथक-पृथक बंद लिफाफों में प्रस्तुत करते हुए) आमंत्रित की जाती है:-

क्रमांक	मदिरा दुकान का नाम	नवीन प्रस्तावित स्थल जहां स्थापित/स्थानांतरण होना है
1.	देशी/विदेशी मदिरा दुकान दाऊपारा	वर्तमान संचालित मदिरा दुकान से कोदवाबानी रोड में 500 मीटर की परिधि में मुख्य सड़क मार्ग पर
2.	देशी कम्पोजिट मदिरा दुकान चकरभठा	ग्राम पंचायत चकरभठा के सीमा क्षेत्र में
3.	देशी कम्पोजिट मदिरा दुकान देवरहट	ग्राम पंचायत देवरहट के सीमा क्षेत्र में

* कार्यालय से निविदा प्रपत्र दिनांक 02.09.2025 से कार्यालयीन समय पर प्राप्त की जा सकती है।
* निविदा आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 16.09.2025 समय दोपहर 02:00 बजे तक।
* तकनीकी निविदा खोलने की तिथि 16.09.2025 समय सायं 04:00 बजे ।

टीप :- निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं प्राप्ति-डिमांड ड्राफ्ट रूपये 590/- (रूपये 500/- एवं जी.एस.टी. राशि रूपये 90/-) 'जिला प्रबंधक, सी.एस.एम.सी.एल., जिला-मुंगेली' के पक्ष में देय, का भुगतान कर जारीकर्ता कार्यालय से कार्यालयीन समय में निविदा प्रपत्र प्राप्त किया जा सकता है। (कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदित)

जिला आबकारी अधिकारी
हेतु कलेक्टर जिला मुंगेली (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग कार्यालय मुख्य अभियंता, महानदी परियोजना, जल संसाधन विभाग, रायपुर, (छ.ग.)

ई प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निआसू क्रमांक 12,13,14/वलेलि/2025-26 जगदलपुर,दिनांक 01/09/2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है। अमानत राषि रू. 1.50 लाख।

क्रं.	सिस्टम निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रु. लाख में)	निर्धारित समयावधि
01	174212	बस्तर जिले के विकासखंड बस्तर के कोटगढ़ नाला पर राउतपारा के ऊपर ग्राम पखनाकोंगेरा में स्टापडेम निर्माण कार्य और सौर पम्प एवं पाईप लाईन वितरण प्रणाली का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	274.31 लाख	10 माह वर्षाकाल सहित
02	174213	बस्तर जिले के विकासखंड बस्तर के कोटगढ़ नाला पर ग्राम पखनाकोंगेरा में मावलीमाता के पास एनीकट निर्माण कार्य और सौर पम्प एवं पाईप लाईन वितरण प्रणाली का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	275.92 लाख	10 माह वर्षाकाल सहित
03	174214	बस्तर जिले के विकासखंड बस्तर के ग्राम कोटगढ़ के समीप कोटगढ नाला पर कोटगढ़ मंदिर एनीकट कम काजवे निर्माण कार्य और सौर पम्प एवं पाईप लाईन वितरण प्रणाली का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	293.79 लाख	10 माह वर्षाकाल सहित

1. बिड प्रारंभ की तिथि -08.09.2025 17:31 Hours
2. बिड सबमिशन की अंतिम तिथि -22.09.2025 17:30 Hours

रिमार्क:-उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 08.09.2025 समय 17:31 बजे से डाउनलोड किये जा सकते है।

कार्यपालन अभियन्ता
टी.डी.पी.पी. जलसंसाधन संभाग, जगदलपुर
कृते मुख्य अभियंता महानदी परियोजना,
जल संसाधन विभाग, रायपुर, छ.ग.

जी. 252603184/3

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

क्र. 229, 228/ निर्माण/2025 दिनांक 28.08.2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु.लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
1	वार्ड क्र. 12 (वर्तमान वार्ड क्र. 14) अंतर्गत मुड़ापार बाईपास मार्ग में रॉयल इन्फील्ड शोरूम से पेट्रोल पंप तक आर.सी.सी. नाला व सी.सी. सड़क निर्माण कार्य (अधोसंरचना मद) (तृतीय निविदा)	26.60	16.09.2025 (T.No.174453)
2	वार्ड क्र. 12 (वर्तमान वार्ड क्र. 14) अमरैयापारा अंतर्गत पॉवर टॉवर के पास नाला व सी.सी. सड़क निर्माण कार्य (अधोसंरचना मद) (द्वितीय निविदा)	88.00	16.09.2025 (T.No.174454)

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.k1rbamunicipal.in पर भी देखी जा सकती है।

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें ।।

अधीक्षण अभियंता
नगर पालिक निगम कोरबा (छत्तीसगढ़)

COLLEGE OF HORTICULTURE AND RESEARCH STATION, BILASPUR
(MAHATMA GANDHI UDYANIKEE EVAM VANIKEE VISHWAVIDYALAYA)
SANKRA, PATAN, DURG (C. G.) , Old Building of Livelihood College , Bilhamod, Nipaniya, Block - Bilha, Distt. Bilaspur (C.G.) 495222,Email:- chrs.bilaspur@mguvv.ac.in

No./ CHRS./Acad./Guest Teacher/2025-26/ Date / /2025

WALK-IN-INTERVIEW

Interested eligible candidates are invited to appear in Walk- in- Interview for Guest Teacher on the contractual basis in the following discipline (one post in each subject):

S.No.	Discipline	Date of Interview	Minimum Qualification
1.	Vegetable Science	22.09.2025 - 10.00 AM Onwards	Master degree and NET in concern subject as prescribed for Asstt. Professor MGUVV, Preference will be given NET/Ph.D in concerned subject.
2.	Soil Science and Agriculture Chemistry	22.09.2025 - 02:00 PM Onwards	

Application of the candidates must reach to College of Horticulture and Research Station, Bilaspur, Old Building of Livelihood College, Bilhamod, Nipaniya, Block Bilha, Distt. Bilaspur (C.G.) 495222 latest by 12.09.2025 by Speed or Registered post only and interview will be held as above at same place. No separate interview call letter will be issued. Application form and details advertisement may be downloaded from http://www.mguvv.ac.in.

(Dr. Toran Lal Sahu)
DEAN

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लो.नि.वि. (भ/स) संभाग जशपुर

प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-3006/NIT-1/2025-2026/ व ले लि दिनांकः 28/08/2025

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथिः- 09/09/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक।

ठेकेदारों दवारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथिः- 16/09/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक।

निविदा खोलने की तिथिः- 23/09/2025 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक।

एन.आई.टी. क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रु.मे)
1 T0024	जिला न्यायालय जशपुर मे दिव्यांगों हेतु शौचालय का निर्माण कार्य	4.75 3600.00
1 T0025	व्यवहार न्यायालय बगीचा मे दिव्यांगों हेतु शौचालय का निर्माण कार्य	4.99 3750.00
1 T0026	व्यवहार न्यायालय कुनकुरी मे दिव्यांगों हेतु शौचालय (मेल/फीमेल) का निर्माण कार्य	3.21 2500.00
1 T0027	व्यवहार न्यायालय कुनकुरी मे ट्रांसजेंडर हेतु शौचालय का निर्माण कार्य	2.16 1650.00
1 T0028	व्यवहार न्यायालय कुनकुरी मे मुख्य द्वार पर काउकैचर का निर्माण कार्य	1.65 1250.00
1 T0029	जिला न्यायालय जशपुर मे पुरुष एवं महिलाओं के लिए शौचालय निर्माण कार्य	7.32 5500.00
1 T0030	सिविल कोर्ट कुनकुरी मे 5 नग शौचालयों (2 दिव्यांगों हेतु एवं 3 सामान्य हेतु) का निर्माण कार्य	7.99 6000.00
1 T0031	सिविल कोर्ट बगीचा मे शौचालय/मूत्रालय निर्माण कार्य	6.29 4800.00

टीपः- 1. निविदा प्रपत्र की कीमत रु. 750/- प्रति नग
2. कार्य पूर्णता की अवधि सरल क्रमांक 1 से 3 तक 2 माह, सरल क्रमांक 4 से 5 तक 1 माह एवं सरल क्रमांक 6 से 8 तक 3 माह वर्षाऋतु सहित निर्धारित है।

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र मे उपलब्ध है। उनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. (भ/स) संभाग जशपुर

जी. 252603187/1

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग रायगढ़ जिला-रायगढ़ (छ.ग.)

ई प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 18.09.2025 समय 17:30 तक ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम निविदा क्रमांक	निविदा सूचना क्रमांक एवं दिनांक	कार्य का नाम	निविदा की लागत (लाख में)	आमंत्रण का क्रमांक
174220	21/व.ले.लि/2025-26 दिनांक 01.09.2025	रायगढ़ जिले के विकासखण्ड पुसौर के अंतर्गत केशापाली स्टापडेम का निर्माण कार्य।	269.20	द्वितीय आमंत्रण
174221	22/व.ले.लि/2025-26 दिनांक 01.09.2025	रायगढ़ जिले के विकासखण्ड रायगढ़ अंतर्गत सपनई व्यपवर्तन 'का जीर्णोद्धार एवं नहर लाईनिंग का निर्माण कार्य।	412.11	द्वितीय आमंत्रण

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 08.09.2025 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग रायगढ़
जिला-रायगढ़ (छ.ग.)

जी. 252603194/5

छत्तीसगढ़ संवाद
(जनसंपर्क संचालनालय की सहयोगी संस्था)
नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर, जिला- रायपुर (छ.ग.)
वेबसाइट- http://samvad.cg.nic.in/ फोन नं. 0771-2512580,81

क्रमांक - 2552 / छगसं./ क्षे.प्र./2025 नवा रायपुर, अटल नगर, दिनांक 01/09/2025

सिग्नल / स्क्वेयर ब्रांडिंग (विज्ञापन बोर्ड) के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु दर निर्धारण एवं योग्य फर्मों के इम्पैनलमेंट हेतु ऑनलाईन द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना

छत्तीसगढ़ संवाद (जनसंपर्क विभाग की सहयोगी संस्था) द्वारा छत्तीसगढ़ प्रदेश के रायपुर तथा नवा रायपुर अटल नगर, सभी जिला मुख्यालय एवं सभी विकासखंड मुख्यालयों में शासन की विभिन्न योजनाओं को सिग्नल / स्क्वेयर ब्रांडिंग (विज्ञापन बोर्ड) के माध्यम से प्रचार-प्रसार हेतु दर निर्धारण एवं योग्य फर्मों के इम्पैनलमेंट हेतु आमंत्रित प्रथम निविदा क्र. T202534001 दिनांक 19.06.2025 को निरस्त कर निर्धारित प्रारूप में समस्त वांछित दस्तावेजों सहित पूर्ण भरे हुए द्वितीय निविदा ऑनलाईन माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

निविदा प्रारूप एवं नियम शर्तों का अवलोकन छत्तीसगढ़ संवाद की वेबसाईट http://samvad.cg.nic.in पर किया जा सकता है। प्रारूप एवं नियम शर्तों में संशोधन होने पर संशोधन की सूचना उक्त वेबसाइट के माध्यम से दी जाएगी, पृथक से समाचार पत्रों में सूचना प्रकाशन नहीं की जाएगी। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि निम्नानुसार है:-

निविदा प्रपत्र शुल्क	रूपये 2,360/- (जीएसटी सहित) वापसी योग्य नहीं)
अमानत राशि	रूपये 50,000/- (बिना ब्याज के वापसी योग्य)
निविदा में भाग लेने हेतु रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि	दिनांक 24/09/2025 समय 2:00 बजे अपरान्ह तक
ऑनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	दिनांक 24/09/2025 समय 3:00 बजे अपरान्ह तक
निविदा खोलने की अंतिम तिथि	दिनांक 24/09/2025 समय 4:00 बजे सायं से

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
छत्तीसगढ़ संवाद
नवा रायपुर अटल नगर

सं. 45098

संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें, छत्तीसगढ़
स्वास्थ्य भवन, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, अटल नगर, नवा रायपुर

क्रमांक / स्था.अवि/254/2025/ 813
नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक 01/09/2025

पूर्व में जारी संक्षिप्त विज्ञापन में संयोजन (Add On)

संचालनालय का पत्र क्रमांक /स्था. अवि./37/2025/210, दिनांक 28.03.2025 के द्वारा संभाग एवं जिला स्तरीय तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी (स्टाफ नर्स, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक पुरुष, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक महिला, वार्ड ब्वॉय एवं वार्ड आया) के कुल 525 पदों एवं पत्र दिनांक 18.06.2025 के द्वारा फार्मासिस्ट ग्रेड-2 के 25 पदों को सीधी भर्ती करने हेतु संक्षिप्त विज्ञापन प्रारूप का प्रकाशन कर, उक्त पदों का विस्तृत विज्ञापन को व्यापम के वेबसाईट vyapamcg.cgstate.gov.in पृथक से अपलोड की जावेगी, संक्षिप्त विज्ञापन जारी किया गया। उक्त पदों के विस्तृत विज्ञापन में नियम एवं शर्ते के कंडिका में "नियुक्ति के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देश लागू होंगे।" उल्लेखित है। उक्त कंडिका में सीधी भर्ती के संबंध में शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देश है, जिसमें छत्तीसगढ़ शासन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग मंत्रालय का आदेश क्रमांक एफ 1-67/2021/सत्रह /एक, दिनांक 07.12.2021 के द्वारा कोविड के दौरान अस्थाई स्वास्थ्य कर्मियों की मांगों के संबंध में विचार करने हेतु सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश क्रमांक एफ 9-33/2021/1/5, दिनांक 17.09.2021 द्वारा गठित समिति की अनुशंसा के आधार पर राज्य शासन एतद् द्वारा निर्णय लेता है कि कोरोना वैशविक महामारी के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य के शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में नियुक्त एवं 6 माह तक लगातार सेवा देने वाले अस्थायी स्वास्थ्य कर्मियों को विभाग के तृतीय एवं चतुर्थ वर्ग के पदों पर चयन हेतु 10 बोनस अंकों का लाभ दिया जाये एवं छत्तीसगढ़ शासन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग मंत्रालय का आदेश क्रमांक एफ 1-67/2021/सत्रह / एक, दिनांक 03.02.2023 के द्वारा कोरोना वैश्विक महामारी सेवा देने वाले अस्थायी कर्मियों को विभाग के तृतीय एवं चतुर्थ वर्ग के पदों पर चयन हेतु 10 बोनस अंकों का लाभ दिये जाने का प्रावधान किया गया है। राज्य शासन एतद् द्वारा उक्त आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए ' '6 माह तक लगातार सेवा देने' के स्थान पर ' ' एक वर्ष में 06 माह तक कार्य अनुभव प्रतिस्थापित करता है, प्रावधानित है।

अत: उपरोक्तानुसार संचालनालय का पत्र क्रमांक /स्था.अवि./37/2025/210, दिनांक 28.03.2025 के द्वारा जारी संक्षिप्त विज्ञापन में संभाग एवं जिला स्तरीय तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी (स्टाफ नर्स, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक पुरुष, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक महिला, वार्ड ब्वॉय एवं वार्ड आया) के कुल 525 पदों एवं पत्र दिनांक 18.06.2025 के द्वारा फार्मासिस्ट ग्रेड-2 के 25 पदों पर कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य के शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में नियुक्त एक वर्ष में 06 माह तक लगातार सेवा देने वाले अस्थायी स्वास्थ्य कर्मियों को विभाग के तृतीय एवं चतुर्थ वर्ग के पदों पर चयन हेतु 10 बोनस अंकों का लाभ विभाग द्वारा दिया जावेगा।

आयुक्त सह संचालक स्वास्थ्य सेवायें द्वारा अनुमोदित

संयुक्त संचालक (अविज्ञप्त)
संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें
छत्तीसगढ़

जी-252603207/1

खबर संक्षेप

एनटीपीसी सौर क्षमता का वाणिज्यिक संचालन करेगा

नई दिल्ली। बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी ने मंगलवार को कहा कि उसकी समूह कंपनी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी की 25 मेगावाट की सौर क्षमता तीन सितंबर से व्यावसायिक रूप से चालू हो जाएगी। इसके साथ, एनटीपीसी समूह की कुल स्थापित और वाणिज्यिक क्षमता 83,366 मेगावाट हो जाएगी। एनटीपीसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि अनुषंगी कंपनी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने 25 मेगावाट (सौर) की आंशिक क्षमता तीन सितंबर, 2025 को शुरू करने की घोषणा की है।

मारुति का उत्पादन सालाना आधार पर अगस्त में घटा

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया का उत्पादन अगस्त में सालाना आधार पर छह प्रतिशत घटा है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि

बाजार की मांग के अनुसार वाहनों की संख्या को समायोजित करने के चलते ऐसा हुआ। देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता ने पिछले महीने देश में 1,58,202 इकाइयों का उत्पादन किया, जबकि अगस्त, 2024 में यह आंकड़ा 1,68,953 इकाई था। कंपनी ने पिछले महीने ऑल्टो और एस-प्रेसो की 9,485 इकाइयों का उत्पादन किया, जो एक साल पहले की 10,631 इकाइयों की तुलना में 11 प्रतिशत कम है।

आरबीआई ने गांधी को फिर यस बैंक का चेयरमैन बनाया

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के यस बैंक ने मंगलवार को कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक ने आर गांधी

को बैंक का गैर-कार्यकारी चेयरमैन फिर से नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। गांधी रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर रह चुके हैं। यस बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक ने एक सितंबर, 2025 के अपने पत्र के माध्यम से राम सुब्रमण्यम गांधी को बैंक के अंशकालिक चेयरमैन के रूप में फिर से नियुक्त करने को मंजूरी दी। उनकी नियुक्ति 20 सितंबर, 2025 से 13 मई, 2027 तक के लिए है।

वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन बढ़ा

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष के पहले पांच माह (अप्रैल-अगस्त) के दौरान देश भर में कैप्टिव (खुद के इस्तेमाल वाली) और

वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन सालाना आधार पर 11.88 प्रतिशत बढ़कर 739.2 लाख टन हो गया। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन 660.7 लाख टन था। इस्पात या बिजली क्षेत्र की कंपनियां अपने उपयोग के लिए कैप्टिव खदानें रखती हैं।

रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर पर

मुंबई। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता और घरेलू शेयर बाजारों में कमजोरी से मंगलवार को रुपया दबाव में रहा और यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आठ पैसे गिरकर 88.18 (अस्थायी) के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अमेरिका के बढ़े हुए शुल्क को लेकर फैली अनिश्चितता के बीच रुपया अबतक के सबसे निचले स्तर के आसपास कारोबार कर रहा है क्योंकि इसके नीचे जाने का जोखिम बना हुआ है। इसके अलावा, घरेलू शेयर बाजारों से लगातार विदेशी पूंजी की निकासी या डॉलर की मजबूती आगे भी रुपये की कमजोरी को बढ़ा सकती है।

जर्मनी का ड्यूश बैंक भारत में अपना कारोबार समेटने की तैयारी में जुटा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जर्मनी के सबसे बड़े बैंकों में से एक ड्यूश बैंक भारत में अपना रिटेल कारोबार बेचने पर विचार कर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ड्यूश बैंक ने अपने रिटेल बैंकिंग एसेट्स को बेचने के लिए देशी और विदेशी बैंकों को बोली लगाने के लिए आमंत्रित किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ड्यूश बैंक ने बैंकों से बोली लगाने की समयसीमा 29 अगस्त तय की थी।

- बैंक ने बैंकों से बोली लगाने की समयसीमा 29 अगस्त तय की थी

ड्यूश बैंक इन दिनों भारत में अपना रिटेल कारोबार पूरी तरह से समेटने की संभावनाओं को तलाश रहा है। इसकी फिलहाल देश में 17 शाखाएं हैं। इसी साल की शुरुआत में बैंक ने अपने रिटेल बिजनेस को और ज्यादा प्रॉफिटेबल बनाने के प्लान भी बनाए थे। मार्च में, बैंक के सीईओ क्रिश्चियन सिविंग ने कहा था कि बैंक अपनी शाखाओं में लागत कम करने के लिए लगभग 2,000 नौकरियों में कटौती करेगा। इससे पहले, साल 2017 में ड्यूश बैंक ने भारत में अपने रिटेल और वेल्थ मैनेजमेंट बिजनेस को बेचने की कोशिश की थी, लेकिन बाद में इस प्लान को टाल दिया गया। ड्यूश बैंक ने भारत में अपने रिटेल बिजनेस के वैल्यूएशन की कोई जानकारी नहीं दी है। कारोबारी साल 2025 में बैंक का रिटेल बिजनेस से रेवेन्यू 278.3 मिलियन डॉलर रहा।

बैंक भारत में अपना रिटेल कारोबार बेचने पर विचार कर रहा

ग्राहकों पर असर

अगर कोई नया बैंक ड्यूश बैंक का रिटेल कारोबार खरीदता है, तो जाहिर तौर पर इसका असर बैंक की सर्विस पॉलिसी और नेटवर्क पर पड़ेगा। ऐसे में लोन पर इंटरेस्ट रेट, प्रॉसेसिंग फीस और दूसरे चार्जेस भी बदल सकते हैं। अगर किसी ने ड्यूश बैंक से पर्सनल या होम लोन ले रखा है, तो उसे भी नए बैंक के पास ट्रांसफर किया जा सकता है। हालांकि, इससे जुड़ी हर जानकारी पहले से ग्राहकों को दे दी जाएगी। हो सकता है कि नए बैंक के साथ ट्रांजैक्शन अनुभव अलग हो। इनकी मोबाइल बैंकिंग, नेट बैंकिंग का पैटर्न कुछ अलग हो।

कई दूसरे विदेशी बैंकों ने भी कम किया निवेश

भारत दुनिया की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, यहां धनी व्यक्तियों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है, लेकिन बावजूद इसके स्थानीय बैंकों से कड़ी प्रतिस्पर्धा और नियामकीय सीमाओं के कारण देश में विदेशी बैंकों को राजस्व बढ़ाने में कठिनाई हो रही है। ड्यूश बैंक से पहले सिटी बैंक ने भी साल 2022 में भारत में अपना निवेश कम करने का फैसला लिया था। उस दौरान बैंक ने अपने क्रेडिट कार्ड और रिटेल बिजनेस को बेचने का सोचा था। पिछले साल, स्टैंडर्ड चार्टर्ड ने भी अपनी 48.8 करोड़ डॉलर के पर्सनल लोन बुक को कोटक महिंद्रा बैंक को बेच दी थी।

सीतारमण की अध्यक्षता में सभी राज्यों के वित्तमंत्री होंगे शामिल

जीएसटी परिषद की बैठक आज से, जरूरी वस्तुओं पर कर कम होने की संभावना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार बुधवार से शुरू हो रही जीएसटी परिषद की दो दिन की बैठक में दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर कर कम करने के लिए माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में महत्वाकांक्षी बदलाव पर विचार कर सकती है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता वाली और सभी राज्यों के प्रतिनिधित्व वाली यह परिषद केंद्र के 'अगली पीढ़ी' के जीएसटी सुधार प्रस्ताव पर चर्चा करेगी।

प्रस्तावित सुधारों में मौजूदा 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत के कर स्लैब को हटाकर केवल पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दो कर दरें रखना प्रमुख है। इसके अलावा कुछ चुनिंदा वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष दर से कर लिया जाएगा। कर स्लैब में कटौती और इसके चलते कीमतों में होने वाली कमी का आमतौर पर स्वागत किया गया है, लेकिन विपक्षी दलों के शासन वाले राज्य इस बदलाव के कारण राजस्व में किसी भी नुकसान की भरपाई की मांग कर रहे हैं।

खास बातें

- दो दिन की बैठक में दैनिक उपभोग की वस्तुओं पर कर कम करने पर विचार
- प्रस्तावित सुधारों में 12 और 18 फीसदी के स्लैब को हटाया जाएगा
- केवल पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दो कर दरें होगी

पीएम ने 15 अगस्त को सुधारों की घोषणी की थी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त को अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में जीएसटी सुधारों की योजना के बारे में बताया था। इसके तुरंत बाद केंद्र सरकार ने प्रारंभिक समीक्षा के लिए विभिन्न राज्यों के मंत्रियों के एक समूह (जीओएम) के साथ प्रस्तावित सुधार का एक खाका साझा किया। जीओएम ने कर दरों को कम करने के केंद्र के प्रस्ताव पर सहमति जताई है।

40 लाख के ईवी पर 18 फीसदी जीएसटी लगाने समर्थन

परिषद 3-4 सितंबर को इन सिफारिशों पर विचार करेगी। मामले से अवगत सूत्रों ने बताया कि स्लैब में बदलावों से मोटे तौर पर सहमत होते हुए मंत्री समूह ने 40 लाख रुपये तक कीमत वाले इलेक्ट्रिक वाहन पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाने का समर्थन किया है।

पेंसिल, साइकिल, छाता लाया जा रहा पांच फीसदी स्लैब में

पेंसिल, साइकिल, छाते से लेकर हेयर पिन जैसी आम उपयोग की वस्तुओं को भी पांच प्रतिशत के स्लैब में लाया जा सकता है। कुछ श्रेणी के टीवी, वॉशिंग मशीन और रेफ्रिजरेटर जैसी इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं की कीमतों में कमी होने की भी संभावना है, क्योंकि इन पर मौजूदा 28 प्रतिशत की तुलना में 18 प्रतिशत की दर से कर लगाया जा सकता है।

केंद्र इलेक्ट्रिक वाहन को देना चाह रही प्रोत्साहन

हालांकि, केंद्र सरकार इलेक्ट्रिक वाहन को प्रोत्साहन देना चाहती है और उनसे पांच प्रतिशत की दर का समर्थन किया है। इसके अलावा घी, मेवे, पीने के पानी (20 लीटर), नमकीन, कुछ जूते और परिधान, दवाइयां और चिकित्सा उपकरण जैसी ज्यादातर आम इस्तेमाल की वस्तुओं को 12 प्रतिशत से पांच प्रतिशत कर स्लैब में लाने की संभावना है।

वाहनों पर 28 फीसदी की उच्चतम दर लागू

वाहनों पर इस समय 28 प्रतिशत की उच्चतम दर और क्षतिपूर्ति उपकर लागू है, लेकिन अब उन पर अलग-अलग दरें लागू हो सकती हैं। शुरुआती स्तर की कारों पर 18 प्रतिशत की दर लागू होगी, जबकि एसयूवी और लक्जरी कारों पर 40 प्रतिशत की विशेष दर लागू होगी।

40% की विशेष दर अवगुणों से संबंधित वस्तुओं पर

इसके अलावा 40 प्रतिशत की विशेष दर अवगुणों से संबंधित वस्तुओं, जैसे तंबाकू, पान मसाला और सिगरेट पर भी लागू होगी। इस श्रेणी के लिए इस दर के ऊपर एक अतिरिक्त कर भी लगाया जा सकता है। पश्चिम बंगाल जैसे विपक्षी राज्यों ने मांग की है कि 40 प्रतिशत की दर के ऊपर लगाया गया कोई भी कर राज्यों के साथ साझा किया जाना चाहिए, ताकि उनके राजस्व घाटे की भरपाई की जा सके।

विपक्षी राज्य भी होंगे शामिल

विपक्षी दलों के शासन वाले आठ राज्यों में हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, केरल, पंजाब, तमिलनाडु, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल शामिल हैं।

मुनाफावसूली से सेंसेक्स में 207 अंक की आई गिरावट

एजेंसी ▶▶ मुंबई

स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को शुरुआती तेजी कायम नहीं रह पायी और जीएसटी परिषद की बैठक से पहले बैंक और वाहन शेयरों में कारोबार के अंतिम घंटे में मुनाफावसूली से बीएसई सेंसेक्स 207 अंक के नुकसान में रहा, जबकि एनएसई निफ्टी 45 अंक टूट गया। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 206.61 अंक की गिरावट के साथ 80,157.88 अंक पर बंद हुआ। सूचकांक तेजी के साथ खुला और दोपहर तक बढ़त के साथ कारोबार करता रहा। हालांकि, कारोबार के अंत में मुनाफावसूली के कारण यह दिन के उच्चतम स्तर 80,761.14 अंक से 752.64 अंक नीचे आ गया। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में 16 नुकसान में जबकि 14 लाभ में रहे। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 45.45 अंक यानी 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,579.60 अंक पर बंद हुआ।

इन कंपनियों में रही घट-बढ़

सेंसेक्स की कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, एशियन पेंट्स, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा मोटर्स और लार्सन एंड टुब्रो प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में पावर ग्रिड, एनटीपीसी, टाटा स्टील और हिंदुस्तान यूनिलीवर शामिल हैं।

बाजार ने शुरूआती तेजी गंवाई

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''घरेलू शेयर बाजारों ने मजबूत वृहद आंकड़ों के कारण आई शुरुआती तेजी गंवा दी और जीएसटी परिषद की बैठक तथा वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) खंड में सौदों की समाप्ति से पहले सतर्कता के बीच मुनाफावसूली के कारण बैंक शेयरों की अगुवाई में गिरावट के साथ बंद हुए।''

बालको मेडिकल सेंटर ने कीमोथैरेपी मरीजों के लिए स्कैल्प कूलिंग थैरेपी की शुरुआत की

नया रायपुर। मरीजों की देखभाल और सुविधा को और अधिक बेहतर बनाने के उद्देश्य से, भारत के अग्रणी कैंसर अस्पतालों में से एक बालको मेडिकल सेंटर ने स्कैल्प कूलिंग थैरेपी की शुरुआत की है – जो कि कीमोथैरेपी के दौरान बाल झड़ने की समस्या को कम करने वाली एक क्रांतिकारी तकनीक है।

कीमोथेरेपी से गुजर रहे कैंसर मरीजों के लिए बालों का झड़ना एक बेहद मानसिक रूप से परेशान करने वाला दुष्प्रभाव होता है। स्कैल्प कूलिंग की शुरुआत करके बालको मेडिकल सेंटर ने मरीजों के जीवन की गुणवत्ता और भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की दिशा में एक सहानुभूतिपूर्ण कदम उठाया है।

स्कैल्प कूलिंग (जिसे स्कैल्प हाइपोथर्मिया भी कहा जाता है) एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें विशेष कूलिंग कैप या उपकरण की सहायता से सिर की त्वचा का तापमान कम किया जाता है। यह प्रक्रिया कीमोथैरेपी की दवाओं को बालों की जड़ों तक पहुँचने से रोकती है, जिससे बाल झड़ने की संभावना कम हो सकती है। यह थेरेपी सुरक्षित, क्लीनिकली टेस्टेड और दुनिया भर के प्रमुख ऑन्कोलॉजी सेंटर्स में उपयोग की जा रही है। डॉ. भावना सिरोही, सीनियर मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट और मेडिकल डायरेक्टर, बालको मेडिकल सेंटर, ने कहाः "बालको मेडिकल सेंटर में हम केवल कैंसर का इलाज नहीं करते, बल्कि मरीजों को उनकी संपूर्ण उपचार यात्रा के दौरान संबल और सहयोग भी प्रदान करते हैं। स्कैल्प कूलिंग की शुरुआत हमारे उसी दृष्टिकोण को दर्शाती है जिसमें हम शारीरिक ही नहीं, बल्कि भावनात्मक जरूरतों को भी उतनी ही गंभीरता से लेते हैं । ₹ स्कैल्प कूलिंग के दो प्रकार की विधियाँ उपलब्ध हैंः ऑटोमैटेड डिवाइसेज़, जो कंप्यूटर नियंत्रित होती हैं और लगातार एक समान तापमान बनाए रखती हैं। मैन्युअल सिस्टम, जिसमें ठंडी कैप्स को अंतराल में बदलते हुए ठंडक बनाए रखी जाती है। डॉ. यशवंत कश्यप, मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, बालको मेडिकल सेंटर, ने बताया : "यहां बालको मेडिकल सेंटर में हम प्रतिदिन लगभग 50-60 मरीजों को कीमोथेरेपी दे रहे हैं।

बोट समेत 13 कंपनियों को आईपीओ लाने की मंजूरी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

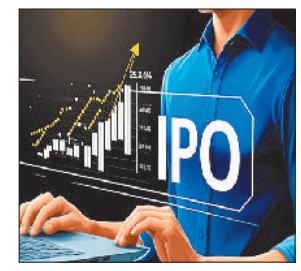

बाजार नियामक सेबी ने अर्बन कंपनी और बोट ब्रांड का संचालन करने वाली कंपनी इमेजिन मार्केटिंग समेत 13 कंपनियों को अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम लाने की मंजूरी दे दी है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक सूचना में कहा कि आईपीओ लाने की मंजूरी पाने वाली कंपनियों में जूनिपर ग्रीन एनर्जी, जैन रिसोर्स रिसाइक्लिंग, मौरी टेक, रावी इन्फ्राबिल्ड प्रोजेक्ट्स, पेस डिजिटेक, ओम्निटेक इंजीनियरिंग, कोरोना रेमेडीज, केएसएच इंटरनेशनल, ऑलकैम लाइफसाइंस, प्रॉयरिटी ज्वेल्स और ओम फ्रेट फॉरवर्डर्स भी शामिल हैं। इन कंपनियों ने इस साल मार्च से जून के बीच अपने निर्गम के लिए सेबी के समक्ष दस्तावेज दाखिल किए थे। इन कंपनियों को एक से 29 अगस्त के बीच सेबी से मंजूरी पत्र मिला है। मर्चेंट बैंकर का कहना है कि इन 13 कंपनियों के आईपीओ से 15,000 करोड़ रुपये से अधिक राशि जुटाने की उम्मीद है। इस राशि का उपयोग कंपनियों के विस्तार, कर्ज अदायगी और मौजूदा शेयरधारकों को निकासी अवसर उपलब्ध कराने के लिए किया जाएगा।

अब भी 2000 के नोट चलन में मौजूद : आरबीआई

मुंबई। वापस लिए जाने की घोषणा के सवा दो साल बाद भी 2,000 रुपये वर्ग के कुल 5,956 करोड़ रुपये मूल्य के नोट अभी भी चलन में हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एक बयान में कहा कि 31 अगस्त तक चलन में मौजूद 2000 रुपये के नोटों का कुल मूल्य 5,956 करोड़ रुपये था जबकि 19 मई, 2023 को इन्हें चलन से बाहर किए जाने की घोषणा के समय इस मूल्य वर्ग के कुल 3.56 लाख करोड़ रुपये के नोट प्रणाली में मौजूद थे। आरबीआई ने कहा कि इस तरह 2,000 रुपये मूल्य वर्ग के 98.33 प्रतिशत नोट अब तक वापस आ चुके हैं। हालांकि, 2000 रुपये के नोट अब भी वैध मुद्रा बने हुए हैं और उनका लेन-देन आधिकारिक तौर पर अवैध नहीं है। नवंबर, 2016 में नोटबंदी की घोषणा के बाद 2,000 रुपये के नोट जारी किए गए थे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
विविध कार्य हेतु निविदा सूचना
निविदा क्रमांकः CPM/EL/BSP/BSP-TLD/25-26/13 (खुली निविदा) (टू पैकेज सिस्टम)
कार्यः "एस.ई.सी.आर. के रायपुर डिवीजन के बिलासपुर-तिल्दा खंड (बिलासपुर यार्ड सहित) के बीच मौजूदा 1x25 केवी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम को 2x25 केवी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम में अपग्रेड करने के लिए डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग (74 आरकेएम/227 टीकेएम)". **निविदा मूल्य (रू.):** 82,25,49,995/- (बयासी करोड़ पच्चीस लाख उनचास हजार नौ सौ पंचानबे रूपए), **अमानत राशि (रू.):** 42,62,800/-.
कार्य पूरा होने की अवधिः 18 (अठारह) माह।
निविदा बंद होने का समय एवं दिनांकः 19.09.2025 को 15:00 बजे, **निविदा खोलने का समय एवं दिनांकः** 19.09.2025 को 15:30 बजे।
विस्तृत जानकारी/ निविदा दस्तावेज का पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु मुख्य परियोजना प्रबंधक (विद्युत)/ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर के कार्यालय, पुराना कंस्ट्रक्शन भवन, महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कार्यालय के बगल, बिलासपुर पिनः 495004 में संपर्क करें अथवा निविदा कागजात जो हमारी वेबसाईट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं उसे डाउन लोड कर/देख सकते हैं।
उप मु.वि.इंजी./परियोजना
सीपीआर/10/288 द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इंडिया लिमिटेड का उपक्रम)
सूचना
एसईसीएल द्वारा सामग्रियों, कार्यों एवं सेवाओं की खरीद के लिए जारी निविदाऐं एसईसीएल की वेबसाईट http://www.secl-cil.in, कोल इण्डिया के ई–प्रोक्यूमेंट पोर्टल http://coalindiatenders.nic.in और सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्यूरमेंट पोर्टल http://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त जीईएम पोर्टल http://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीदी का कार्य किया जाता है। एसईसीएल के माईनिंग सर्विसेस की निविदायें भी अब जीईएम पोर्टल http://gem.gov.in पर उपलब्ध हैं।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर
NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY RAIPUR
(An Institute of National Importance)
Under Ministry of Education, Govt. of India
ई–निविदा आमंत्रण सूचना
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर सिविल कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित करता है जिसका विवरण निम्नानुसार है: **Name of Work :-Regarding Tiles and civil repair maintenance works in various occupied quarters at NIT campus Raipur. Enquiry no.: No./NITRR/EE/EO/ETender/2025/0241, Raipur, Dated: 30-08-2025.**
जो की ई–निविदा के माध्यम से www.tenderwizard.in/NITR पोर्टल पर करना है। निविदा जमा करने कि अंतिम तिथि **27/09/2025 18:00** बजे तक व निविदा खुलने की तिथि **29/09/2025 16:00** बजे। फॉर्म व अन्य जानकारियाँ वेबसाइट www.nitrr.ac.in व www.tenderwizard.in/NITR से डाउनलोड की जा सकती है।
–सही–
कार्यपालन अभियंता
संपदा विभाग, एन.आई.टी.रायपुर

CHHATTISGARH STATE POWER DISTRIBUTION COMPANY LIMITED
(A Government of Chhattisgarh Undertaking) (A Successor Company of CSEB) CIN U40108CT2003SGC015822
OFFICE OF EXECUTIVE DIRECTOR (RA&PM), CSPDCL,Raipur
Email ID: eccomeseb@rediff.com, website:www.cspdcl.co.in Phone (0771) 2574441,
NOTICE INVITING TENDER
TS No. 02-02/ED (RA&PM)/GEN/TS-005
Sealed tenders, in duplicate, are invited for appointment of Consultant for preparation and filing of Capital Investment Plan (CIP) and Multi-Year ARR petition of Chhattisgarh State Power Distribution Company Ltd. (CSPDCL), for the control period of 04 years effective from 01-04-2026, including filing of truing-up and retail supply tariff petition every year separately during each year of control period. The approximate tender value is Rs. 55.00 Lakh (Fifty Five Lakhs Only) (Including GST), The bidders can purchase tender document from the O/o ED (RA&PM) during working hours (10:00 Hrs. to 17:30 Hrs.) or may be downloaded from the CSPDCL's website on payment of tender fee of Rs. 5000/- through demand draft, which shall be enclosed with the tender offer. Last date of submission of offer is 16.09.2025 up to 15:00 Hrs. Offers are invited in two parts, of which PART-1 (Earnest Money Deposit in Envelope-1 & Technical Proposal in Envelope-II) will be opened on 16.09.2025 at 15:30 Hrs. and PART-II (Financial Proposal in e-bidding module of SAP-SRM) will be opened subsequently for which date and time shall be intimated separately.
Important Note: (1) Please note that any notice for corrigendum or extension of due date of tender opening shall not be published in the newspapers. It will be displayed only on the official website of the company.(2) The tender will be processed through E-bidding module of SAP-SRM. Bidders are advised to visit our website www.cspdcl.co.in to view detailed instructions regarding submission of offer through SAP-SRM. For Details, visit our website www.cspdcl.co.in (Rfx no. 8100045992)
Executive Director (RA & PM)
CSPDCL: Raipur
SAVE ELECTRICITY

कार्यालय नगर पंचायत खोंगापानी, जिला-मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.)
दूरभाष क्र. 07771-268968, ईमेल आई.डी.-cmokhongapani@rediffmail.com
क्रमांक/561/न.पं./2025-26 **ई-निविदा आमंत्रण सूचना** खोंगापानी, दिनांक 01/09/2025
एकीकृत प्रजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो से निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सिस्टम टेंडर नं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	अमानत राशि (रू. लाख में)	निविदा प्रपत्र शुल्क	समय सीमा	फिजिकल लिफाफा जमा करने की अंतिम तिथि
1	174671	Design, Construction, Testing, Commissioning of All The Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) Work Including 05 Years of Operation and Maintenance of The Entire System in Nagar Panchayat, Khongapani under SBM 2.0 (3rd call)	Rs 463.04	Rs 2.32	Rs. 10000 (Rupees Ten thousand only) in the Form of DD in favour of Chief municipal officer, Nagar panchayat khongapani	Construction Period-15 Months(in cluding Rainy season)+ 03 month of trial run from the date of issuing of work order)	15-09-2025

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी ई–प्रावयोरमेंट वेब पोर्टल http//eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट www.uad.cg.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है एवं कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में आकर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।
मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत खोंगापानी, जिला-मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पंचायत धरमजयगढ़ जिला रायगढ़ (छ.ग.)
कमांक / 307 / नं.पं. / लो.नि.वि./2025-26 धरमजयगढ़, दिनांक 01/09/2025
// ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना //
नगर पंचायत धरमजयगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सि. नि. क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि रू. (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1.	174682	EXTENSION AND CONSTRACTION OF TRANSPORTING FACILITY IN BUS STAND AT N.P.DHARAMJAIGARH	98.03	24-09-2025
2.	174689	SELECTION PLACEMENT AGENCY FOR SUPPLY OF LABOUR OF DIFFERENT CATEGAORIES HIGH SKILLED, SKILLED, SEMI SKILLED AND UNSKILLED	79.00	24-09-2025

उपरोक्त निर्माण कार्य / प्लेसमेंट श्रमिक प्रदाय की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।
मुख्य मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत धरमजयगढ़

प्रथम पृष्ठ का शेष

छलका मोदी का ....

दिल्ली में एक सभा को संबोधित करते हुए ये टिप्पणियां कीं। उन्होंने कांग्रेस सहयोगी राजद पर हमला करते हुए कहा कि लालू प्रसाद की पार्टी महिलाओं से बदला लेना चाहती है क्योंकि बिहार में उसकी सरकार उन्हीं की वजह से सत्ता से बाहर हुई थी। मोदी ने कहा, माताओं को अपशब्द कहने वाले लोगों की सोच यही होती है कि महिलाएं कमजोर होती हैं। मेरी मां को अपशब्द कहना बिहार की बेटियों और बहनों का अपमान है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने हमेशा महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए काम किया है। मोदी ने राज्य में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को सस्ती ब्याज दरों पर आसानी से धनराशि उपलब्ध कराने के लिए 'बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ लिमिटेड' नामक सहकारी संस्था का डिजिटल माध्यम से उद्घाटन किया। उन्होंने इस नयी सहकारी संस्था के बैंक खाते में 105 करोड़ रुपए हस्तांतरित करते हुए कहा कि यह संस्था बिहार में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी ग्रामीण महिलाओं के उद्यमिता कौशल को बढ़ावा देगी।

घर में घुसे नकाबपोश ....

एक बेटी है, जो शादी के बाद गांव में ही ससुराल गई है। घर के प्रथम तल को वृद्ध ने एक परिवार को किराए पर दिया हुआ है। घर में वृद्ध दंपति अकेला रहता है। सोमवार की रात्रि दंपति खाना खाकर घर में सो रहा था। इसी दौरान आधी रात के सन्नाटे में तीन अज्ञात नकाबपोश बाड़ी के रास्ते पीछे गेट से घर में घुसे और दंपति को जगाकर दोनों के हाथ-पैर बांध दिए। उसके बाद एक नकाबपोश ने वृद्ध से रुपए-जेवर निकालने के लिए कहा। वहीं दूसरा नकाबपोश बंधक वृद्धा के गले में चाकू रख शोर करने पर गला काट देने धमकाता रहा।

युवक ने नानी को मार डाला ....

उपचार के दौरान नानी लखंतीन की मौत हो गई। वहीं गंभीर रूप से घायल पूर्णिमा ध्रुव का आईसीयू में उपचार जारी है। कोतवाली पुलिस ने रात्रि में ही आरोपी लोमन ध्रुव को घर से ही गिरफ्तार कर लिया है।

पारधी गैंग ने ....

सामान जब्त कर लिया। दरअसल, एक टूर के दौरान छत्तीसगढ़ के रायपुर में पदस्थ ट्रैफिक कॉन्स्टेबल मयंक खूटे की पहचान खंडवा के पारदी गैंग के सदस्य से हुई थी। उसने कॉन्स्टेबल को घर की खुदाई में सोना मिलने की बात बताई और एक किलो सोने को सस्ते में खरीदने के लिए कॉन्स्टेबल को खंडवा बुलाया। शनिवार रात कॉन्स्टेबल अपने भाई और एक अन्य कर्मचारी के साथ खंडवा पहुंचे। उन्हें सोना लेने के लिए हरदा जिले की सीमा से सटे हरसूद क्षेत्र में बुलाया गया। यहां पारदी गैंग के चार लोगों ने कॉन्स्टेबल को सोना नहीं दिया, लेकिन उनके पास 17 लाख रुपए से भरा बैग लूट लिया।

नक्सलियों ने की ....

पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। नक्सलियों ने जिन ग्रामीणों की हत्या की, उनके नाम पदाम पोज्जा व पदाम देवेंद्र बताया जा रहा है। जिन पर पुलिस मुखबिरी का आरोप लगाकर हत्या की गई। वहीं दो अन्य ग्रामीणों की बेरहमी से पिटाई कर छोड़ देने की खबर भी मिल रही है।

केरलापाल एरिया कमेटी ....

जिम्मेदार बताया गया है। पर्चे में बताया गया है कि दोनों मल्ला देवा के मुखबिर थे। अप्रैल-2010 को तथा अन्य दिनों में मल्ला देवा को सूचना देकर हमें नुकसान पहुंचाने की कोशिश किए जाने की बात पर्चे में लिखा है। पर्चे में यह भी लिखा है कि दोनों वर्ष 2022 से मल्ला देवा के सम्पर्क में आकर मुखबिरी का काम कर रहे थे।

तबाही की रिपोर्ट, पांच की ....

का जायजा लिया था। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक बस्तर संभाग के जिलों बीजापुर,बस्तर, सुकमा और दंतेवाड़ा में 26 और 27 अगस्त को बारिश का कहर बरपा है। इन जिलों की तहसीलों भैरमगढ़, लोहांडीगुडा, तोकापाल, दरभा, सुकमा, कोंटा, छिंदगढ़, दंतेवाड़ा, कुआकोंटा बारसूर और गीदम में बाढ़ का सबसे अधिक असर हुआ है। इन तहसीलों के कुल मिलाकर 25 गांवों में भारी आपदा बरसी है। नतीजतन यहां 5 लोगों की मौत हो गई। सुकमा और गीदम में 17 पशु भी मारे गए।

43 राहत शिविर बनाए गए....

ठहराए गए पीड़ितों के लिए इंतजाम किए जा रहे हैं। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग अभी भी वहां मुस्तैदी से काम करते हुए सतत संपर्क बनाए हुए हैं। संकट से निपटने के लिए आपदा मित्रों की मदद ली जा रही है।

बोगर के भगवान...

अनुसार 1940 दशक में विनायक भूपटकर इस क्षेत्र के चार गांव के मालगुजार थे और उनके पिता रामकृष्ण भूपटकर संबलपुर के तहसीलदार थे, वे भगवान गणेश के परम भक्त थे। तहसीलदार के बेटे विनायक भुपटकर ने ग्राम बोगर में अपने पिता की आस्था को देखते एक चबूतरा बनाकर भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करवाया। मूर्ति कहां से लाई गई, इसकी जानकारी गांव में किसी के पास नहीं है। क्षेत्र में लोगों में भगवान गणेश के प्रति आस्था थी। भूपटकर परिवार के अलावा अन्य लोगों ने भी भगवान गणेश को जमीन दान में दी।

पुतरवाही में 30, कराठी...

बताया जाता है इस प्रतिमा को लाने 7 किमी दूरी तय करने में 10 बैलगाड़ियां टूट गई थी, जहां मूर्ति रखी है, वहीं पर ही स्थापित हो गई। उसके बाद प्रतिमा को हिलाया नहीं जा सका। पहले यहां एक झोपड़ीनुमा मंदिर था, जिसे बाद में भव्य रूप दिया गया। भगवान गणेश के नाम की जमीन पर क्षेत्र के किसानों को फसल लगाने के लिए दिया जाता है और उससे जो आय होती है, उसी से मंदिर का संचालन होता है।

पत्थर लाने टूटी थीं...

मंदिर के रहे पुजारी की माने तो निसंतानों की मनोकामना इस मंदिर में पूरी होती है। मंदिर में छत्तीसगढ़ सहित मध्यप्रदेश, ओडिशा, राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश सहित अन्य प्रदेशों के लोग भी दर्शन करने आते हैं। बोगर के पश्चिम में दुर्गूकोंदल तहसील, उत्तर में डोंडी तहसील, उत्तर में दल्ली-राजहरा तहसील और पश्चिम में मानपुर (टीडी) तहसील से घिरा हुआ है।

हिमाचल-पंजाब में कहर...

फंसे हुए हैं। यह राजमार्ग हिंदुस्तान-तिब्बत मार्ग के नाम से भी जाना जाता है। धरमपुर-कसौली सड़क भी अवरुद्ध होने का खतरा है। 'द ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के मुताबिक, मंडी और कुल्लू में 2,000 से ज्यादा वाहन फंसे हैं। इससे यात्रियों और पर्यटकों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले...

ले आते हैं। तब तक याचिका खारिज न की जाए। हाईकोर्ट ने इसे स्वीकार किया याचिकाकर्ता को समय देते हुए अगली सुनवाई तीन हफ्ते बाद रखी है। ध्यान रहे कि कांग्रेस के कार्यकर्ता बसदेव चक्रवर्ती की ओर से अधिवक्ता अभ्युदय सिंह ने जनहित याचिका में मंत्रिमंडल में 14 मंत्री बनाए जाने को असंवैधानिक बताते हुए याचिका दायर की है। इसमें सामान्य प्रशासन विभाग, मुख्यमंत्री समेत सभी 14 मंत्रियों को पक्षकार बनाया गया। पिछली सुनवाई शुक्रवार को हुई थी। उस दौरान बताया गया था कि मंत्रिमंडल के सदस्यों के अनुपात में नियमों के अनुसार केवल 13 मंत्री हो सकते हैं। छत्तीसगढ़ में 90 विधानसभा सीटों की तुलना में 14 मंत्री बनने पर 15 प्रतिशत की सीमा क्रॉस कर गई है। यह संविधान के अनुच्छेद 164(1) का उल्लंघन है। **तीन साल पहले हुई थी मामले की सुनवाई-** याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने इस पर आपत्ति की और कहा कि वह मामला इन्फ्रकचस (खारिज) हो गया है। शासन की ओर से कहा गया कि यह इन्फ्रकचस (खारिज) नहीं हुआ है। चीफ जस्टिस ने पूछा कि इस मामले में अंतिम सुनवाई कब हुई थी तो बताया गया कि 22 जुलाई 2020 को अंतिम बार प्रकरण लगा था लेकिन उसमें खारिज करने संबंधी कोई आदेश जारी नहीं हुआ है और यह मामला अभी भी स्टैंड है। चीफ जस्टिस ने सुप्रीम कोर्ट के पिटीशन और लास्ट ऑर्डर का अवलोकन किया और कहा कि हां वहां से मामला खारिज नहीं हुआ। सरकारी अधिवक्ताओं ने याचिकाकर्ता के अधिवक्ता को बताया कि यह वही मामला है जिसे लड़ रहे हैं।

याचिकाकर्ता ने पेश किया...

प्रकाशित खबर की फोटो और पेपर कटिंग भी हम ने संलग्न किया है। सीजे ने पूछा कि इसमें आपने याचिकाकर्ता क्या करते हैं कि जगह उनका पता लिख रखा है। इसके बाद चीफ जस्टिस ने कहा कि खैर जाने दीजिए जो भी करते हैं।

शाह से मिले सीएम...

के गृह मंत्री विजय शर्मा भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री साय ने बताया कि दिसंबर 2023 से अब तक सुरक्षा बलों की आक्रामक कार्रवाई के परिणामस्वरूप 453 माओवादी न्यूट्रलाइज किए गए हैं। इसी अवधि में 1616 माओवादियों की गिरफ्तारी तथा 1666 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। राज्य में 65 नए सुरक्षा कैंप स्थापित किए गए हैं और सड़क, पुल-पुलिया तथा मोबाइल नेटवर्क जैसी आधारभूत सुविधाओं का तेजी से विस्तार हुआ है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री श्री साय ने बस्तर में हाल ही में आई बाढ़ की गंभीर स्थिति पर भी चर्चा की। उन्होंने गृह मंत्री को राहत और पुनर्वास कार्यों की प्रगति से अवगत कराया और बताया कि प्रभावित इलाकों में प्रशासन लगातार राहत सामग्री पहुँचाने, स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने और विस्थापित परिवारों के लिए सुरक्षित आश्रय की व्यवस्था करने में जुटा है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि बाढ़ प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद पहुंचाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए विशेष पैकेज तथा अतिरिक्त संसाधन भी जुटाए जा रहे हैं। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कर्रेगुट्टा पहाड़ी पर 21 दिनों तक चले सबसे लंबे नक्सल ऑपरेशन में शामिल जवानों का सम्मान किया। इस अभियान में सुरक्षा बलों ने 31 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज किया था और घायल जवानों से मुलाकात कर उनका मनोबल भी बढ़ाया। यह अभियान छत्तीसगढ़ और तेलंगाना की सीमा पर अप्रैल-मई माह में चलाया गया था। इसे नक्सलियों पर अब तक की सबसे बड़ी चोट माना जा रहा है, क्योंकि बीजापुर जिले की कर्रेगुट्टा की पहाड़ियां नक्सलियों का सबसे सुरक्षित गढ़ मानी जाती थीं। लेकिन इस ऑपरेशन के बाद सुरक्षाबलों का वहां कब्जा हो गया और नक्सलियों को पीछे हटना पड़ा।

चिल्फीघाटी में 20 किमी...

आमदरफ्त वाला रायपुर-जबलपुर मार्ग में जाम लगा गया। जाम लगने के बाद देखते ही देखते मार्ग के दोनो और सैकड़ों छोटी-बड़ी गाड़ियां फंसकर रह गई। यहां तक ही करीब 20 किलो मीटर के इस लम्बे जाम में यात्री बसो से लेकर एंबुलेंस जैसी इमरजेंसी सेवाओं में लगी वाहन भी फंसकर रह गई। जिससे यात्रियों के साथ ही मरीजों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

मोदी, पुतिन और शी...

प्रदर्शन' के बारे में पूछे जाने पर नवारो ने सोमवार को अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में पत्रकारों से कहा, 'यह चिंताजनक है, बहुत चिंताजनक है। ट्रंप प्रशासन के व्यापार और विनिर्माण मामलों के वरिष्ठ सलाहकार ने कहा, "दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता मोदी का दो सबसे बड़े तानाशाहों, पुतिन और शी चिनफिंग, के साथ देखा जाना बेहद शर्म की बात है। इसका कोई मतलब नहीं है। नवारो की ये टिप्पणियां और मोदी, पुतिन व शी चिनफिंग के बीच दिखी घनिष्ठता ऐसे समय में सामने आई है, जब भारत और अमेरिका के रिश्ते पिछले दो दशकों के सबसे नाजुक दौर से गुजर रहे हैं। व्यापार और शुल्क (टैरिफ) पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के कारण वाशिंगटन और नयी दिल्ली के बीच रिश्तों में गिरावट आने के बाद नवारो पिछले कुछ दिनों से लगातार भारत को निशाना बना रहे हैं। नवारो ने कहा, मुझे समझ नहीं आता कि प्रधानमंत्री मोदी के मन में क्या है, खासकर तब जब भारत पिछले कई दशकों से चीन के साथ कभी शीत युद्ध तो कभी सीधे संघर्ष की स्थिति में रहा है। हम उम्मीद करते हैं कि भारतीय नेता यह समझेंगे कि उन्हें रूस के साथ नहीं, बल्कि हमारे, यूरोप और यूक्रेन के साथ होना चाहिए, और उन्हें रूस से तेल खरीदना भी बंद करना चाहिए।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग
• Hearing Aids सुनाई मशीन
• Dental/ दंत रोग
• मुख के कैंसर प्लास्टिक सर्जरी
• चक्कर, खर्राटे

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साँई बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
बाल्य रोगों व चुरना, दस्त (कृमि) के लिए विशेष लाभकारी
सुखौना टेबलेट
20 वर्षों से प्रसिद्ध 94060-21769

हरिभूमि छत्तीसगढ़ के डायग्नोस्टिक सेन्टर
THE DIAGNOSTIC CARE
दि अमेरिकन लेबोरेटरी अ सुपरस्पेस्लिटी डायग्नोस्टिक
ट्यूबरक्युलोसिस — मध्यभारत का सबसे बड़ा सुपरस्पेस्लिटी डायग्नोस्टिक
• जीनएक्सपर्ट/सीबीएनएटी (टीएटी- 12-24 घंटे) बलगम
• क्वांटिफेरॉन-टीबी गोल्ड प्लस (क्यूएफटी प्लस) (टीएटी-48 घंटे) खून
• एएफबी कल्चर (एमजीआईटी320) (टीएटी- 21-42 दिन)
पता- सीटी कोतवाली के पास, सीएसईबी ऑफिस के सामने, बुढ़ापारा, रायपुर 492007
मो. 8098518020, 9004051230, 7828184773
लैब प्लस पैथोलाजी
क्वालिटि के साथ जांच की गारंटी
सभी प्रकार के बीमारियों के लिए पैकेज उपलब्ध
पैथोलाजी जाँच के लिए पैकेज में जांच कराये व अपने पैसे बहुतायत से बचाये।
पैकेज की जानकारी के लिए सम्पर्क करे- 9039055548, 9300000989,9300000702
विज्ञापन हेतु संपर्क करें - 9303508130, 9302016344, 7909631282

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- शादी घर में देखरेख, साफ, सफाई कार्य के लिए नशामुक्त, ईमानदार, मेहनती, शिक्षित अनुभवी व्यक्ति चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार। परिवार सहित रहन की सुविधा। सम्पर्क करें- 7999043732, 7000799879, 9993450848, 9752777077 (38598)

आवश्यकता है- सरकंडा पुल के पास प्रताप चौक, सरस्वती नगर, देवकीनन्दन चौक (कम्पनी गार्डन के पास) बिलासपुर स्थित कार्यालय में सुबह 8 से 10बजे तक हिन्दी अंग्रेजी एक्सपर्ट टाइपिस्ट चाहिए सम्पर्क- 9131170372 (38568)

आवश्यकता है- बिलासपुर के प्रतिष्ठित संस्थानों हेतु भारी मात्रा में सुरक्षागार्ड, हाउस कीपिंग स्टाफ, मेस कुक, ड्राइवर हेल्पर चाहिए पता- अनुराज ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज एक्सिस बैंक के ऊपर तिफरा बिलासपुर 9981614171, 9329308515 (38596)

आवश्यकता है- सेल्स एग्जीक्यूटिव, फील्ड एग्जीक्यूटिव, टैलीकॉलिंग (बिलासपुर) एवं सेल्स एग्जीक्यूटिव (1पद मुंगेली) आवश्यकता है। इंटरव्यू सुबह 10:30 से शाम 5.30 सम्पर्क करें- वरूण सुजुकी राजीव गांधी चौक रायपुर रोड बिलासपुर 9174734567 (38599)

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में काम करने हेतु अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर, सेल्समैन की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्रीराम ट्रेडर्स, मेडिकल काम्पलेक्स तेलीपारा, बिलासपुर बायोडाटा व्हाट्सएप करें 9425219248, 9039776336 (38597)

We Are Hiring!
BHATIA ENERGY & COAL BENEFICATION PVT. LTD. (BECBPL)
Lokhandi, Bilaspur (C.G.)
Seeking experience professionals from Coal/Steel/Power industries:
- HR Manager 1 Post — Experience 6yrs
- Weigh Bridge Operator 2 Post — Experience 3yrs
- Coal Lab Chemist 1 Post — Experience 10yrs
- Store Keeper 1 Post — Experience 5yrs
- Security In-Charge 1 Post — Experience 5yrs
- Head Accountant 1 Post — Experience 8yrs
- Junior Accountant 1 Post — Experience 4yrs
- Data Entry Operator 2 Post — Experience 2yrs

Contact : Email : support@becbpl.com Phone : 6264020111

आवश्यकता है- होलसेल दवा दुकान में कम्प्यूटर आपरेटर, फिल्ड में काम करने हेतु लड़के की आवश्यकता है वेतन अनुभव एवं योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- शारदा मेडिकल एजेन्सी 35-36 मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर (38595)

आवश्यकता है- ज्वेलरी शॉप में कार्य करने के लिए अनुभवी सेल्समैन युवक, सेल्सगर्ल युवती एवं एक कार ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मंगलम ज्वेलर्स सदर बाजार बिलासपुर (38592)

आवश्यकता है- OMI Company में ऑफिस हेतु लड़के लड़कियां चाहिए योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट, उम्र 18 से 28, आय 8500 से 18000, रहना खाना, पता- न्यू बस स्टैण्ड, तिफरा बिलासपुर 8818877406, 9644433021 (38594)

Required- B.R.C.P.H.S. School kunda Kabirdham (C.G.) Requirments for the Post of P.G.T. English, Biology, T.G.T. English, Maths Qualification P.G./ Graduate+ B.Ed, dance and singing teacher, Salary 15k-30k Note 2-3Yrs Ex. in English Medium School Contact- 9826773333 (38600)

आवश्यकता है- ऑफिस सामान्य कार्य हेतु युवती वेतन 8000, हिन्दी टाइपिंग, कम्प्यूटर जानकार युवती/युवक वेतन 10000, कार ड्राइवर 12000 समय- सुबह 9.30 से 8 तक पता- JBS होम कंस्ट्रक्शन हेमू नगर मुर्राभटठा मेन रोड तोरवा 9300000194, 9300000195 (38593)

भर्ती सूचना
SOLAR PROJECTS
हमारी कंपनी को रायगढ़ (छत्तीसगढ़) निम्न पदों के लिए योग्य उम्मीदवारों की आवश्यकता है:
- Solar / Electrical Engineer (B.Tech / B.E – Electrical) अनुभव: 2 से 5 वर्ष
- Electrical Engineer (Diploma – Electrical) अनुभव: 1 से 2 वर्ष
- Electrical Technician (ITI या समकक्ष) अनुभव: फ्रेशर या 1 से 2 वर्ष

इच्छुक उम्मीदवार अपना Resume तुरंत भेजें।
Jetsor Power Systems Pvt. Ltd.
Email : lakshay@jetsor.in
Mobile : 9811800067

आवश्यकता है- कक्षा नर्सरी से 12वी तक पढ़ाने हेतु अनुभवी/ फ्रेशर महिला टीचर्स एवं सफाईकर्मी चाहिए सम्पर्क करें- सुबह 9 से दोप. 2बजे, संस्कार स्कूल, स्वास्थ्य केन्द्र के सामने, उसलापुर 7440549466, 9691259615 (38585)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु लड़को की जरूरत है आयु 20 से 27 होनी चाहिए वेतन 10000 से 12000 सीधी भर्ती बिना किसी फीस के केवल छत्तीसगढ़ वालो के लिए सम्पर्क करें- 8171500513,6387630593 (366)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रॉनिक दुकान में काम करने के लिए लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- गोविन्द इलेक्ट्रॉनिक बुधवारी बाजार बिलासपुर 8827409000 (38591)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28वर्ष के अविवाहित लड़कों की अवश्यकता है जो म.प्र. उज्जैन में रहकर काम कर सके योग्यता 10वी, 12वी, स्नातक पास सैलरी 10000+ कमिशन बोनस+ रहना फ्री ज्वाइनिंग के बाद कमाए 15000 से 20000 सम्पर्क करें-9630773028 9993044523 (411)

आवश्यकता है- रियल एस्टेट में काम करने हेतु ऑपरेटर एवं मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव की आवश्यकता है आकर्षक वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्रीजी बिल्डकॉन द्वितीय तल अम्बे ट्रेड सेन्टर लिंकरोड बिलासपुर 9302716061 (38589)

आवश्यकता है- अम्माजी ट्रेडर्स में कलेक्शन कार्य के लिए लड़के की आवश्यकता है बाइक अनिवार्य सम्पर्क करें- 9699991449 (38566)

आवश्यकता है- हाईकोर्ट अधिवक्ता आफिस में पुरुष, महिला अधिवक्ता की आवश्यकता है। उम्र- 20 से 32 वर्ष, योग्यता- एलएलबी, मासिक सैलरी 7000 (अच्छा काम करने पर सैलरी बढ़ा दी जाएगी) सम्पर्क करें-7024597788 (38543)

आवश्यकता है- आईसीयू में काम करने के लिए अनुभवी बीएससी/ जीएनएम नर्सिंग स्टाफ,वार्ड के लिए वार्ड ब्वॉय हाऊस कीपिंग स्टाफ की आवश्यकता है सम्पर्क करें- श्री मंगला हॉस्पिटल नेहरू नगर बिलासपुर 9589665646 (38586)

आवश्यकता है- पेस्ट कंट्रोल कार्य हेतु युवकों की आवश्यकता है वेतन 10000 तिफरा सम्पर्क करें- 9522601634, 8982080720 (38578)

आवश्यकता है- हेन्डलुम कपड़े (परदा, चादर, सोफा कवर) दुकान में कार्य हेतु लड़के लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्रीराम क्लाथ मार्केट अग्रसेन चौक बिलासपुर 9300088840, 9826174433 (38579)

आवश्यकता है- फील्ड ऑफिसर, काउंसलर, टेलीकॉलर एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है वेतन 8000 से 20000 सम्पर्क करें- शीला शिखर कॉम्प्लेक्स, अशोक नगर चौक के पास सीपत रोड, सरकंडा बिलासपुर 9244110169, 6267598299 (38577)

आवश्यकता है- भारतीय नगर में घर में खाना बनाने और दिन भर रहने के लिए लड़की/ महिला की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9893168448 (38582)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य की आवश्यकता 10वी 12वीं पास छात्रों के लिए जो कानपुर में रह कर काम कर सके वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस+ प्रमोशन+ रेल ट्रेनिंग के बाद कमाए 15000 से 20000 महीना सम्पर्क करें- 8770508791, 7225815090 (375)

आवश्यकता है- खमरिया काठाकोनी में बगीचे की देखरेख करने के लिए अनुभवी माली की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 8754507712, 7987309303 (38569)

आवश्यकता है- घर में 24घंटे रह कर चौकीदार की आवश्यकता है जो घर की देखभाल एवं अन्य कार्य कर सके रहने की सुविधा उपलब्ध सम्पर्क- बलराम टॉकीज के पीछे नेहरू नगर बिलासपुर 9826765706 (38572)

आवश्यकता है- दवाई दुकान में काम करने हेतु अनुभवी कर्मचारी की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- गोयल मेडिकल स्टोर सिम्स गेट के सामने बिलासपुर 9303112340, 9300674797 (38573)

आवश्यकता है- अर्जेंट भर्ती वन सुरक्षा को जिला अनुसार लड़के लड़कियों की आवश्यकता पद संख्या 790 वन रक्षक, फील्ड ऑफिसर, माली, वन सिपाही, सैलरी 27500+ 56500 पढ़ाई 8वी से स्नातक रहना+ खाना की सुविधाएं आवेदन करने हेतु आधार कार्ड मार्क शीट फोटो व्हाट्सएप करे- सचिन शर्मा 7054311719 (1125)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 10वी, 12वीं पास लड़कों जो कानपुर उ.प्र. में रह कर काम कर सके सैलरी 10000+ कमीशन+ बोनस+ प्रमोशन+ रेल किराया आवास फ्री ट्रेनिंग के बाद कमाए 15 से 30000 महीना सम्पर्क करें- 7225815090, 8770508791 (246)

आवश्यकता है- पेन्सिल पेन रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है सम्पर्क करें- 8873762120 (589)

आवश्यकता है- होलसेल कपड़ा दुकान में कार्य करने हेतु एवं सेल्समैन, रेडिमेड शोरूम में सेल्समैन सेल्सगर्ल की आवश्यकता है सम्पर्क करें- हीरा ट्रेडिंग कम्पनी श्रीराम क्लॉथ मार्केट अग्रसेन चौक बिलासपुर 9827112950, 8319617107 (38542)

अवश्यकता है- दुकान में कार्य करने के लिए अनुभवी लड़कों एवं रिक्शा चालक की आवश्यकता है पेमेंट भरपुर मात्रा में सम्पर्क करें- नैतिक ट्रेडर्स, सरजू बगीचा बिलासपुर 7711006641 (38511)

आवश्यकता है- नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो सम्पर्क करें- 9202613238, 9229187457 (1113)

आवश्यकता है- मॅट्रिमोनी में कार्य करने हेतु लड़की व महिलाओं की आवश्यकता है वेतन 6000+ कमीशन सम्पर्क करें- नगर निगम कॉलोनी महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 8839003597, 9424145652 (245)

आवश्यकता है- ऑफिस में कार्य हेतु 18से 30 वर्ष की युवतियाँ एवं महिलाएँ सैलरी 6000 +कमिशन एवं बोनस की सुविधा उपलब्ध स्थानः- रामा मॅग्नेटो मॉल के पास विद्यानगर इच्छुक उम्मीदवार तुरंत संपर्क 9450676323 (255)

आवश्यकता है- इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु 18-30वर्ष, 10वी, 12वी, ग्रेजुएट लड़के चाहिए वेतन 10000+ कमीशन बोनस के साथ कमाए 15000 से 20000 रहना फ्री+ गाड़ी किराया कोई शुल्क नहीं लगेगा सम्पर्क करें- 7611101133 (412)

बेचना

बेचना है- प्रथम हॉस्पिटल के सामने गीतांजलि सिटी फेस-1 सरकंडा में 23×75 और 22×75 के दो प्लॉट डायवर्टेड एकमुश्त या टुकड़ों में बेचना है सम्पर्क करें- 9827110714, 7999481154 (38567)

बेचना है- रायपुर रोड में बिलासपुर हाईकोर्ट के सामने, एयरपोर्ट रोड, मेन रोड से 50मी. अन्दर 50×200 वर्गफीट व्यावसायिक डायवर्सन बाउन्ड्रीवाल, कार शोरूम, आटोमोबाईल, होटल एवं अन्य व्यावसायिक उपयोग हेतु उपयुक्त प्लाट बेचना है। सम्पर्क करें-9300310774 (38590)

बेचना है- आर्या कॉलोनी तिफरा स्थित 3 मंजिला 4BHK स्वतंत्र मकान स्वयं का बोर सहित सर्व सुविधा युक्त मकान बेचना है (व्हाट्स पर वीडियो फोटो उपलब्ध) सम्पर्क करें- 9479170222, 9329407603 (38571)

बेचना है- मोपका सेंदरी बायपास रोड पर बिरला ओपन माइंड हायर सेकेण्डरी स्कूल, वाटर पार्क के आगे नगोई बिलासपुर में 90 फीट फ्रंट में 11336 वर्गफिट एवं लोयला स्कूल रोड बिलासपुर में 80×130 का प्लाट बेचना है सम्पर्क करें- 8305090000 (247)

किराया

किराया- फ्लैट किराये पर देना है ग्रीन गार्डन (नीलगिरी अपार्टमेंट) मुंगेली रोड में 3 बेडरूम, सर्वेंट क्वार्टर, नव पुनर्निर्मित सर्वसुविधायुक्त फ्लैट। बैंक अधिकारी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 7023445244 (38576)

आपके सपनों का आशियाना जल्द होगा आपका... पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड सब कुछ है यहां

सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल कामलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

खबर संक्षेप

वीनस महिला युगल के क्वार्टर फाइनल में

न्यूयॉर्क। अमेरिकी धुरंधर वीनस विलियम्स ने लैला फर्नांडिज के साथ अमेरिकी ओपन महिला युगल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। वीनस ने अपनी छोटी बहन सेरेना से कहा है कि वह उनका मैच देखने आये। वीनस और लैला ने 12वीं वरीयता प्राप्त एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा और झांग शुआइ को 6-3, 6-4 से हराया। अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा से होगा।

प्रणव ने रिकॉर्ड प्रदर्शन के साथ जीत दर्ज की

फुजैरा। विश्व जूनियर चैम्पियन प्रणव वेंकटेश ने स्पेन के ग्रैंडमास्टर

एलेन पिचोट को हराकर फुजैरा ग्लोबल सुपरस्टार्स शतरंज टूर्नामेंट जीत लिया। प्रणव ने नौ में से सात अंक बनाये और अमेरिका के ब्रैंडन जैकबसन, मैक्सिको के जोस एडुआर्डो मार्तिनेज और ईरान के अमीन टाबाटाबाइ से एक अंक आगे रहे। अठारह वर्ष के प्रणव ने नौ दौर के टूर्नामेंट में एक भी पराजय का सामना नहीं किया। उन्होंने पांच जीत दर्ज की जबकि चार मुकाबले ड्रॉ रहे। इस प्रदर्शन के साथ उन्हें 23000 डॉलर और 28 ईएलओ रेटिंग अंक मिले। अब वह उजबेकिस्तान के समरकंद में ग्रैंड स्विस टूर्नामेंट खेलेंगे। वहीं ग्रैंडमास्टर आदित्य मित्तल और शीर्ष वरीयता प्राप्त ग्रैंडमास्टर निहाल सरीन 5.5 अंक लेकर संयुक्त पांचवें स्थान पर रहे।

आसिफ अली ने क्रिकेट से की संन्यास की घोषणा

लाहौर। पाकिस्तान के सीमित ओवरों के मध्यक्रम के बल्लेबाज आसिफ अली ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। फैसलाबाद के इस 33 साल के खिलाड़ी ने 2021 और 2022 में टी20 अंतरराष्ट्रीय विश्व कप और 2019 में इंग्लैंड में पुरुष वनडे विश्व कप में भी अपने देश का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने पाकिस्तान की जर्सी पहनने को अपने पेशेवर करियर का 'सबसे गौरवपूर्ण अध्याय' करार दिया।

मिचेल स्टार्क ने टी20 क्रिकेट को कहा अलविदा, टेस्ट और वनडे प्रारूप में खेल रखेंगे जारी

एजेंसी ▸▸ ब्रिसबेन

आस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने टेस्ट और टी20 प्रारूप में अपने कैरियर को विस्तार देने के लिये टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। इस मौके पर उन्होंने यह स्पष्ट किया कि वह टेस्ट और वनडे प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करना जारी रखेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि बचे हुए करियर में टेस्ट प्रारूप में खेलना उनकी प्राथमिकता होगा।

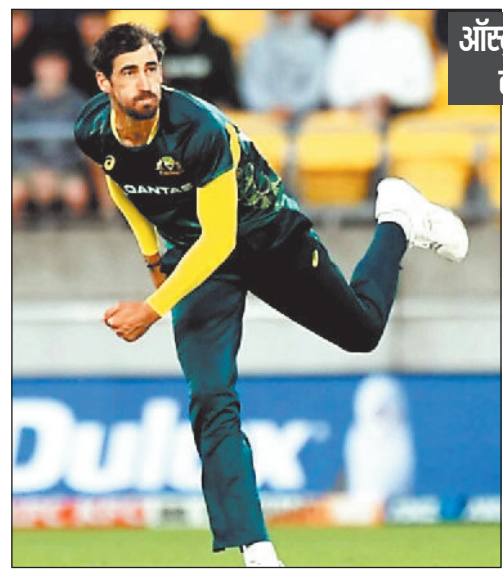

ऑस्ट्रेलिया से सर्वाधिक विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज

स्टार्क ने साल 2012 में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज किया था। 13 वर्ष के लंबे अपने करियर में उन्होंने 65 मैच में 79 विकेट अपने नाम किए। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/20 का रहा। वह टी-20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक विकेट लेने वाले ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज रहे। दूसरे सर्वाधिक विकेट वाले कंगारू तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड (73) हैं।

ओपनिंग गेंदबाज के रूप में चटकाए सर्वाधिक विकेट

स्टार्क ओपनिंग गेंदबाज यानी मैच का पहला या दूसरा ओवर फेंकने वाले खिलाड़ी के रूप में सर्वाधिक विकेट लेने वाले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हैं। स्टार्क ने 48 मैचों में पहले ओवर और 12 मैचों में दूसरे ओवर में गेंदबाजी करते हुए कुल 73 विकेट लिए। विश्व के गेंदबाजों में टिम साउथी (127) इस सूची में शीर्ष पर हैं।

एक ओवर में 29 रन का अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज

टी-20 विश्व कप 2024 में भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ सुपर-8 के मुकाबले में स्टार्क के नाम पर एक अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज हुआ था। दरअसल, स्टार्क ने अपने पहले और भारत की पारी के तीसरे ओवर के दौरान कुल 29 रन खर्च किए थे। वह टी-20 विश्व कप के इतिहास में ऑस्ट्रेलिया की ओर से सबसे महंगा ओवर फेंकने वाले गेंदबाज हैं। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने उस ओवर में 4 छक्के और 1 चौका लगाया था।

टी-20 विश्व कप जीत चुके हैं स्टार्क

ऑस्ट्रेलिया ने 2021 में टी-20 विश्व कप का खिताब जीता था। यह कंगारू टीम का टी-20 प्रारूप में पहला आईसीसी खिताब था। उस विश्व विजेता टीम में स्टार्क भी अहम सदस्य थे। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने उस संस्करण में अपने सभी 7 मैचों में हिस्सा लिया था, जिसमें कुल 9 विकेट लिए थे। फाइनल में स्टार्क ने खराब प्रदर्शन किया था।

सेमीफाइनल मैचों का सीधा प्रसारण नहीं, फाइनल का होगा

दलीप ट्रॉफी 2025: सेमीफाइनल के मुकाबले कल से फाइनल में पहुंचने चार टीमों के बीच होगी रोमांचक जंग

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

दलीप ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले 4 से 7 सितंबर तक बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले जाएंगे। नॉर्थ जोन और सेंट्रल जोन ने रविवार को क्वार्टर फाइनल मैचों में पहली पारी में बढ़त हासिल करने के बाद इस चरण के लिए क्वालीफाई किया है। अब उनका मुकाबला वेस्ट जोन और साउथ जोन से होगा, जो पिछले साल के फाइनलिस्ट होने के कारण सीधे इस चरण में पहुंची हैं।

नॉर्थ और सेंट्रल जोन ने बनाया दबदबा

नॉर्थ जोन ने ईस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में पहली पारी में मिली 175 रनों की बढ़त से अगले चरण में प्रवेश किया। टीम के कप्तान अंकित कुमार, यश ढुल और आयुष बदोनी ने शतक जड़े। औकीब नबी ने हैट्रिक हासिल की। सेंट्रल जोन ने भी नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ पहली पारी में मिली 347 रन की बढ़त के आधार पर सेमीफाइनल में जगह बनाई। दानिश मालेवार (203), रजत पाटीदार (125) और शुभम शर्मा (125) ने शतक जड़े।

ऐसा है सेमीफाइनल का शेड्यूल

सेमीफाइनल मैचों में नॉर्थ जोन का मुकाबला साउथ जोन से सीओई ग्राउंड 1 पर होगा, जबकि वेस्ट जोन का मुकाबला सेंट्रल जोन से ग्राउंड 2 पर होगा। दलीप ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल मैचों का सीधा प्रसारण नहीं किया जाएगा। इस टूर्नामेंट के केवल फाइनल मुकाबले की ही लाइव स्ट्रीमिंग की जाएगी। हालांकि, प्रशंसक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर दोनों मैचों का लाइव स्कोरकार्ड देख सकते हैं।

नॉर्थ और साउथ जोन मुकाबले में इन पर रहेगी नजर

नॉर्थ जोन के औकिब नबी ने क्वार्टर फाइनल में ईस्ट जोन के खिलाफ 5 विकेट झटके हैं। उनके स्पेल में एक डबल हैट्रिक (लगातार चार गेंदों पर 4 विकेट) भी शामिल थी। बदोनी ने पहली पारी में 63 और दूसरी पारी में नाबाद 204 रन की पारी खेली। दक्षिण जोन के देवदत्त पडिक्कल बल्लेबाजी में अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने 41.39 की औसत से 2,815 प्रथम श्रेणी रन बनाए हैं। गुरजपनीत सिंह ने 2024-25 रणजी ट्रॉफी में 13 विकेट चटकाए थे।

पश्चिम और सेंट्रल जोन मुकाबले में इन पर रहेगी नजर

क्वार्टर फाइनल के पहले दिन सेंट्रल जोन के कप्तान रजत पाटीदार ने 125 रनों की तेज पारी खेली और दूसरी पारी में भी 66 रन बनाए। यश राठौड़ ने भी 2 अर्धशतकों (87 और 78) के साथ मजबूती प्रदान की। वेस्ट जोन से श्रेयस अय्यर बल्लेबाजी में अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने 2024/25 रणजी ट्रॉफी में 68.57 की औसत से 480 रन बनाए थे। यशस्वी जायसवाल के ऊपर वेस्ट जोन को बतौर सलामी बल्लेबाज बेहतर शुरुआत देने की जिम्मेदारी होगी।

टीमें इस प्रकार

वेस्ट जोन की टीम: **शार्दुल ठाकुर (कप्तान)**, यशस्वी जायसवाल, आर्या देसाई, हार्विक देसाई (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, रुतुराज गायकवाड़, जयमीत पटेल, मनन हिंगराजिया, सौरभ नवाले (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, तनुश कोटियन, धर्मेंद्रसिंह जडेजा, तुषार देशपांडे, अर्जन नागवासवाला।

साउथ जोन की टीम: **मोहम्मद अजहरुद्दीन (कप्तान)**, तन्मय अग्रवाल, देवदत्त पडिक्कल, मोहित काले, सलमान निजार, नारायण जगदीसन, त्रिपुराना विजय, तनय त्यागराजन, विजयकुमार वैश्यक, निधिश एमडी, रिकी भुई, बासिल एनपी, गुरजापनीत सिंह, स्नेहल कौथंकर, अंकित शर्मा, शेख रशीद।

नॉर्थ जोन की टीम: **अंकित कुमार (कप्तान)**, शुभम खजूरिया, आयुष बदोनी, यश ढुल, अंकित कलसी, निशांत संधू, साहिल लोत्रा, मयंक डागर, युद्धवीर सिंह चरक, अंशुल कंबोज, औकिब नबी, कन्हैया वधावन।

सेंट्रल जोन की टीम: **ध्रुव जुरेल (कप्तान/विकेटकीपर)**, रजत पाटीदार , आर्यन जुयाल, दानिश मालेवार, संजीत देसाई, आदित्य ठाकरे, दीपक चाहर , सारांश जैन, आयुष पांडे, शुभम शर्मा, यश राठौड़, हर्ष दुबे, मानव सुथार, खलील अहमद।

एशिया कप हॉकी

पांच बार की चैंपियन कोरिया से भारत का मुकाबला आज

एजेंसी ▸▸ राजगीर

पूल चरण में अपराजेय रहने के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय हॉकी टीम को एशिया कप सुपर 4 चरण के मुकाबले में आज बुधवार को पांच बार की चैम्पियन और पिछली विजेता कोरिया के खिलाफ अपने खेल में सुधार करना होगा।

भारतीय टीम पूल ए में सारे मैच जीतकर सुपर 4 में पहुंची है। उसने चीन को 4-3 से, जापान को 3-2 और कजाखस्तान को 15-0 से हराया। भारतीय कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा हमारी टीम आत्मविश्वास से भरी है। खिलाड़ी लय में है और हम यही चाहते हैं। सुपर 4 के मैच शाम को 7.30 बजे से होंगे जिससे प्रदर्शन बेहतर रहने की उम्मीद है।

सुपर चरण 4 सभी टीमों की नई शुरूआत

सुपर 4 चरण हालांकि सभी टीमों (भारत, कोरिया, चीन और मलेशिया) के लिये नयी शुरूआत होगी। सभी टीमें एक दूसरे से खेलेंगी और शीर्ष दो रविवार को फाइनल में जगह बनायेंगी। एशिया कप बेल्जियम और नीदरलैंड में 14 से 30 अगस्त तक होने वाले विश्व कप में सीधे जगह बनाने का मौका है। सुपर 4 चरण के दूसरे मैच में मलेशिया का सामना चीन से होगा ।

इस प्रकार हैं दोनों की टीमें

भारत : सूरज करकेरा, कृशन बी पाठक (गोलकीपर) हरमनप्रीत सिंह (कप्तान) , अमित रोहिदास , जरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय, जुगराज सिंह , मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, राजिंदर, राज कुमार पाल , हार्दिक सिंह, मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा और दिलप्रीत सिंह।

कोरिया : डी अंग (गोलकीपर), जिहुन यांग, चियोलियोन पार्क, जिनकांग रिम, डेन सोन, जुंगजुन ली (कप्तान), जोंगसुक बाए, सियोग ओह, जेवोन सिम, सुंगह्युन बाएक, सूंग मिन बाए, जाएहान किम, जियोनहो जिन, हियोनहोंग किम, सियुंगवू ली, मिन सू चियोन, यूनहू कोंग, येसियुंग ली।

भारत के खिलाफ वनडे और टी-20 सीरीज से बाहर हुए पैट कमिंस- ब्रिसबेन। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज पैट कमिंस अक्टूबर-नवंबर में भारत के खिलाफ होने वाली वनडे और टी-20 सीरीज से बाहर हुए हैं।

राशिफल

मेष संगीत में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विदेश जाने के योग बन रहे हैं। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें।

वृष खर्चों की अधिकता रहेगी। कला एवं संगीत में रुचि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी सम्पति से आय के साधन बन सकते हैं।

मिथुन शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। पठन-पाठन में रुचि बढ़ सकती है। परिवार में आपसी वाद-विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। उच्च शिक्षा के लिए विदेश प्रवास हो सकता है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा।

सिंह कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या कार्यभार में वृद्धि होगी। बौद्धिक कार्यों से धन प्राप्त होगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध के अतिरेक से बचें। बातचीत में संतुलन बनाकर रखें।

तुला लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

वृश्चिक संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। खर्च भी बढ़ेंगे।

धनु स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।

मकर आलस्य की अधिकता हो सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ क्रोध से बचें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। बातचीत में संयत रहें। पठन-पाठन में रुचि रहेगी।

मीन किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

राशिद ने रचा इतिहास, बने टी-20 में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज

एजेंसी ▸▸ शारजाह

अफगानिस्तान ने शारजाह में खेले गए त्रिकोणीय सीरीज के मुकाबले में यूएई को 38 रनों से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। इस मैच में कप्तान राशिद खान ने एक बार फिर कमाल दिखाया। उन्होंने तीन अहम विकेट लेकर न सिर्फ टीम को जीत दिलाई बल्कि टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा 165 विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बन गए। उन्होंने न्यूजीलैंड के टिम साउथी को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 164 विकेट लिए थे।

शानदार रहा राशिद का करियर

रिपोर्ट के अनुसार, साउथी ने 126 मैच खेले थे, जबकि राशिद अपने 98वें टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में ही उनसे आगे निकल गए। राशिद ने 2 बार पारी में 5 विकेट हॉल भी लिए हैं। उन्होंने अब तक 18 टीमों के खिलाफ मैच खेला है। इस बीच उन्होंने अफगानिस्तान के लिए कुल 163 विकेट और 2018 में लॉर्ड्स के मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ आईसीसी विश्व एकादश के लिए 2 विकेट लिए हैं। बतौर कप्तान अब उनके नाम 52 विकेट हैं।

विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर ओलंपिक की कर दी भरपाई : चिराग

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारतीय पुरुष युगल बैडमिंटन टीम के सदस्य चिराग शेट्टी ने कहा कि हाल में पेरिस में विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने से एक साल पहले इसी शहर में ओलंपिक खेलों में पोडियम तक नहीं पहुंच पाने की काफी हद तक भरपाई कर दी। चिराग और लंबे समय से उनके साथी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने पिछले सप्ताह विश्व चैंपियनशिप में पुरुष युगल का कांस्य पदक जीता।

दुनिया की नौवें नंबर की इस जोड़ी ने क्वार्टर फ़ाइनल में मलेशिया के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता आरोन चिया और सोह वूई यिक को हराकर विश्व चैंपियनशिप में अपना दूसरा पदक हासिल किया। भारत की इस जोड़ी का पहली बार विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने का सपना सेमीफाइनल में चीन की 11वीं वरीयता प्राप्त चेन बो यांग और लियू यी की जोड़ी से हार के साथ टूट गया।

सही रणनीति के खेल से मिली विजय : चिराग

चिराग ने साक्षात्कार में कहा, "मुझे लगता है कि आरोन और सोह के खिलाफ जीत निश्चित रूप से बहुत खास है। इससे यह सुनिश्चित हो गया कि अगर हम सही रणनीति के साथ खेलें तो हम किसी को भी हरा सकते हैं। हाल ही में उनके खिलाफ हमारा रिकॉर्ड बहुत अच्छा नहीं रहा था। विशेष कर ओलंपिक खेलों में जहां हमें उनके हाथों हार का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा हम ओलंपिक में उसी कोर्ट पर उनसे हार गए थे। इसलिए उनके खिलाफ जीत वास्तव में खास थी। कांस्य पदक जीतने के साथ ही सात्विक और चिराग विश्व चैंपियनशिप में एक से अधिक पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हो गए हैं। साइना नेहवाल ने विश्व चैंपियनशिप में दो जबकि पीवी सिंधू ने पांच पदक जीते हैं। उन्होंने कहा, "इस जीत से यह सुनिश्चित हो गया कि हम सही रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं।"

शब्द पहेली - 5977

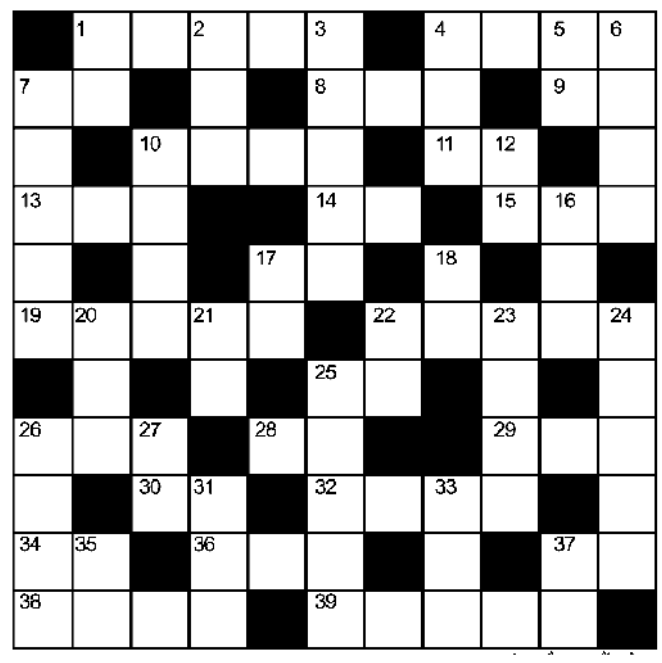

बाएँ से दाए-
1. दयालु, उदार-5
4. गगन, आकाश-4
7. सरिता-2
8. चोगा, गाऊन-3
9. छुट्टी, अवकाश-2
10. आबे हयात, काबा कूप-4
11. रिहा-2
13. खाना, भोजन करना-3
14. जिद-2
15. हिम्मत, बल-3
17. कारागार-2
19. रइसे आजम, सूरी-5
22. दुत्कारना, डांटना-5
25. सराबोर-2
26. भोर, सवेरा-3
28. मूल्य, कीमत-2
29. महीन, बहुत छोटा-3
30. फूंक, दम, सुट्टा -2
32. झंकार, प्रतिध्वनि-4
34. उष्णता, ज्वर-2
36. ओट, चिलमन-3
37. छोटा टुकड़ा-2
38. सराबोर, सना हुआ-4
39. निर्माता, रचना करने वाला-5

ऊपर से नीचे
1. कैदी, बंधक-2
2. मुलायम-3
3. यात्री पोत, तैरता होटल-5
4. उर्दू में अभिवादन-3
5. पिटाई, चोट-2
6. नाजुकता-4
7. नया जीवन-5
10. मर्यादा-4
12. खाली, रिक्त-2
16. लाईन, पंक्ति-3
17. गर्मी का महीना-2
18. उदर-2
20. दीनहीन, दरिद्र-3
21. लश्कर, फौज-2
22. नष्ट, अद्वैतभाव-2
23. व्यवसाय, धंधा-4
24. नाम रखना -2,3
25. होशियार-5
26. सुर आलाप-2,2
27. अधिकार-2
31. प्रतिज्ञा-3
33. आकांक्षा, अभिलाषा-3
35. राह, मार्ग-2
37. टैक्स, हाथ-2

शब्द पहेली - 5976 का हल

■	खा	दि	म	■	■	■	र	ह	ना
दा	द	■	हा	ति	म	ता	ई	■	क	प
न	■	■	न	ल	■	र	स	■	■	ना
ब	च	न	■	स्म	र	ण	■	व	स	ह
■	क	ल	म	■	ण	■	नी	र	ज	■
■	ना	■	सी	स	■	जा	ल	■	कु	■
च	कू	स	ना	■	प	■	म	हि	मा	■
र	र	खा	■	ग	रि	मा	■	ना	र	द
र	■	■	त	म	■	य	म	■	■	ली
म	स्त	■	स	ला	ह	का	र	■	क	ल
■	र	सी	ला	■	■	■	जी	ने	द्र	■

सूडोकु नवताल - 5987

सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

MANGAL, SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5986 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

दुनिया का इकलौता देश, जहां दिखता है हरा सूरज

नई दिल्ली। यदि आपसे पूछा जाए कि सूरज का रंग क्या होता है, तो लगभग आप में से सभी लोग ही इसे लाल, नारंगी या पीला बताएंगे। यहां तक कि धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, भगवान हनुमान ने भी सूर्य को लाल सेब समझकर खाया था। हालांकि, सूरज के रंग को लेकर आपकी जानकारी बिल्कुल भी गलत नहीं है। लेकिन, दुनिया में एक देश ऐसा जरूर है, जहां सूरज एक अलग रंग में दिखाई देता है।

साइंटिस्ट ने बताया चौंकाने वाला कारण

यहां उगता है हरा सूरज

ओस्लो। यूरोप का एक देश नॉर्वे अपनी रहस्यमय नेचर के लिए दुनिया भर में फेमस है। यहां वाइट माउंटेन्स, नॉर्थन लाइट से लेकर सूरज का रंग भी सबको चौंकाता है। जी, हां नॉर्वे ही वो इकलौता देश है, जहां सूरज का रंग लाल, नारंगी या पीला नहीं, बल्कि हरा दिखाई देता है। साइंस की भाषा में कुदरत के इस करिश्मे को ग्रीन फ्लैश कहा जाता है।

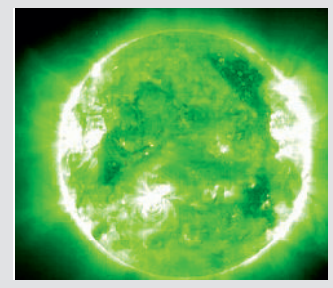

2-3 सेकंड के लिए सूरज बदलता है रंग

ग्रीन फ्लैश केवल 2 से 3 सेकंड के लिए नजर आता है। साइंटिस्ट्स का मानना है कि ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि सूरज की किरणें कई रंगों से मिलकर बनती है। ऐसे में जब सूरज क्षितिज पर होता है, तो इससे रोशनी में हरा और नीला रंग ज्यादा साफ झलकता है।

कब नजर आता है ग्रीन फ्लैश

सूरज का हरा रंग दिन भर नजर नहीं आता है। इसे देखने के लिए आपको सूर्योदय और सूर्यास्त का इंतजार करना होगा। यह अद्भुत नजारा समुद्र के किनारे या ऊंचाई से साफ वातावरण वाली जगहों पर देखा जा सकता है। इसके अलावा हरा सूरज देखने के लिए आपको सोलर ग्लासेज का इस्तेमाल करना होगा। क्योंकि, यह नजारा कुछ समय के लिए ही आसमान में दिखता है, इसलिए सूरज को एक टक देखते रहना भी जरूरी है।

हमले के लिए निकल चुका है एलियन यान, पृथ्वी को कब्जे में करने की तैयारी!

वॉशिंगटन। सौरमंडल में एक बिन बुलाए मेहमान की एंट्री हो गई है। इसे देखकर साइंटिस्ट चिंता में पड़ गए हैं। ये एक इंटरस्टेलर यानी बाहरी अंतरिक्ष से आया पिंड है, जिसका नाम 3I/एटलस है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक अवी लोएब का कहना है कि यह कोई नॉर्मल पिंड नहीं है, बल्कि एलियंस का भेजा यान भी हो सकता है। वैज्ञानिक लोएब ने कहा कि इस पिंड के साथ एक 'छोटा गुप्त यान' भी चल रहा है, जो शायद मंगल ग्रह की ओर जा रहा है। उनका कहना है कि यह यान 3I/एटलस से थोड़ा आगे चल रहा है और 3 अक्टूबर 2025 को यह मंगल ग्रह के बहुत करीब से गुजरेगा।

आ रहे बिन बुलाए मेहमान, साइंटिस्ट को मिले खतरनाक संकेत

क्या है 3I/एटलस?

यह एक इंटरस्टेलर ऑब्जेक्ट है, यानी ऐसा पिंड जो हमारे सौरमंडल के बाहर से आया है। यह घंटे में 2,09,000 किलोमीटर की रफ्तार से चल रहा है, यानी एक सेकंड में 60 किलोमीटर। इसकी उम्र करीब 7 अरब साल है, जो हमारे सौरमंडल से भी ज्यादा है।

क्यों है ये इतना खास?

3I/एटलस जब मंगल ग्रह के पास आएगा, तो यह सिर्फ 2.7 लाख किलोमीटर दूर होगा, जो बहुत कम दूरी है। अवी लोएब का मानना है कि इतना पास आना कोई संयोग नहीं, बल्कि किसी ने जान-बूझकर इसकी दिशा तय की है।

क्या कोई एलियन यान मंगल पर भेजा गया है?

लोएब कहते हैं कि एक छोटा यान 3I/एटलस के आगे चल रहा है और हो सकता है वह मंगल ग्रह पर उतरने की कोशिश करे। यह यान इतना छोटा है कि धरती की टेलीस्कोप से दिखाई नहीं दे रहा। लोएब ने सुझाव दिया है कि मंगल टोही ऑर्बिटर के हाईराइस कैमरा से इसकी जांच की जा सकती है।

एलियन का हमला संभव?

लोएब ने एक और चौंकाने वाला बयान दिया है कि शायद ये यान धरती पर नजर रखने या हमला करने आ रहा है। उन्होंने दुनियाभर की सरकारों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और मिलकर तैयारी करें।

क्या कहते हैं दूसरे वैज्ञानिक?

हालांकि, अभी तक अन्य वैज्ञानिकों ने लोएब की बातों से सहमति नहीं जताई है। नासा और अन्य संस्थाएं इसे सिर्फ एक नॉर्मल नेचुरल पिंड मान रही हैं। लेकिन 3I/एटलस की अजीब चाल ने सबको सोचने पर मजबूर कर दिया है।

हाथ पीछे बंधे, गले में रस्सियां पेरू में मिली 'अजीब कब्र'

लीमा। पेरू में एक मंदिर की खुदाई के दौरान पुरातत्वविदों को एक दर्जन से ज्यादा लोगों के अवशेष मिले हैं। ये अवशेष 2300 साल पुराने हैं। इनमें कई अवशेषों या कंकालों के गले में रस्सियां लगी हुई हैं और हाथ पीठ के पीछे बंधे हुए हैं। ऐसा माना जा रहा है कि इनमें से अधिकतर शवों का संबंध मानव बलि से हो सकता है। हालांकि, रस्सियों से बंधे कंकालों की खोज के बाद स्थानीय निवासियों ने किसी अनहोनी की आशंका जताई है। उनका कहना है कि वैज्ञानिकों को ऐसी चीजों से छेड़छाड़ नहीं करनी चाहिए।

जमीन की ओर थे मृतकों के चेहरे

एक रिपोर्ट के मुताबिक, पुरातत्वविदों ने बताया कि इन कब्रों में कुछ दुर्लभ विशेषताएं हैं। सैन मार्कोस के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में पुरातत्व के प्रोफेसर हेनरी टैंटालियन ने बताया है, 'जिस तरह से उन्हें कब्र में रखा गया था वह अजीब है। उनके चेहरे जमीन की ओर थे, जो एंडियन प्रागैतिहासिक काल में एक असामान्य दफनाने का तरीका था।' हेनरी टैंटालियन ही इस जगह पर खुदाई कर रही पुरातत्वविदों की टीम का नेतृत्व कर रहे हैं।

2300 साल पुराने कंकालों को देख डरे लोग

मरे लोगों की खोपड़ियों में मिला फ्रैक्चर

टैंटालियन ने बताया कि कई लोगों की खोपड़ी में फ्रैक्चर था। वहीं, कुछ के गले में रस्सियां और हाथ पीठ के पीछे बंधे थे। उन्होंने कहा कि इन खोजों से पता चलता है कि इन लोगों की बलि दी गई थी। उन्होंने कहा कि 'उनके साथ कोई भेंट या कब्र में रखी कोई वस्तु नहीं थी, जो भी असामान्य है।'

3000 साल पुरानी है मंदिर

टैंटालियन के अनुसार, उनकी टीम ने 2024 में पेरू के उत्तर-पश्चिमी तट पर पुएमापे मंदिर परिसर के पास इन कब्रों की खोज की और 2025 में उत्खनन कार्य शुरू किया। उन्होंने बताया कि यह मंदिर लगभग 3,000 साल पुराना है, लेकिन ये कब्रें बाद के समय की हैं, लगभग 400 से 200 ईसा पूर्व की। उनका यह भी कहना है कि मानव बलि दिए जाने से पहले ही मंदिर को छोड़ दिया गया होगा।

मरने वाले लोगों का डीएनए जांच रहे विशेषज्ञ

टैंटालियन ने कहा, 'वे इस प्राचीन पूजा स्थल पर चढ़ाई जाने वाली बलि रहे होंगे।' लेकिन, पुरातत्वविदों को इस बारे में बहुत कम जानकारी है कि बलि चढ़ाए गए लोग कौन थे। टैंटालियन ने कहा, हो सकता है कि वे उसी क्षेत्र में रहने वाले लोग थे। हालांकि, हमारी यह भी परिकल्पना है कि वे पड़ोसी घाटी से आए होंगे। कंकालों का विश्लेषण जारी है, और टीम लोगों की पहचान जानने के लिए डीएनए टेस्ट सहित अध्ययन करने की योजना बना रही है।

2 लाख लोगों के मेले की सफाई में मिली अजीब चीज़ें, मालिकों को लौटाने की तैयारी

लंदन। ब्रिटेन में समरसेट के ग्लासटनबरी में हर साल एक पांच दिन का उत्सव होता है। इसमें कई तरह की कलाओं, खास तौर से परफॉर्मिंग आर्ट्स का प्रदर्शन होता है, प्रतियोगिताएं होती हैं। जगह-जगह से लाखों लोग इस उत्सव में जुटते हैं। इस साल करीब 2 लाख से भी ज्यादा म्यूजिक फैन यहां के एक बड़े से मैदान में जमा हुए थे। यहां भीड़ के आने-जाने से बहुत सारी गंदगी भी फैली थी। जिसे साफ करने के लिए कई लोगों को जुटना पड़ा था। एक शख्स ने सोशल मीडिया पर बताया कि मैदान पर फैले कचरे को एक महीने तक साफ करते हुए कई कीमती चीजें मिली, जिन्होंने हैरान किया। लेकिन, इनके मालिक उन्हें वापस हासिल कर सकते हैं।

अजीबोगरीब, लेकिन कीमती चीजें

वी ने अपने बैग से चीजें निकाली और दिखाईं। उन्होंने एक रबर हैंड से शुरुआत की और कहा, 'यहां छोटे सीरियल बाउल्स के लिए चम्मचों का कलेक्शन भी है।' इसके बाद उन्होंने ज्वेलरी दिखाई, जिसमें 12 ईयररिंग्स, 10 नेकलेस, दो ब्रेसलेट्स और पांच रिंग्स शामिल थे, जिसमें से एक पर हेलो किट्टी का डिजाइन था।

खिलौने और अन्य चीजें

वी ने ब्लू-हेअर्ड ट्रोल्स फिगर, एक बालों वाला ट्रोल्स फिगर, दो छोटे डायनासोर फिगर्स और चार हाउस कीज़ भी पाईं। इसके अलावा, रबर स्क्विड, कई छोटे रबर डक्स, एक स्केलेटन आर्म और एक गोल्डन डबलून भी मिला।

कैश और अन्य सामान

वी ने बताया, 'मुझे 40 पाउंड कैश मिला, मैंने उसे खर्च कर दिया। इसके अलावा, एक चॉकलेट फ्लेक जैसी लाठी, क्रोक चार्म्स, एक लाइट स्विच, एक पलेक्टम, एक वुडन डाइस, दो शेल्स और आखिर में एक गोल्डन टॉप भी मिला, लेकिन मैं नहीं जानता कि इसका क्या करूं। उन्होंने मज़ाक में वह लेडीज़ गारमेंट पहनकर पूछा, क्या एक महीने का कचरा साफ करना इसके लायक था?

ट्रेन की बर्थ पर ही कूलर लगाकर सो गया शख्स

नई दिल्ली। सोशल मीडिया ऐसी जगह है जहां कब, क्या देखने को मिल जाए इसका अंदाज़ा कोई भी नहीं लगा सकता है। कई बार तो हमें कल्पना से परे चीजें भी देखने को मिल जाती हैं। जिनके बारे में हम सपने में भी नहीं सोच सकते हैं। वहीं, हम जुगाड़ की बात करें तो भारतीय लोग जुगाड़ में सबसे आगे हैं। किसी भी काम को आसान बनाने के लिए या फिर किसी नामुमकिन काम को करने के लिए भारत के लोग कोई न कोई जुगाड़ कर ही लेते हैं। ऐसा ही एक वीडियो अब इंटरनेट पर वायरल हो रहा है, जिसे देखकर लोगों का दिमाग चकरा गया है।

जहां पानी नहीं होता...वहां रहता है ये पक्षी फिर रोज करता है असंभव को संभव

भोपाल। विंध्य पर्वत की विशाल श्रृंखला में बसे नौरादेही टाइगर रिजर्व में दुर्लभी जीव भी हैं। यह रिजर्व टाइगर, तेंदुआ, भेड़िया, नीलगाय और चीतल जैसे शानदार वन्यजीवों का घर है, जहां हर कोना जीवन की जीवंतता से भरा पड़ा है। लेकिन, यहां की असली खासियत पक्षियों की दुनिया है। खासकर वह दुर्लभ सैंड ग्राउस पक्षी जो अपने बच्चों की प्यास बुझाने के लिए अनोखा तरीका अपनाता है। रिजर्व में 92 प्रकार के पेड़, 49 प्रकार की झाड़ियां और जड़ी-बूटियां, 18 प्रकार की लताएं तथा 35 प्रकार की घास पाई जाती हैं। ये सभी मिलकर एक ऐसा आवास तैयार करते हैं, जो वन्यजीवों के लिए आदर्श है। संरक्षित क्षेत्र में पक्षियों की 230 से अधिक प्रजातियां निवास करती हैं, जिनमें हंसारस, एग्रेट्स, स्टोर्क्स, बाज, गिद्ध, तीतर और बटेर, कबूतर, तोते, कोयल, उल्लू, फ्लाईकैचर्स और मैना जैसे पक्षी शामिल हैं।

दुर्लभ है इस पक्षी की कला

इन सबके बीच एक ऐसा पक्षी है, जो दुर्लभता की मिसाल है। उसे सैंड ग्राउस कहते हैं। यह पक्षी सूखे और गर्म क्षेत्रों में पाया जाता है, जहां पानी की कमी जीवन की सबसे बड़ी चुनौती होती है। सैंड ग्राउस का जीवन संघर्षपूर्ण है। यह मुख्य रूप से बीज, दाने और घास के तिनकों पर निर्भर रहता है, लेकिन अपने बच्चों को पालने के लिए यह असंभव को संभव कर दिखाता है।

सैंड ग्राउस की यहां दोनों प्रजातियां

नौरादेही टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. एए अंसारी बताते हैं, 'यह क्षेत्र ड्राई एरिया है और यहां के स्थानीय पक्षी बेहद अनुकूलित हैं। सैंड ग्राउस अपने पंखों के निचले हिस्सों में पानी सोख लेता है, फिर अपने चूजों को पंखों से पानी पिलाता है और उन्हें ठंडा रखता है। हमारे यहां सैंड ग्राउस और पेंटेड सैंड ग्राउस दोनों प्रजातियां पाई जाती हैं। आमतौर पर यह बीज, दाने और घास के तिनके खाता है।' आगे कहते हैं कि यह पक्षी खुले और बड़े मैदानों में अधिक पाया जाता है, लेकिन इनकी प्रजाति पर संकट मंडरा रहा है, क्योंकि उनके प्राकृतिक आवास लगातार नष्ट हो रहे हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com